हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 फरवरी, 1993

खण्ड–1, अंक–3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 25 फरवरी, 1993

पृश्ठ संख्या

ताराकित प्र ान एवम उतर	(3)1
वाक आऊट	(3)14
ताराकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)	(3)14
नियम 45 के अधीन सदस्यो की मेज पर रखे गए	(3)21

ताराकित प्र ानो के लिखित उतर विभिन्न विशयो का उठाया जाना	
अतारामि प्र न एवम उत्तर	(3)21
ध्याना कर्शण प्रस्ताव	
किसानो को सूरजमुखी के घटिया गुणवता के बीज सप्लाई करने के सबंधी	(3)28
वक्तव्य	
कृशि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबधी	(3)28
विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओ के बारे के माननीय अध्यक्ष द्वारा संबधित सदस्यो को सूचना	(3)33
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(3)33
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)35
बैठक का समय बढाना	(3)75
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)76

हरियाणा विधान सभा

वीरवार , 25 फरवरी, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र ान एवम उतर

Parking of Haryana Roadways Buses at Unauthorised places

***1395 Shri Amar Singh:** Will the Minister of State for Transport be pleases to state whether the Government is awar of the fact that the Buses of Haryana Roadways plying between Delhi to Hisar and Delhi to Chandigarh are parked at un authorised places; if so, the action taken or prposed to be takenin this regard?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह): जी हां। सचिव, क्षेत्रिय परिवहन प्राधिकरणो तथा पुलिस अधीक्षक, यातायात की अनाधिकृत स्थानो पर खडे पाये गये वाहनो का चालान करने तथा महाप्रबन्धको को दोशी पाये गये चालको/परिचालको के विरूद्ध कठौर अनु ाासिक कार्यवाही करने की हिदायते जारी की जा चुकी है।

श्री अमर सिंह: क्या मंत्री जी बताएगे कि ये इस्ट्रक ांज कब जारी की गई है और इन्स्ट्रक ाज जारी करने के बाद दिल्ली हिसार और दिल्ली चण्डीगढ रूटस पर अन अथोराइज्ड ढाबो पर

कितनी बसे खडी पाई गई और कितने ड्राईवर्ज और कडक्टर्ज का चालान हुआ हैं ?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, इन आदे ाो के अन्तर्गत 71 चालाको की वार्शिक वेतन वृद्धि बन्द कर दी गई और दोशियो को जनवरी, 92 से नवम्बर 92 तक 10400 रूपए जुर्माना किया गया है। समय समय पर इनकी चैकिग करवाई जाती हैं अगर यह काम न रूका तो हम इससे ओर भी अधिक कडे कदम उठाएगे वैसे आगे ये यह प्रैक्टिस बहुत कम हो गई है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मैने पूछा था कि इस्ट्रक ाज कब जारी की है? दूसार सवाल मेरा यह है अन अथोराइज्ड ढाबो पर ड्राइवर्ज और कडक्टर्ज को ना ता और चाय फ्री मिलते है और दिन छिपने के बाद जब वहा पर बसे खडी होती है तो उनको भाराब की बोतल दी जाती है। जब से बस की ज्यादा देर तक खडी रखते है, उसके बाद टाइम पूरा करने के लिए बसो को तेज चलाते है जिससे आए दिन एक्सीडैटस होते है। मै जानना चाहता हू कि दिल्ली–हिसार और दिल्ली–चण्डीगढ रूटस पर कितने एक्सीडैटस अब तक हुए है और कितने बे गुनाह जाने गई है ?

श्री अध्यक्षः एक्सीडैटस का इससे कोई ताल्लुक नही है।

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, जहा तक इस्ट्रक ाज जारी करने का सवाल है, ये हमने 9.10.91, 5.12.1991,

24.4.1992 और 3.9.1992 को जारी की थी। इनके पत्र नम्बर अगर आप जानना चाहते है तो वे इस प्रकार है 3881–99/टी1–3 दिनांक 9.10.1991, 3894–3911/टी आई–3 दिनांक 5.12.1991, 1558–77/टी आई–3 दिनांक 24.4.1992 तथा 475–92/टी आई–3 दिनांक 3.9.1992 तक इन पत्रो के द्वारा हमने महा प्रबन्धको को नोटिस दे दिए है। इनके मुताबिक कडी कार्यवाही की जा रही है। मै मानता हू कि यह प्रथा गलत पडी हुई है और हम इसको समाप्त करने के लिये कार्यवाही करेगे। सरकार इसके लिये पूरी तरह से सचेज है। इसके लिये जो भी ड्राइवर या कडक्टर दोशी पाया जाता है, उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाती है। इसके साथ हमने सभी बसो मे स्पीड गवर्नर्स लगाए हुए है ताकि बसो की गति सीमा 65 किलोमीटर से अधिक न रहे। ज्यादा स ज्यादा 70 किलोमीटर की गति तक बसे चलती है। अगर कोई ड्राइवर गवर्नर तोड कर गति बढाता है तो उसके लिये भी हमने मैथ्यर लिये है। जो भी गल्ती करता है उसके विरूद्ध हम कार्यवाही करते है?

श्री रामपाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि ये इस सबंध मे 4 बार हिदायते जारी कर चुके है। मै जानना चाहता हू कि इनको ऐसे पत्र चार बार लिखने की क्यो आव यकता पडी? पहली बार जो पत्र लिखा था, क्या उसको कोई असर नही हुआ था? दूसरे मै यह जानना चाहता हू कि क्या अभी भी काफी मात्रा मे बेसिज अन अथोराइज्ड जगहो पर

खडी होती है, अगर खडी होती है तो उसके खिलाफ क्या एक ान लिया जा रहा है? अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने उत्तर मे बताया है कि 71 चालको के खिलाफ हमने एक ान लिया है। मै यह जानना चाहता हू कि इनकी कोई प्रोपोजल है कि यदि कोई चालक गलत जगहो पर बस खडी करता है तो उसका एक बार या दो बार चालान करने के बाद, यदि तीसरी बार भी वह दोशी पाया जाता है तो क्या उसकी सर्विस से छुटटी कर दी जाएगी? क्योकि इन्क्रीमेंट बन्द करने से तो कोई असर लग नही रहा है?

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, कई बार हमे समय समय पर पत्र इसलिये लिखने पडते है कि स्टाफ बदलता रहता हैै। स्टाफ बदलने की वजह से उनके ध्यान मे यह बात लाने के लिये पत्र कई बार लिखने पडते है। जुर्माना भी हम करते रहते है, यदि कोई चालक बार बार दोशी पाया जाएगा तो उसको सर्विस से भी निकाल जाएगा लेकिन फिलहाल तो हम रूल 8 के तहत ही कार्यवाही करेगे ओर इस संबध मे जितने कडे कदम उठाये जा सकते है वे उठाएगे।

Bhiwani Milk Plant

***405 Prof. Chattar Singh Chauhan:** Will the Minister for Dairy Development be pleased to state whether it is a fact that Government has closed down the Milk Plant, Bhiwani; if so, the reason there of?

सहकारिता मत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया): हां, दुग्ध सयन्त्र भिवानी जो कि कन्डेस्ड मिल्क बनाने के लिये लगाया गया था, उसे अप्रैल 1986 से बन्द कर दिया गया है। प्लाट इसलिये बन्द कर दिया गया था क्यकि स्थायी घाटे की स्थिति मे चल रहा है।

प्रो0 छतर सिह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय के ध्यान मे लाना चाहता हू कि जो तथ्य इन्होने दिए है, उसको जरा ये चैक कर ले, क्योकि जुलाई, 1991 को इसी सदन के पटल पर मुख्यमंत्री महोदय ने यह आ वासन दिया था कि यह मिल्क प्लाट बन्द नही किया जाएगा। ऐसा लगाता है कि इस मिल्क प्लाट को राजनैतिक प्रति ाोध के कारण बन्द कर दिया गया है। यह सन 1986 मे नही बल्कि जुलाई, 1991 बन्द किया है। तो तथ्य मंत्री महोदया ने दिया है, वह गलत है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगी कि और कितने ऐसे मिल्क प्लाट है जो घाटे मे है, और अब भी घाटे मे चल रहे है? मै मंत्री महोदय के नोटिस मे यह भी लाना चाहता हू कि भिवानी के मिल्क यूनियन वाले किसानो ने लगभग 6 लाख रूपये का दूध दिया हुआ है और उसकी पैमेट अभी तक नही हुई। इस संबध मे मै मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना करता हू कि उनकी पेमैट का भुगतान करने के लिये क्या इतजाम करेगे?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, अभी चौहान साहब ने कहा कि मैने यह कहा था कि हम इसको बन्द

नही करेगे। मै इनको यह बताना चाहता हू कि मिल्क प्लाट बन्द नही हुआ था, बल्कि कन्डेसड मिल्क बनाना अप्रैल 86 मे बन्द हो गया था। वह इसलिए बन्द कर दिया गया था क्योकि यह मिल्क प्लाट घाटे मे चल रहा थां। एक बात इन्होने यह कही कि राजनीतिक प्रति ाोध के कारण बन्द किया गया है। मै इनके नोटिस मे लाना चाहता हू कि यदि मैने इसको अप्रैल 1986 मे राजनीतिक प्रति ाोध के कारण बन्द किया था तो जून 1986 मे मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी आ गए थे, ये उसे चालू कर देते। दूसरे अध्यक्ष महोदय, हमने कोि ा ा की कि यह मिल्क प्लांट चले। मै आकडे देकर बताना चाहूगा। वह मिल्क प्लाट 1972 मे चालू हुआ था। एक दफा यह दो लाख के प्रोफिट मे आया बाकी हर साल लगातार घाटे मे रहा क्योकि दूध कम मिलता हैं इसलिये इसको बन्द करने की मजबूरी हुई। आखिर मे 1988–89 मे सिर्फ 860 लिटर ही दूध मिला। कहा तो 15 हजार की कपैसिटी और दूध केवल 860 लिटर। अध्यक्ष महोदय, आप खुद जानते है कि मिल्क प्लाट इतने घाटे मे कैसे चल सकता है?

श्री अध्यक्षः टोटल कितना घाटा हुआ था?

चौधरी भजन लालः 20 साल मे से एक साल को छोड कर बाकी लगातार घाटा ही रहा है। डिफरैन्ट सालो मे घाटा भी अलग अलग रहा है। कभी 9 लाख, कभी 14 लाख, कभी 20 लाख, कभी 22 लाख, कभी 27 लाख, कभी 20 लाख, कभी 16 लाख, कभी 30 लाख, कभी 33 लाख अगल घाटा रहा । घाटे की वजह

से और दूध पूरा न मिलने की वजह से चिलिग सैन्टर को बन्द करना पडा। दूसरे इन्होने कहा कि किसानो का कुछ पैसा देना है। आप जानते है अध्यक्ष महोदय, कि इन्डिविजुअल से दूध यूनियन लेतीहै। मिल्क प्लाट ने यूनियन को पैसा दे दिया। यूनियन वालो ने आगे इन्डिवजिुअल का पैसा नही दिया। यह बात ठीक है कि जिन गरीब लोगो ने दूध दिया है उनकी पैसा न मिलने की वहज से परे ाानी है इसलिये उनको पैसा मिलना चाहिए था। 32 आदमी हाई कोर्ट मे गए है और केस हाई कार्ट मे पैडिग है। उनके बारे मे ज्यादा कहने की बात नही है। जो मिल्क प्लाट के कर्मचारी थे, उनको दूसरे मिल्क प्लाटो मे एबजोर्व कर लिया गया है, ऐसा नही है कि वे बेकार है। यूनियन के जो कर्मचारी है उनकी बात अगल है। पैसा भी लोगो को वे खा गये लेकिन चूकि इन्डिविजुअल ने दूध दिया है इसलिए उनका कोई दोश नही है। यह 6 लाख रूपये की बात है। यह 6 लाख रूपए हम किसी और रास्ते से उनको देगे चाहे हमे यह पैसे रिलीफ फण्ड मे से देने पडे। इन्डिविजुअल का जो 6 लाख रूपए है वह उनको मिलना चाहिए और वह पैसा हम उनको 30 दिन के अन्दर अन्दर दे देगे।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, क्या मंत्री महोदय बताएगी कि इस समय स्टेट मे कितने मिल्क प्लांट काम कर रहे है और उनमे हर साल कितना लाभ हो रहा है?

श्रीमती भाकुन्तला भागवाडियोः स्पीकर सर, वैसे तो हरियाणा मे 6 मिल्क प्लांट चल रहे है भिवानी और हिसार के दो मिल्क प्लाट घाटे मे है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, भिवानी का मिल्क प्लांट तो बन्द ही है मै यह पूछ रहा हू कि स्टेट मे इस समय कितने मिल्क प्लाट काम कर रहे है और 1986–87 से अब तक उनका सालान प्राफिट कितना है?

श्रीमती भाकुन्तला भागवाडियोः स्पीकर सर, यह प्र ान भिवानी मिल्क प्लाट के बारे मे है। इन्होने जो पूछा है उसके लिए भी जवाब दे रही हू।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे मे जो जानकारी मुझे है वह मै इनको बताना चाहता हू। इस समय स्टेट मे 6 मिल्क प्लाट कार्यरत है। 1986–87 मे इनमे प्रोफिट 9 लाख 18 हजार था, 1987–88 मे प्रोफिट 2 करोड 16 लाख था, 1988–89 मे 88 लाख 55 हजार, 1989–90 मे 16 लाख 50 हजार, 1990–91 मे 9 लाख 15 हजार और 1991–92 मे जब से हमने राज सम्भाला है इसमे एक करोड 70 लाख का प्रोफिट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब मै रोहतक के बारे मे बता देता हू। रोहतक का मिल्क प्लाट 1986–87 और 1987–88 मे घाटे मे रहा और 1988–89 मे प्रोफिट मे आया है। 1990–91 मे 13 लाख 22 हजार के प्रोफिट मे था और 1991–92 मे यह प्रोफिट 44 लाख 58 हजार

हो गया। इसी तरह से बल्लभगढ का भुरू से लेकर आखिर तक घाटे मे रहा है और अब इस साल 22 लाख 38 हजार रूपये प्रोफिट मे है।

श्री धीरपाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएगे कि क्या यह सच है कि यह जो बल्लभगढ का मिल्क प्लाट है यह वहा के लोगो को दूध ने लेकन बाहर से दूध लेकन पैकिग करके कमी ान पर काम कर रहा है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये तो इनके जमाने की बात हैं इन्हे हरेक को अपने जैसा नही समझना चाहिए।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने इनको नही कहा है कि ये कमी ान खाते है मै तो यह कह रहा हू कि मिल्क प्लाट वाले बाहर से दूध लेकर बेचते है और उसको बेच कर कमी ान खाते है।

श्री अध्यक्षः आप आरोप न लगाए।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मिल्क प्लाट के जरिए लोगो को दूध लेकन उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जाए, ऐसा हमारा उदेद ाय है। लेकिन मिल्क प्लाट तो पैकिग का काम कर रहा है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, किसानो का तो परपज हल हो गया, उनको तो अच्छा भाव मिल रहा है। आपको

तो एतराज तब होना चाहिए अगर हम उनका दूध न लेकन बाहर से दूध लेते हो।

श्री धीरपाल सिंहः दूध तो बाहर से आता है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर दूध कम पड जाए ओर प्लाट की कैपैसिटी पूरी न होती हो तो बाहर से लेने मे क्या अर्ज है? (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, कैपेसिटी के मुताबिक दूध नही मिल रहा है। तो बहार से लेकर पैकिग करके दो पैसे कमा ले और किसानो को भ ज्यादा पैसा मिल जाए तो इन्हे क्या तकलीफ है?

श्री धीरपाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएगे कि बल्लभगढ को छोड कर बाकी कौन से प्लाट बाहर से दूध ले रहे है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के बोर्डर पर जो प्लाटस है, वे प्लाटस बाहर से दूध ले लेते है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा साफ प्र ान है कि बल्लभगढ प्लांट को छोड कर बाकी जो प्लाट है वे बाहर से कहा कहा से दूध लेकन काम कर रहे है।(ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई बाहर से दूध दे दे तो हम वह भी ले लेते है।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि जैसे यमुना नगर है या हरियाणा के और बहुत से इलाके है जहा पर बहुत दूध है वहा कोई मिल्क प्लाट नही है। तो क्या वहां पर कोई मिल्क प्लाट लगाने का प्रोपोजल सरकार के पास है?

श्रीमती भाकुन्तला भागवडियाः अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई प्रोपीजल नही है परन्तु हम एक नया प्लाट सिरकार से लगाने जा रहे है।

Electrictiy Connections for Tubewells

***413 Shri Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister be pleased to state-

(a) whether total number of electricity connections for tubewells released during the year 1992; and

(b) the total number of electricity connections for tubewells are propoesed to be released during the year 1993?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 1 जनवरी से 31 दिसम्बर 1992 तक 21892 नलकूपो को बिजली कनैक ान दिए गये।

(ख) लक्ष्य वित्तीय वर्श अनुसार निर्धारित किये जाते है। वर्श 1993–94 के दौरान 12000 नये नलकूपो को कनैक ान देने का लक्ष्य है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, क्या मंख्यमंत्री जी बतायेगे कि जुलाई 1991 मे भिवानी जिले मे बिजली के कितने कनैक ान दिये गये और अभी कितने देने बाकी रहते है? इसके अलावा जिन्होने सात हजार रूपये कनैक ान लेने के लिए जमा कराये है उनमे से कितनी को कनैक ान दिये जा चुके है और कितने कनैक ान अभी दैने बाकी है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हल्केवाईज इफरमे ान तो मेरे पास नही है लेकिन सर्कलवाईज इफरमे ान मेरे पास है। जहा तक भिवानी सर्कल का ताल्लुक है 1991–92 मे 875 टयूबवैल दिये गये 1992–93 मे 455 तथा 1993–94 मे 700 टयूबवैल कनैक ांज देने का लक्ष्य रखा है।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे फिर पूछना चाहता हू कि जिन्होने सात हजार रूपये जमा करा रखे है, उनको प्रायरिटी बेसिज पर कितने कनक ांज दिये गये है और कितने कनैक ान अभी देने बाकी है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पांच हजार रूपये या सात हजार रूपये लेकर कनैक ान देने का एक प्रपोजल है। जहा पर ट्रासमीटर लगे है वहा पर 200 मीटर तक पांच हजार रूपये लेकन जल्दी से जल्दी कनैक ान देने की हम कोि ा ा करते है। इसके अलावा, 400 मीटर तक सात हजार रूपये लेकर हम कनैक ान देने को जल्दी से जल्दी कोि ा ा करते है।

अध्यक्ष महोदय, जैसो कि मैने इस बारे मे कल भी बताया था कि कनैक ान देने मे हरिजनो को भी हम प्रायोरिटी देते है अगर ये चाहे तो आज फिर मै इनको बात देता हू। पूरी डिटेल मेरे पास है लेकिन इसमे हाउस का काफी समय लग जाएगा।

श्री रामपाल सिह कवंर: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जीने अभी बताया है कि 1993–94 मे 12 हजार कनैक ान टयूबवैल्ज के लिए दिये जाएगे लेकिन जिन सर्कल्ज मे, आज भी काफी मात्रा मे ऐप्लीके ान पैडिग पडी है तो क्या प्रायोरिटी बेसिज पर उनको कनैक ान देने कोई प्रस्ताव है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जिन सैकल्ज से ज्यादा टैस्ट रिपोर्ट पैडिग पडी है, उन सर्कल्ज मे कनैक ान देने मे प्रायोरिटी दी जाती है और टैस्ट रिपोर्ट के आधार पर ही लक्ष्य निर्धारित किये जाते है। जहां पर थोडी टैस्ट रिपोर्टस है, वह कनैक ान दैने का कम लक्ष्य होगा और जहा पर टैस्ट रिपोर्टस ज्याद है, वहा कनैक ाज का लक्ष्य होगा। हमारी तो ज्यादा से ज्यादा कनैक ान देने का भरसक कोि ा ा रहती है खास तौर से पैडी के एरिया मे हम ज्यादा कनैक ान देने की कोि ा ा करते है।

Completion of Mandhi Haria Ditch Minor

***412 Shri Attar Singh Maundhiwala:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state:-

(a) the amount sanctioned by the Govt. for the completion of Mandhi Haria, Ditch Minor and Balaji Minors of Loharu Canal Indistrict Bhiwani during the period form June, 1986 to May, 1988; and

(b) the amount out of those as referred to in part (a) above spent for the completion of said minors togetherwith the extent to which the construction work has been completed so far?

सिचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा):

(क) मान्डी हरिया डिच माईनर तथा बजाली माईनर के निर्माण का पिरयोजना अनुमान क्रम ाः रूपये 27.33 लाख तथा रूपये 44.37 लाख की रा ि ा से वर्श 1987 मे स्वीकृत किया गया था।

(ख) मान्डी हरिया डिच माईनर के निर्माण के लिये रूपये 5.13 लाख की रा ि ा खर्च की जा चुकी है और लगभग 60 प्रति ात मिटटी का कार्य पूर्ण हो चुका है। बलाली माईनर पर रूपये 20.05 लाख खर्च हो चुका है और लगभग 70 प्रति ात कार्य पूरा हो चुका है।

श्री अतर सिंह मान्डीवालाः क्या मंत्री महोदय इक्वायरी कराएगे कि 1986–87 मे अर्थ वर्क भाुरू हुआ था क्या वह सारा का सारा खत्म हो चुका है और अब कोई काम भोश नही है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यह बात दुरूस्त हो सकती है क्योकि यह कार्य 1988 तक ही हुआ था उसके बाद कार्य नही हुआ। इसका एक कारण यह भी रहा कि बलाली माईनर के कार्य के बीच मे कोर्ट से स्टे आ गया था, यह आर0डी0 4000 से लेकन आर0डी0 6000 के बीच मे था कोर्ट से स्टे आने की वजह से आगे कार्य नही हुआ था इसलिये इनकी यह बात ठीक है। आगे कार्य करने के लिये फडज की अवैलेबिलिटी के आधार पर हम कार्यवाही करेगे।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे माना है कि 25 लाख 18 हजार रूपया मिटटी मे मिल गया है। क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेगे कि अब इन दोनो माईनर का काम कब इन हैन्ड ले रहे है और कब तक पूरा हो जाएगा?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैने कहा कि जैसे जैसे फंड अवेलेबल होगे, उनके अनुसार कार्यवाही भ्ारू की जाएगी। अब तक 130 सैक ांन स्कीमे है जिसमे 33 करोड रूपये का अमाउन्ट इन्वाल्व है। पैसे की उपलब्धता एक करोड 30 लाख रूपये है। इस समय 60 स्कीमे प्रायोरिटी पर है। प्रायोरिटी के आधार पर कार्य भ्ारू किया जाएगा।

श्री राम पाल सिंह कवरः अध्यक्ष महोदय, क्या सिचाई मंत्री महोदय बताएगे कि सारी स्टेट मे कितनी माइनर ऐसी है

जिन पर 50 प्रति ात से ज्यादा काम हो चुका है और अब तक इनकप्लीट पडी है। इन माइनर्ज की लेटेस्ट पोजी ान क्या है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यह ता मै नही बता सकता क्योकि मेरे पास डिटेल नही है कि किन माइनर्ज पर 50 प्रति ात से ज्यादा काम हो चुका है। प्रायोरिटी पर 60 माइनर्ज या सब माइनर्ज ली गई है उनमे काफी काम हो चुका है। नोमला माइनर सैक ान हुई है और प्रायोरिटी लिस्ट मे है। मल्लिका माइनर का कार्य भी काफी हो चुका है। उसमे कई लोगो को ऐतराज है इसलिए यह माइनर प्रायोरिटी लिस्ट मे अभी नही है।

श्री अध्यक्षः नेंहरा साहब, क्या आपके पास कोई सर्कलवाईज लिस्ट है?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, सर्कलवाइज नम्बर तो मै नही बता सकता क्योकि यह डिटेल मे है। इसमे लिफट इरीगे ान भाखडा और बैस्ट यमुना कैनाल दोनो सिस्टम है। यमुना की टोटल ग्रैविटी, यमुना का लिफट इरीगे ान और भिवानी मे या लोहारू मे जूई कैनाल, गुडगाव कैनाल और जी0एल0एन0 कैनाल भाामिल है। उनके बारे मे ये 60 स्कीम्ज है।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया कि साठ स्कीम्ज प्रायोरिटी पर है क्या इनमे हांसी के लिए कोई स्कीम है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, हांसी बहुत बडा सब डिवीजन है इसलिये ये कोई पर्टिकुलर नाम बताए ता मै इस बारे मे बता सकता हू।

श्री अमीर चन्द मक्कडः अध्यक्ष महोदय, सुल्तानपुर माइनर जिस पर 1986 मे काम भाुरू हुआ था और वहा बीड माइनर भी है। मंत्री महोदय को अगर नाम याद हो तो बता दे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, हांसी के लिये एक माइनर प्रायोरिटी पर है, यह भाायद बीड ही है।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि ि ाकारपूर माइनर का पत्थर 1980 मे श्री बलवन्त राय तायल ने लगाया था उसमे मिटटी वगैरहा सब पडी हुई है सिर्फ सोलिंग करनी है ंमंत्री महोदय ने इस बारे मे हमे वि ावास भी दिलाया था कि इसे जल्दी से जल्दी पूरा करेगे। क्या इस माइनर को प्रायोरिटी पर पूरा करने का सरकार का कोई विचार है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जैसे मैने कहा है कि ज्यो ज्यो फडज अवेलेबल होते जायेगे, उसी हिसाब से हम काम करते चले जायेगे। 1980 वाली बात का जवाब मैने पिछली बार, जब इन्होने सवाल पूछा था, दिया था। उस टाईम भी मैने यही कहा था कि ज्यो ज्यो पैसा उपलब्ध होना, हम उसी हिसाब से कार्य करते चले जायेगे। इन्होने बलवन्त राय तायल जी की

बात कह दी कि उन्होने पत्थर रखा था। वह सरकार न तो आपकी थी और न ही हमारी थी। (व्यवाधान एवम भाोर) कहने का मतलब यह है कि लोगो की मांग पर सैक ान तो कई काम हो जाते है लेकिन वह तभी हो सकते है जब पैसे हो जब लोग मांग करैगे तो सैक ान तो होगें ही। इसलिये मेरा कहना यह है कि ज्यो ज्यो फडज अवेलेबल होते जायेगे हम काम करते चले जायेगे।

Realisation of Sales Tax & Excise Duty

***143 Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state-

(a) whether there is increase in the realisation of Sales Tax during teh years 1991-92 and 1992-93 as compared to the last year in the State; if so, the percentage thereof ; and

(b) the estimated amount of Exise duty to be relaised during the yare 1990-91, 1991-92 & 1992-93 togetherwith the amount thereof of actually realised during the said years separately?

Excise and Taxation Minister (Shri A.C Chaudhry):

(a) & (b) A statement is laid on the table of the Sabha.

Statement

(a) The increase in 1991-92 over the sales tax collection in 1990-91 was 25.46% the increase in 1992-93 upto January 1993 over the collection in the corressponding period of 1991-92 is 10-89%

(b) The projections and actuals of excise duty on liquor for 1990-91, 1991-92 and 1992-93 are as follow:

Figures in Rs. Corore

Year	Projections	Actuals
1990-91	102.87	91.55
1991-92	111.06	100.53
1992-93	124.69	93.12

(up to 12/92)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै एक एतराज अपने क्वै चन करने के बारे मे करना चाहता हू। मेरी एक अर्ज यह है कि आपके दरबार मे मैने जो इस क्वै ाचन के सैकण्ड पोर ान मे पूछा था, वह एक्साईज डियूटी की बजाये समझने के या कही कम्यूनिके ान गैप की वजह से लगता है, ऐसा हुआ है। मुझे एक्साईज रैवेन्यू ही लिखा था, मुझे एक्साईज डियूटी और एक्साईज रैवेन्यू मे अन्तर पता है। खैर एक तो यह बात थी। यह कोई बडी एतराज की बात नही है। मै सबसे पहले तो यह पूछना चाहता हू कि सेल्ज टैक्स की परसैटेज आफ कोलैक ान 1991–92 मे 25.46 परसैट थी जो अब घटर कर वह 10.89 रह गई है अध्यक्ष महोदय, अब जो आखिरी महीना आ रहा है, उसमे तो यह घटकर और भी कम रह जायेगी, इसके घटने के क्या कारण है ? स्पीकर साहब, दूसार मै एक और सवाल पूछना चाहता हू कि जो सेल्ज टैक्स आया है वह पिछले साल कितना आया था, और इस

साल कितना आया है? इसके अलावा एक्साईज रैवेन्यू के बारे मे भी बता दे कि ईयरवाईज कितना कितना आया है?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, जहां तक सेल्ज टैक्स की बता का संबध है इन्होने यह पूछा था कि सेल्ज टैक्स की परसैटेज डाऊन क्यो गयी है इनकी कई कारण है। सबसे बडा कारण तो यह है कि इन्टर स्टेट सेल्ज बिल्कुल नही हुई है। अगर कुछ हुई है तो वह न के बराबर है। इसके अलावा इन्फले ान रेट भी कम हुआ है। मार्किट से रिसै ान आया हुआ है। मार्किट मे काफी हद तक इस बात को एनेलाईज भी किया गया है ंऔर मेरे भाई आनरेबल मैम्बर खुद भी इस बात को देखेगे कि सी0एस0टी0 का ताल्लुक है, उसमे तो कोई भी वृद्धि नही हुई है। अब केवल 2. 77 की वृद्धि हुई है। लास्ट ईयर जनरल सेल्ज टैक्स मे 15.05 की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही इन्फेले ान रेट की कमी को देखा जाये तो पहले यह रेट 14.8 का था जो 1990 मे 8 परसेट पर आ गया है। अब यह रेट 7 परसेट से भी कम पर आ गया है। इसलिये इसका असर इन्कम पर और भी पड सकता है। अमाउन्ट की बात आपने सामने बता देता हू। 1989–90 मे 2.67 करोड, 1990–91 मे 321.62 करोड, 1991–92 मे 409.14 करोड और 1992–93 मे जनरवरी तक 377.26 करोड रूपया हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स आ आया है। अब मै सी0एस0टी0 का बता देता हू। वर्श 1989–90 मे 149.37 करोड, 1990–91 मे 172.81 करोड, 1991–92 मे 211.16 करोड और 1992–93 मे जनवरी तक 172.82

करोड रूपया आया है। प्रोजैक ान की बात आपने ऐक्साईज डियूटी के बारे मे पूछी है। वह इस तरह से है 1990–91 मे 102. 87 करोड और वसूल हुआ। 91.55 करोड, 1991–92 मे 111.06 करोड और वसूल हुई 100.53, 1992–93 मे 124.69 करोड और दिसम्बर, 1992 तक वसूली हुई 93.12 करोड की। प्रौजैक ान जो बनता है वह ऐक्साईज डियूटी का बनता है। औक ान मनी बाई एंड लार्ज उतनी ही रहती है। इसलिये प्रोजैक ान हम जब भी भाराब क ीदा करवाते है। उसकी प्रोडक ान पर प्रोजैक्ट करते है। ऐक्साईज से जो रैवेन्यू आया वह मे बता देता हू। 1989–90 मे 236.65 करोड, 1990–91 मे 286.75 करोड, 1991–92 मे 341. 86 करोड और 1992–93 मे जनवरी तक 318.43 करोड।

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, टैक्स और ऐक्साइज के रैवून्यू दोनो की अलारमिग सिचुऐ ान है। सी0एस0टी0 और हरियाणा जनरल सेल्स टैक्स की भी बहुत कम वसूल हुई है। इसका कारण यह है कि सेल्ज टैक्स की चोरी हो रही है और ऐक्साइज डियूटी की भी चोरी हो रही है। हिसार की जा डिस्टीलरी है उसमे चोरी होती है और दूसरी जो डिस्टीलरीज है, उनमे भी चोरी होती है क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेग कि हिसार डिस्टीलरी मे तथा दूसरी डिस्टीलरी मे और दूसरी जगहो पर चोरी और पिल्फरेज हो रही है उसे रोकने के लिये सरकार क्या कदम उठा रही है?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, इनको तो फोबिया हो गया है। चोरी तो इनके जमाने मे हुआ करती थी, उस समय तो ये कुछ भी बोलते नही थे मै इनसे पूछना चाहता हू उस वक्त ये कहा थे जब इनके जमाने मे चोरी और पिल्फरेज चरमसीमा पर थी। इनको तो गलत काम करने से ही फुरसत नही है। ये लोग भाी ो के मकान मे रहकर दूसरो के मकान पर पत्थर फैकते है। जब से भजन लाल की सरकार आई है, हमने दो सौ करोड रूपये ज्यादा कमाए है। इनके जमाने की फिगर मै बताता हू। 1987–88 मै 29.05 परसैन्ट बढौतरी थी लेकिन 1988–89 मे 13.32 परसैन्ट रह गई यानी आधे से भी कम। स्पीकर साहब, पिल्फरेज और फल्कचुए ाजं का जहा तक सबध है, ये हमे ाा व्यापार मे रहे है। व्यापारी रिसै ान का इफले ान का ि ाकार रहा है। जैसा कि मैने बताया है चौधरी भजन लाल की सरकार के आने के बाद दो सौ करोड रूपया ज्याद कमाए है और हम अब अपने टारगैट के नजदीक है। मै अपने भाईयो को यह बताना चाहता हू कि एक्साईज एंड टैक्से ान दोनो सैपरेट बिगह है, दोनो को मिक्स क्यो किया जा रहा है। स्पीकर साहब, इन्होने 1989–90 का पूछा है जिस वक्त इनका राज था। उस वक्त भी 11 करोड रूपया प्रोजेक ान से कम आया 1991–92 में भी 111 के अगेन्स्ट 100 आया, यानी 11 करोड़ प्रोजैक ान से कम आया लेकिन इस साल 124 करोड़ रूपये प्रोजैक ान के मुकाबले में दिसम्बर तक केवल 93 करोड़ आया यानी 10 करोड़ महीना का आया। इसका मतलब यह हुआ की तीन महीनें आगे यह बढ़कर 124 के अगेस्ट 123 पर

आ जाएगा और मेरे हिसाब से 11 प्लायंट की बजाए 0.46 परसैन्ट ही प्रोजैक ान से कम होगा। यह भी अपने आप में एक एचीवमैंट है।

श्री अध्यक्षः नैक्स्ट क्वै चन श्री लहरी सिंह।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इस क्वै चन में स्टेट के इंट्रेस्ट की बात है। (ाोर) आप हमे लास्ट सप्लीमैंट्री पूछने की इजाजत दीजिएगा।

श्री अध्यक्षः अब मै अगले सवाल के लिये काल अपीन कर चुका हूं इसलिये आप बैठिये। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, यह सवाल बड़ा ही अहम है और सरकार में खुलकर जवाब नही देना चाहती। इसलिए आप हमें एक सप्लीमैट्री और पूछने की आज्ञा दीजियेगा। (ाोर) स्पीकर साहब, आप को प्रोटैक ान हमे चाहिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः नही, नही आप बैठिये। चौधरी लहरी सिंह।

वाक आऊट

प्रो0 सम्पत सिंहः अगर आप हमे और क्वै चन पूछने की इजाजत नही देते तो हम ऐज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते है।

(इस समय प्रो0 सम्पत सिंह तथा जे0पी0 के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

ताराकित प्र ान एवम उतर (पुनरारम्भ)

Widening of Roads

410. Sathi Lehri Singh: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to widen the following roads:

(i) Shabad to Ladwa; (ii) Ladwa to Mustalfabad:

(ii) Radaur to Mustafabad; (iv) G.T Road Isharagarh to Baraa via Babain; and

(b) if so, the time by which the said roads will be widened?

लोक निमार्ण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डागी):

(क) लाडवा भााहबाद सडक को भागो मे चौडा करने का प्रस्ताव है।

(ii) से (iv) भोश तीनो सडको को चौडा करने का कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) लाडवा भााहबाद सडक का प्रथम भाग (किलोमीटर 48.00 से 55.25) 30.6.1993 तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी श्री लहरी जी ने चार सडको के बारे मे सवाल किया है। भााहबाद से लाडवा,

लाडवा से मुस्तफाबाद, रादौर से मुस्तफाबाद और जी0टी0 रोड ई ारगढ से बराडा, बसास्ता बचैन के बारे मे पूछा है कि इन चारो सडको को चौडा करने का काम कब तक किया जाएगा? अध्यक्ष महोदय, पहली सडक जो भााहबाद से लाडवा को जाती है, यह स्टेट हाई वे नम्बर 7 है और इसको चौडा करने का प्रावधान सरकार के पास है, जिसमे से 6 किलोमीटर को तो 12 से 18 फुट तक चौडा किया जा चुका है। सवा सात किलोमीटर के टुकडे को आने वाले समय मे चौडा किया जाएगा जिसमे लिये मैटीरियल वगैरहा इक्टठा किया जा रहा है। बाकी तीनो सडको को चौडा करने का अभी कोई प्रावधान नही है।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने अपने उत्तर मे बताया कि सिवाय एक सडक लाडवा से भााहबाद को छोडकर बाकी तीनो सडक को चौडा करने का सरकार का कोई प्रावधान नही है। जो भाग भााहबाद से लाडवा सडक का बनने का बाकी रहता है उसके बारे मे क्या मंत्री महोदय बताएगे या आ वासन देगे कि वह कम कब तक पूरा हो जाएगा? एक सडक जो जी0टी0 रोड से बराडा जा रही है। उस पर इनका अपना गांव रामपुरा भी पडता है और उस पर इतना ट्रैफिक है कि किसानो को, उस सडक के न बनने के कारण बडी असुविधा का सामना करना पड रहा है मेरी इनसे रिक्वैस्ट है कि जो तीन सडके रह गई है, कम से कम उनमे मे एक का नम्बर तो लगा दे तो हम इनके आभारी होगें। कम से कम एक सडक के बारे मे तो

सरकार को आ वासन देना ही चाहिये कि कब तक वह बनकर तैयार हो जाएगी ताकि लोगो को दिक्कत का सामना न करना पडे।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, जो भााहबाद–लाडवा की सडक है, इसका पूरा काम हम अगले साल से करवा देगे। यह 26.43 किलोमीटर लम्बी सडक है। दूसरी सडक लाडवा–मुस्तफाबाद है जो एक लिक रोड है। इसकी लम्बाई भी लगभग 22 किलोमीटर है। इसकी चौडाई 12 फुट है और इस समय इसको चौडा करने का कोई प्रवाधान नही है। तीसरी सडक रादौर–मुस्तफाबाद की है। यह भी एक लिंक रोड है और इसकी लम्बाई 22 किलामीटर है इसके 4 किलोमीटर को पहले ही 12 फुट से 18 फुट तक चौडा कर दिया गया है। इसी तरह से चौथी सडक जी0टी0 रोड ई रगढ से बराडा वाया बबैन है जिसकी लम्बाई 27.3 किलामीटर है। यह भी एक लिंक रोड है और 12 फुट चौडी है। इस पर ज्यादा ट्रैफिक न होने की वजह से इसको चौडा करने का कोई प्रावधान ही है। इसके अलावा जितने भी हमारे स्टेट हाई वेज की सडके है, उनको 12 फुट से 18 फुट से 24 फुट तक चौडा करने का प्रावधान है।

साथी लहरी सिहंः स्पीकर साहब, चौथी सडके तो नाहन को मिलाती है यानी एक स्टेट को दूसरी स्टेट से मिलाती है। उसको तो ये प्रियारिटी दे। उस पर ट्रेफिक भी बहुत ज्यादा है।

इससे तो ज्यादा बसे चलने की वजह से सरकार का भी रैवेन्यू बढेगा।

चौधरी आन्नद सिहं डांगी: स्पीकर साहब, वह एक लिंक रोड है और एक दूसरे गाव को मिलती है और इस पर ज्यादा ट्रैफिक नही चलता है।

Enquiry against the officers of Irrigation Departement

***435 Shri Jai Parkash:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether and enquiry in regard to the complaints of irregularitites and malpracitce against certain officials of the Irrigation Departement in the work of desiliting and weeding of Canals and distributaries has been ordered by the Govt. during the year 1992 in the State; if so, the result thereof?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehra): Enquiries of these complaints received are under investigation.

श्री जय प्रका : अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हू कि जो तीन ि ाकायते प्राप्त हुई है वे कौन कौन सी तिथि को प्राप्त हुई, कौन कौन से जिले से ये संबधित है इन ि ाकायतो मे कितना कितना अमाउन्ट इन्वाल्वड है और इनमे कौन कौन से अधिकारी भाामिल है? मै यह भी जानना चाहता हू कि इनकी इनवैस्टीगे ान कब तक पूरी हो जाएगी?

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, जो तीन ि ाकायते मिली है वे इस तहर से एक ि ाकायत 23.12.1992 को मिली थी जिसमे 75 लाख रूपए के अम्बैजलमैट का एलीगे ान है, दूसरी ि ाकायत 28.5.1992 को मिली थी इसमे 50 लाख रूपए का अम्बैजलमैट है और तीसरी ि ाकायत 11.9.1992 को मिली थी। स्पीकर साहब, इनमे जो पहली और तीसरी ि ाकायते है वे तो अडर इनवैस्टीगे ान है और जो ि ाकायत 28.5.1992 का मिली थी, उसकी इनवैस्टीगे ान करीब करीब कर ली गई। इसमे ि ाकायत करने वाल एक कट्रैक्टर था वह कहता है कि उसने कोई ि ाकायत नही की। वैसे जितने अमाउन्ट के लिये ि ाकायत की गई थी उतना अमाउन्ट वहा खर्च होने का प्रावाधान नही था, इसलिये उसमे सबूत नही पाया गया। बाकी जो खर्च 23.12.1992 को ि ाकायत आई वह भालोट डिवीजन के एस0डी0औ0 अरूण मलिक के खिलाफ है। दूसरी ि ाकायत थी वह वैस्ट जमुना कैनाल रोहतक की थी। 1 तीसरी ि ाकायत 11.9.1992 को आयी थी, इसमे एस0डी0 ओ0 पेहवा तथा सुरेन्द्र जे0ई0 पेहवा इवाल्ज थे।

श्री जयप्रका ा: अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैने यह पूछा था कि इनकी इन्वैस्टीगे ान कब तक पूरी हो जाएगी?

चौधरी जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने कहा है कि जो दूसरी ि ाकायत थी, उसकी इन्वेटीगे ान पूरी हो

चुकी है लेकिन इसमे सबूत नही मिले। पहली और तीसरी ि ाकायत की इन्वेस्टीगे ान हम कर रहे है क्योकि ये ि ाकायत हमे मिली ही 23.12.1992 को है।

Laying of Sewerage System in Gohana City

***427 Shri Kitab Singh:** Will the Minister for Pubilc Health be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Govennment to lay out the sewerage system in Gohana City; if so, the time by which the said scheme is likly to be implemented?

जन स्वाथ्य मंत्री (श्री धर्मपाल सिह): गोहाना भाहर मे मल निकास योजना की व्यवस्था हेतु कार्य 38.31 लाख रूपये की अनुमानित लागत से पहले ही किया जा रहा है। धनरा ि ा की उपलब्धो के अनुसार आ ि ाक योजना वर्श 1993–84 मे नियमित रूप मे चालू कर दिये जाने की संभावना है।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे बताया है कि गोहाना मे 38.31 लाख रूपये की अनुमनित लागत से मल निकास की योजना का कार्य पहले से ही भाुरू किया जा रहा है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि इस योजना पर कब काम भाुरू किया गया था, कब बन्द हुआ था, इस पर अब तक किनते पैसे खर्च किए जा चुके है और यह काम कब तक पूरा हो जाएगा?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, इस स्कीम पर 1977–78 मे काम भुरू हुआ था । इस योजना पर भुरू मे 38 लाख रूपये खर्च करने का प्रावधान था। इस स्कीम का अब तक 40–45 परसैन्ट काम पूरा हो चुका है और तकरीबन 32 लाख रूपये इस पर खर्च किए जा चुके है। जिस समय स्कीम बनाई गई थी उस समय लगभग 38 लाख रूपये इस पर खर्च होने का अनुमान था। चूकि अब कास्ट काफी बढ गई है, इसलिए अब इस पर रिवाइज्ड एस्टिमेट के हिसाब से काम भुरू किया जाएगा। आने वाले वित्तीय वर्श मे इस सम्सया का परमानेट हल निकालने की कोि ा ा करेगे ताकि इस योजना के लिए कुछ पैसा देकर इसको पूरा कर दिया जाये क्योकि अब रिवाइज्ड एस्टिमेटस के हिसाब से इस पर काफी पैसा खर्च होने का अनुमाना है।

श्री किताब सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने यह पूछा था कि इस स्कीम पर कब काम भुरू किया गया और कब बन्द हुआ, उसका जवाब मंत्री महोदय की तरफ से नही आया?

श्री निर्मल सिंहः इस पर लगभग 40–45 परसैट काम हो चुका है, काम बिल्कुल बन्द नही हुआ है।

श्री फूल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि राज्य के किस किस भाहर से मल निकास योजना का कार्य भुरू किया गया है? साथ मे मै यह भी जानना

चाहता हू कि क्या इन योजनाओ मे अम्बाला भी भाामिल है यदि है तो इसको कब तक पूरा होने की सभावना है?

श्री निर्मल सिहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे 80 भाहरो मे से 37 भाहरो मे मल निकासी योजना का कार्य भाुरू हुआ है। इस योजना मे अम्बाला भी भामिल है और यहा पर भी काम चल रहा है।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी पूछा है कि गोहाना मे काम कब बन्द हुआ?

श्री निर्मल सिहः मै माननीय साथी को बताना चाहता हू कि वहा पर काम पक्के तौर पर बन्द नही हुआ है। यह जरूर है कि चालू वित्त वर्श मे कुछ काम जरूर कम हुआ है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, गोहाना मे काम बहुत दिनो से बन्द पडा है और ये कह रहे है कि पक्के तौर पर से बन्द नही हुआ है। मंत्री जी मेरी प्रार्थना है कि वह बताने की मेहरबानी करे कि यह काम कब से बन्द है ?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, मैने आपके माध्यम से इनको बताया है कि पिछले वित्तीय वर्श से उस स्कीम के लिए कोई पैसा नही दिया गया था और अगले वित्तीय वर्श मे दिया जाएगा।

श्री हरि सिह नलवाः स्पीकर साहब, सरकार की जो स्कीमे बनती है, डिफरैन्ट वर्श के अन्दर बनती है। सरकार उनके बारे मे आर्डर कर देती है कानून पास कर देती है और काम चालू हो जाता है लेकिन फिर ये स्कीमे बीच मे बन्द हो जाती है। जैसे यही गोहाना की सीवरेज स्कीम है। यह 1970 मे भ्रुरू हुई थी और अब 1993 चल रहा है यानि 15 साल हो गये है 15 साल मे तो बच्ची या बच्चा जवान हो जाता है लेकिन इस छोटे से गोहानाकी सीवरेज स्कीम 15 साल मे पूरी नही हुई है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि इसके लिए जिले के जो अधिकारी जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ सरकार ऐक ान क्या नही लेती? जैसे जी0टी0 रोड है, उस पर कई लोग मर चुके है और पीछे यह बन्द हो गई थी। मै मंत्री जी ये यह जानना चाहूगा कि यह किसने बन्द की थी, क्यो बन्द की थी, इसके कारण क्या थे और जो इसके लिये जिम्मेदार थे, उनके खिलाफ कोई ऐक ान हुआ या नही हुआ?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि कई स्कीमे ऐसी है जो कि पिछले काफी समय से पैडिग है और उन पर काम नही चल रहा है इस बारे मे मै यह बताना चाहूगा कि दरअसल जब स्कीमे बनती है तो उनको कम लोगो के लिये बनाया जाता है और कम पैसे मे वे बननी होती है लेकिन आबादी बढती जाती है और ऐरिया भी बढ जाता है इस प्रकार स्कीम की रूपरेखा बदलती रहती है और इस कारण ये स्कीमे पैडिग हो

जाती है बीच बीच मे सरकारे भी बदलती रहती है, इसलिये भी कई स्कीमो को धक्का लग जाता है। नलवा साहब ने बहुत अच्छा सवाल किया हैं।

तारकित प्र ान सख्ंया 474

This question could not be put as Smt. Chandrawati; the mover of this Question was not present in the House.

Maintenance of the Birth and Death Register

***458 Shri Krishan Lal:** Will the Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that birth and deate register has not been maintained in Village Balla in Distt. Panipat during the period from 1983 to 1992; adn

(b) if so, the reason thereof?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) ग्राम बल्ला जिला पानीपत मे 1983–1989 की अवधि के दौरान जन्म और मृत्यु का रजिस्टर रखा गया था। परन्तु यह रजिस्टर 1990–92 की अवधि के दौरान ठीक प्रकार से नही रखा गया।

(ख) ग्राम चौकीदार बल्ला की रिपोर्ट के आधार पर 1989 तक यह रजिस्टर ठीक प्रकार से पुलिस स्टे ान घरौडा मे

रखा गया था। लेकिन 1990 मे जब यह गांव पुलिस स्टे ान घरौडा के अधिकार क्षेत्र मे पुलिस स्टे ान असन्ध के अधिकार क्षेत्र मे स्थानान्तरित किया गया तो चौकीदार द्वारा रिपोर्ट देनी बन्द कर दी गई।

श्री कृश्ण लालः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने, अपने जवाब मे माना है कि 1983–89 की अवधि मे रजिस्टर रखा गया था। मै माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि 1983 से डेटवाईज कितने लोगो की वहा पर मृत्यु हुई और कितने लोगो का जन्म हुआ? दूसरे 1990 से 1992 तक जो रजिस्टर नही रखा गया, उसके लिए मुख्यमंत्री जी ने चौकीदार को बलि का बकरा बना कर सारी बात टाल दी है। मै इन से यह जानना चहूगा कि इस पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, 1990–91 मे मेरे सामने जो महानुभाव बैठे है, इनकी पार्टी का राज था, हमारा राज नही था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बल्ला गांव घरौडा पुलिस स्टे ान से निकाल कर असन्ध मे भाामिल कर दिया गया था। असन्ध मे आने की वजह से चौकीदारी ने रिपोर्ट दर्ज नही करवाई, उन बच्चो की जो वहा पर पैदा हुए और न ही उन लोगो की रिपोर्ट दर्ज करवाई जिनकी मृत्यु हो गई। ज्योंहि यह बात सरकार के नोटिस मे आई तो हमने रजिस्टर स्टार्ट किया। पिछले 2 साल का जो मामला है उसके बारे हम हिदायते जारी करने जा रहे है कि अधिकारी वहा जाए। सी0एम0ओ0 एस0एच0ओ0 और

तहसीलदार आदि भी वहा पर होगे और जो पिछले 2 साल का रिकार्ड नही है, उसके बारे मे गाव के लोगो से पूछेगे कि कौन कौन से बच्चे इस पीरियड मे पैदा हुए है और किन किन लोगो की मृत्यु हो गई है। स्पीकर साहब, इस मामले मे जिन अधिकारियो का कसूर मिलेगा, उनकी भी इक्वायरी करवाई जायेगी और उनके खिलाफ मुनासिब ऐक ान लिया जाएगा।

Construction of the Buildings of C.H.C Gharaunda

***449 Shri Ram Pal Singh kanwar:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a buildings for C.H.C at Gharaunda in District Karnal; and

(b) if so, the tiem by which its construction is likely to be started/completed?

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) जी हां।

(ख) वर्तमान समय मे सीमा निर्धारित करना सभव नही क्योकि यह धन उपलब्धि पर निर्भर है।

श्री राम पाल सिह कवंर: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने जो जवाब मे कहा है मै उस बारे मे उनसे जानना चाहूगा। फंड

तो डिपाटमैट को एलोकेट करना होता है। क्या ये 1993–94 के बजट मे भवन निर्माण के लिए कोई फंड एलोकेट करेगे?

बहिन करतार देवी: अध्यक्ष महोदय 22 सी0एच0सी0 ऐसे थे जिन पर काम चालू था इस के लिये 75 लाख रूपये का प्रावधान था और अगले वर्श के लिए इनको आर्थिक स्पीकृति दी आ चुकी है। अध्यक्ष महोदय, 23.3.1993 को सैद्धातिक स्पीकृति दी है कि घरौडा मे सी0एच0सी0 का भवन बनेगा। अक्तूबर मे हमे चिटठी आई थी कि म्यूनिसिपल कमेटी मे चार एकड जमीन दी है। जल्दी ही भवन का नया ऐस्टीमैट और नए नक ो बन जाएगे। जी0टी0रोड0 पर होने की वजह से इसको हम प्रायरिटी बेसिज पर बनाने की कोि ा ा करेगे।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदस्यो की मेज पर रखे गए ताराकित प्र ानो के लिखित उतर विभिन्न विशयो का उठाया जाना

Sugarcane crushed by Bhuna and Meham Cooperative Suger Mills

***421 Shri Dhir Pal Singh:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state the total quantity of sugarcane being curshed by the Bhuna Cooperative Sugar Mill and Meham Cooperative Sugar Mill during the current crushing season?

सहारिता मंत्री श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: भूना और मेहम सहकारी चीनी मिलो ने दिनांक 15.2.1993 तक क्रम । 11.28 लाख क्विटल और 18.06 लाख क्विटल गन्ना पीडा है।

अताराकित प्र न एवम उतर

66 Prof Sampat Singh: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any school teacher and Members are working on add-hoc basis at peresnet in the state; if so, the number thereof; and

(b) whether any posts of teachers and Members lying vacant at present in the State; if so, the number thereof; togetheriwth the names of the schools in which the aforesaid vacancies/posts are lying vacant?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति देवी राठी):

(क) जी हा, इस समय राज्य के सरकारी विधालयो मे 68 जे0बी0टी0 अध्यापक तथा 241 अध्यापक/मास्टर्ज तदर्थ आधार पर कार्यन्त है।

(ख) जी हा, 1.12.1992 को राजकीय विधालयो मे जे0बी0टी0 अध्यापको के 2305 पद रिक्त थे तथा दिनांक 31.10. 1992 को अध्यपाको/मास्टराजो के 2237 पद रिक्त थे। जिन विधालयो मे यह पद रिक्त है उनके नाम तत्काल उपलब्ध नही है।

Withdrwal of Criminal Cases

***Prof Sampat Singh:** Will the Chief Minister by pleased to state whether any criminal Cases were withdrwn by the Govt during the period form May, 1991 to date; if so, the details there of?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः जी हा, 61 मुकदमे (कैथल–1, हिसार–4, सिरसा–26, जीन्द 2, रोहतक–2, सोनीपत–1, करनाल–13, पानीपत–7, गुडगाव–4 और नारनौल–1) मास मई, 1991 से आज तक वापिस लिये गये।

Transfers of the employeess of Education Depatment

68. Prof Sampat Singh: Will the Minister for Education be pleased to state the total number; of emplyees of Education Department transferred during the years 1991-92 and 1992-93 together with the total amount of expenditure incurred on teh payment of T.A/D.A of such employees?

अन्तरिम उतर

'' ाान्ति राठी अ0स0प0क्र0/8/15/93

ि ा0

ि ाक्षा मंत्री

हरियाणा, चण्डीगढ।

दिनाक 24.2.1993

परम आदरणीय स्पीकर साहब जी,

सादर नमस्कार।

विशयः– अताराकित विधान सभा प्र न न0 68 जो दिनांक 25.2.1993 को उत्तर देने के लिये लगा हुआ है।

उपरोक्त वर्णित अतारिकत प्र ान क्रम सख्या 68 ि ाक्षा विभाग मे वर्श 1991–92 तथा 1992–93 के दौरान कर्मचारियो के स्थानान्तरण तथा उन पर हुए टी0ए0/डी0ए0 के खर्च बारे सूचना उपलब्ध करवाने से सम्बन्धित है।

यह सूचना सरकार के स्तर पर तत्काल उपलब्ध नही है। तथा इसे एकत्रित करने मे काफी श्रम एवम समय लगेगा। सरकार को यह सूचना राज्य के सभी जिलो से प्राप्त करने मे लगभग एक मास का समय लग जायेगा। इन परिस्थितयो मे इस प्र ान का उतर दिनांक 25.2.1993 को दिया सभव नही है। अत मेरा आपसे अनुरोध है कि इस प्र ान का उत्तर देने के लिये सरकार को एक मास का समय देना की कृपा करे।

धन्यवाद,

भवदीया,

ह0/

(ाान्ति राठी)

श्री ई ावर सिह,

अध्यक्ष,

हरियाणा विधान सभा,

चण्डीगढ।''

Loan Given by Haryana Harijan Kalyan Nigam

69 Prof Sampat Singh: Will the Minister of State for Welfare of Scheduled Casts and Backward Classes be pleased to state

(a) the total amout earmarked for granting loan by Harijan Kalyan Nigam Haryana during the year 1991-92 and 1992-93;

(b) the total number of applicantions received for granting the loan during the above said period; and

(c) the number of persons out of those as referred to in part (b) above to whom loans were given togetherwith the amout disbursed in each separately?

राज्य मंत्री अनुसूचित जातिया एवम पिछडे वर्ग कल्याण (चौधरी जोगिन्द्र सिंह):

	वर्श	अनुदान	ऋण	कुल रू0 लाखो मे
(क)	1991—92	626.46	369.75	996.21

	1992–93	705.84	658.19	1364.03
	कुल	1332.30	1027.94	2360.24
(ख)	1991–92	39249		
	1992–93	31133		
	(जनवरी, 93 तक			
	कुल	70382		

रू0 लाखो मे

	वर्श	**लाभात्र**	**अनुदान**	**ऋण**	**कुल रू0 लाखो मे**
(ग)	1991–92	11518	407.13	126.58	533.71
	1992–93	7596	271.94	263.48	535.42
	कुल	19114	679.07	390.06	1069.13

जहां तक प्रत्येक मामले मे रा ि ा वितरण की सूचना का संबध है इसे एकत्र करने मे जो समय तथा श्रम लगेगा जिससे समानुपात से सभावित लाभ नही होगा।

Amount Spent on Medicines in Civil Hospital, Palwal

79 Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) the monthwise amount spent on Medicines in the Civil Hospital, Palwal in the year 1992; and

(b) whether it is a fact that there is no Emergancy Van in Civil Hospital Palwal, if so, the time by which if is likely to be provided?

जन स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी):

(क) वर्श 1992 मे सिविल हस्पताल, पलवल मे प्रतिमास दवाईयो पर दिया गया खर्च निम्म प्रकार से है:–

मास	खर्च की गई रा ि ा
जनवरी	रूपये 1828.00
फरवरी	रूपये 22363.00
मार्च	रूपये 23186.15
अप्रै ल	रूपये 44157.00
मई	रूपये 13852.00
जून	रूपये 26823.05

जुलाई	रूपये 5259.65
अगस्त	रूपये 39613.65
सितम्बर	रूपये 14446.55
अक्तूबर	रूपये 20962.15
नवम्बर	रूपये 20962.15
दिसम्बर	रूपये 5612.55

(ख) सिविल हस्पताल, पलवल को जिला रैड क्रास सख्या फरीदबाद द्वारा एम्बूलैंस उपलब्ध करवा दी गई है।

Profit earned by Haryana Roadwasys

80. Shri Karna Singh Dalal: Will the Minister of State for Transport be pleased to state the monthwise profit earned by the Haryana Roadways Depot at Faridabad during the year 1992?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह): वर्श 1992 मे हरियाणा रोडवेज डिपो, फरीदाबाद के अनन्तिम (टैन्टेटिव) तौर पर मिलान किए हुए (रिकसाईल्ड) आकडो के आधार पर अर्जित लाभ 94.85 लाख रूपये है। मासवार विवरण निम्न प्रकार है:–

मास	लाभ/हानि (रू0 लाखो मे)

1/92	(–) 1.82
2/92	2.40
3/92	18.56
4/92	6.42
5/92	15.70
6/92	18.78
7/92	21.08
8/92	30.40
9/92	(–) 5.56
10/92	4.88
11/92	0.32
12/92	(–) 16.33 (बिना मिलान किए हुए)
योग	94.85

Market Committee Palwal

***81 Shri Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total income accrued to the

Market Committee, Palwal during the last five years togethwith the detalis of amount spent on various schemes?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिह): वाछित सूचना अनुबन्ध 'अ' तथा 'ब' पर सलग्न है।

अनुबन्ध 'अ'

मार्किट कमेटी पलवल की कुल आय

क्रमसख्या	वर्श	कुल आय रूपये लाखो में
1.	1988–89	19.65
2.	1989–90	26.35
3.	1990–91	35.56
4.	1991–92	21.75
5.	1992–93 जनवरी 1993 तक	24.96
	कुल	128.27

अनुबन्ध 'अ'

मार्किट कमेटी पलवल मे स्कीम/मेअर वर्कस पर किये गये खर्च का वर्श 1998–89 से 1992–93 तक का विवरण।

वर्श	स्कीम / कार्य का नाम	व्यय	व्यय
		(रू0 लाखो मे)	(रू0 लाखो मे)
1	2	3	4
1988–89	1. नई अनाज मण्डी पलवल मे कामन प्लेटफार्म की मुरम्मत	2.36	2.36
1989–90	1. इन्डीवीज्यूल प्लेटफार्म हथीन पर सी0सी0 टोपिंग लगाना	3.87	
	2. अर्बन रोड पलवल की वार्शिक मुरम्मत	3.95	7.82
1990–91	1. सचिव पलवल के निवास स्थान पर निर्माण	1.69	
	2.पुरानी मथुरा	0.72	

	सडक से सोहन सडक तक की सडक का निर्माण		
	3. सैमिका से घरोट तक सडक का निर्माण	3.01	5.42
1991–92	1. क्रय केन्द्र कटसेरा	4.27	
	2. गोपीखेरा से बदरान तक सडक का निर्माण	1.77	
	3. यादवपुर से महे पुर तक सडक का निर्माण	5.13	
	4. कटसेरा से गोपीखेरा तक सडक का निर्माण	5.27	
	5. धातीर से सिकन्दपुर तक	8.05	

	सडक का निर्माण		
	6. कन्जारा नगला से नाईका नंगला तक सडक का निर्माण	2.26	
	7. अलिका से नूह पलवल सडक तक की सडक का निर्माण	6.27	33.02
1992–93	1. मोहदामका से अन्दरोला तक सडक निर्माण	5.12	
	2. भगुंरी से अहारावन तक सडक का निर्माण	5.28	
	3. भाहरी सडक पलवल की वि ोश मुरम्मत	9.33	
	4. सिहोल से मीरा तक सडक	3.55	

	का निर्माण		
	5. औरगाबाद से डिघोट तक सडक का निर्माण	2.14	25.42
	कुल		74.04

Leasing out of mines of Faridabad District

82 Shri Karan Singh Datal: Will the industries Minister be pleased to state-

(a) whether any mines of Haryana Minister Limited, have been leased out to private owers in district. Faridabad during the year 1991-92; if so, the details there of; and

(b) whether any employees of the mines as mentioned above have been retrenched from their services as a result of leasing out; if so, the number thereof?

उधोग मंत्री (श्री लक्षमन दास अरोडा):

(क) नही।

(ख) प्र न ही नही उत्पन्न होता ।

ध्यानाकर्शण उत्पन्न

किसनो को सूरजमुखी के घटिया गुण्वता के बीज सप्लाई करने संबधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a calling attention motion from Shri Om Parkash Beri, M.L.A regarding supply of poor quality seeds of sunflower to the farmers of Haryana State by the Haryana Seeds Development Corporation. I admit it. Shri Om parkash Beri may read his notice.

Shri Om Parkash Beri: Sir, I want to draw the attention of this august House towards a matter of urgent public importance concerning the supply of poor quality seeds of sunflower to the farmers of the State by the Haryana State Seeds Development Corporation. There are reports that the HSSDC propcured the seeds of such varieties which had been proved to be low yieliding during the previous years in the State. The germination of these seeds is also reported to be poor. It has alos been reported in the Newspapers that the Sunflower seeds have been purchased by the HSSDC form unapproved firms for extranteous considerations. The farmers of the State showed keen interest in the cultivation of Sunflower and as a result, the area under this crop crossed one lakh hactares during the last spring season. Last year alos farmers suffered losses due to the supply of poor quality of seeds. This year the farmers are relucatant to cultivate this crop. The farmers are losing faith in the State Department of Agriuclture and its various Corporations as there are reports of collusion between the Officers of the Agriculture Department and the unscruplous suppliers, of seeds pesticides and fertilisers.

Therefore, I request the Government to make a statemnet regarding the action taken of proposed to be taken in the matter, on the floor of the House.

Mr. Speaker: Now i will request the Agriculture Minister to make his statement.

वक्तव्य

कृशि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

Agriculture Minister (Sh. Harpal Singh): The State Government has succesfully introduced the crop of sunflower in Haryana During the year 1991-92 sunflower crop was grown in one lakh hectares area as against only 18000 hectares in the previos year. The total production of sunflower was 1-62 lakh tonnes as against only 25000 tonnes in the previous year. This helped Haryana in exceeding the target of total oilseeds producation for the English Five year Plan in the very first year of the Plan.

2. There was huge demand of sunflower seed last year. Haryana Seeds Development Corporation (HSDC) procured 2236.9 quintals of sunflower seed with lot of efforts. Private dealers also sold the sunflower seed to the farmers. There were some complaints of poor germination of seed supplied by privat dealers to the farmers. The seed samples were collected and germination got tested. The cost of seed was got refunded to the farmers where the germinaion failed. Agriculture Deparment alos got the seed of HSDC tested for germination and where ever the germination was not upto the

standard, that seed was not sold the farmers and was returned to the suppliers.

3. As Agriculture Minister, I hold Seminars on various crops and receive feed back direct form the farmers. A seminar on sunflower was held at Karnal on 10-7-1992 after the farmers has harvested the crop. The feedback on the performance of various hybrids was discussed and reviewed. That feed back has been kept in conisderation while selectiong the hybrids of sunflower to the recommended by the Department and HSDC this year. The varieties which reportedly did not perform so well have not been procured this year.

4. In accordance with Government of India's Scheme on the Oilseeds Production Programme, the State Government has conistituted a State High Levl Committee on oliseeds production in the State under the charimanshiop of Commissioner Agriculture. This Committee consists of Director Research, Haryana Agricultural University; Oilseeds Breeder, haryana Agriculture University; Registrar, Cooperative Societies; MD Haryana Seeds Development Corporation; Director Agriculture and technical officers of the Agriculture Department. All teh varieties of oilseeds are first tested and trials conducted by the Scientists of Agricultural University Inidan Council of Agricultrual Research and Indian Agricultural Research Insitiute. The performance reports of the Scientists are scrutinised by this fund suitable for the State are recommended by this Committee. The Hayana Seeds Development Corporation procured hybrid seeds of sunflower only of those varieties which had been recommended by the

Agricultural Scientists and the State High Level Committee on oilseeds Production. Thus it is not correct that H.S.D.C has purchased sunflower seed from unapproved firms of extanceous conideration.

5. It is alos incorrect that farmers suffered losses due to sunflower crop last year. In fact an additional income of about Rs. 150 crores accrued to the farmers of Haryana last year due to this crop alone. Haryana State Agriucultural Marketing Board and Haryana Rural Development fund also earned additional income as a resutl of arrivals of sunflowers crops in the mandis of the State.

6. It is also not correct that farmerws are losing faith in the State Depatment of Agriculture and is its various Corporations. Seeds produced by H.S.D.C of various crops like wheat, paddy, cotton, oil seeds and pulses, certified by the Haryana State Seed Certification Agency and recommended by the Department of Agriculture are quite popular with farmers in Haryana and adjoining States like Himachal Pardesh, Jammu and Kashmir and adjoining arears of Western U.P 2-23 lakh quintals seed of various crops is likely to be produce by H.S.D.C during the year 1992-93. Similarly there are no complaints of pesticides or fertilisers sold by various Corporantions of the Agriuclture Department. There is no question fo collusion of officers of the Agriuclture Department in any a manner. In fact, the Department has done an excellent job and record production of about all crops was achieved last year. This year also we hope to achieve record production of various crops.

श्री ओमप्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से पूछना चाहूगा कि इस साल जो बीज खरीदा गया है, वह कौन सी वैरायटी का खरीदा गया है और क्या यह बात सही है कि जो लो इल्डिग बैरायटीज है और जिन बैरायाटीज को एग्रीकल्चर ऐस्सपर्टस ने भी लो इल्डिंग माना है, उसको खरीदा गया है? इन वैरायटीज के नम्बर है 2026,2007,5027 और 1030 तथा इनके नाम है। मेंगा, ज्वालामुखी आदि। एग्रीकल्चर ऐक्सपर्टस ने भ इनको लो इल्डिग माना है। क्या एग्रीकल्चर डिपार्टमैट ने और हरियाणा सीडस डिवैलपमैट करापोरे ान ने इस बीज को खरीदा है या नही खरीदा है। क्या यह बात भी सही है कि अब की बार सनफलावर का बीज पांच करोड रूपये का खरीदा गया है? आप यह भी बताये कि पिछली बार कितने रूपये का बीज खरीदा गया था? अब जबकि बीज की सरकारी दुकानो से खरीदा गया है इसलिये ही इसकी का त बहुत कम की जा रही है। पाच करोड रूपये का जो बीज खरीदा गया है, क्या उसको बेचने के लिए ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट ने अपने फिल्ड स्टाफ की ड्यूटी नही लगायी कि इतने रूपये का सीड जरूर बेचना है और इसके लिए कर्मचारियो या अधिकारियो का टारगैट भी फिक्स किया है?

श्री हरपालः स्पीकर सर, बेरी साहब ने जो सबसे मुख्य बात कही है उसमे कहा है कि कारपोरे ान ने ऐसी वेरायटी भी खरीदी है जिनकी ईल्ड कम थी। यह बात दुरस्त नही है, यह बिल्कुल गलत है, क्योकि हाई लेवल कमेटी जब विचार करती है,

उस वक्त उनके सामने इनका जो प्रोडक ान रिकार्ड होता है। उसकी यूनिवर्सिटी से रिकमन्डे ान आती है, सैन्ट्रल गवर्नमैंट से रिकमैन्डे ान आती है उसके आधार पर बीज की सिलैक ान की जाती है। कोई भी वैरायटी ऐसी नही खरीदी गई जो अच्छी न हो। दूसरी बात जो इन्होने कही है कि किसानो द्वारा इनकी सेल के लिए एफर्ट किये जा रहे है, यह सही बात नही है, वह इसलिये कि इस साल यह क्रोप किसानो मे इतनी पापुलर नही है जितनी लास्ट ईयर थी। इसका एक कारण यह है कि किसान जब किसी वैरायटी को किसी साल अपना लेता है और जब ऐक्सपैरीमैट मे कुछ दिक्कत आती है तो वह उसे छोड देता है। जैसे पिछले साल कौटन मे उसको यह दिक्कते आई कि कोटन की सोइग लेट हो गई और इसलिये हारवेस्टिग लेट हो गई। जब कौटन की सोइग लेट होती है जब कोटन क्राप उतनी अच्छी नही होती। किसान कौटन को सनफलावर से अच्छा समझता है। किसान का दूसरा अनुभव यह रहा कि जो वाटरिंग रिकमैनडे ान थी, उसकी उस वक्त की रिकमैडे ान थी कि फसल मे 2–3 बार पानी देने की जरूरत पडेगी और फसल पक जाएगी। किसानो को ज्यादा पानी इस्तेमाल नही करना पडेगा लेकिन प्रैक्टिकली यह देखने मे आया है कि 5–6 पानी देने के बाद भी फसल अच्छी नही हो सकती। पानी की कमी थी, इसलिये उसने इसको छोड दिया क्योकि किसान उतना पानी स्पेयर नही कर सकता था। तीसनी वजह जो बेरी साहब ने बताई है यह भी है कि बीज पिछले साल अच्छा नही था। उस वक्त ए–19 खटाउ बीज लगाया था उसका रिजल्ट अच्छा

नही आया, हांलाकि नुकसान नही हुआ जर्मिने ान ठीक हुई लेकिन हारवेस्टिग मे ईल्ड कुछ कम हुई। इस साल वे खटाउ के बीज जिन्होने लगाए थे, उन्होने भी छोड दिए। कार्पोरे ानने अब वही सीड खरीदे है जिनको सैन्ट्रल गवर्नमैट और हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिट ने रिकमैड किया था। हमारे नोटिस मे जहां सीड अच्छा नही है, किसी सीड के खिलाफ कोई कम्पलेन्ट आती है तो वह फौरन बन्द कर देते है। सबसे ज्यादा मै इस बात पर ध्यान देता हू कि किसानो को किसी बात का नुकसान न हो।

श्री औम प्रका ा बेरी: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे एक सवाल का जवाब नही दिया। सरकार ने पांच करोड रूपये का सनफलावर का बीज खरीदा था, उसमे से कितने बीज बेचे गए थे और कितने बकाया स्टोर मे पडे है?

In the reply it is stated-

"Agriculture Department also got the seed of HSDC tested for germination and where ever the germinaions was not upto the standard that seed was not sold to the farmers and was returned to the suppliers."

अगर बीज ठीक था तो इसको दोबारा टैस्ट करने की जरूरत क्यो पडी? एग्रीकल्चर साईटिस्टस को भी हाई और लो ईल्ड के बारे मे पता है फिर यह बीज क्यो खरीदे गए? यह तो बहुत जल्दी तैयार होने वाली फसल है। पानी की कमी कोई वि ोश बात नही है, थोडे पानी मे भी अच्छी ईल्ड हो सकती है।

इन्होने खुद माना है कि जो बीज ठीक नही थे उन बीजो को फारमर्ज को बेचा नही गया था और सप्लायर्ज को वापस कर दिए, इससे जाहिर है कि बीज मे कोई खराबी था।

श्री हरपाल सिहः स्पीकर सर, बीज सोइग सीजन अभी भाुरू हुआ है, इसका रिजल्ट मार्च एन्ड तक पता लगेगा, अभी सीजन चालू है। इस वक्त हम कुछ कह नही सकते। पिछले साल 2240 क्विंटल के करीब सीड लिया गया था। इस साल प्रौक्योरमैट 2800 क्विटल की है। मेरे साथी ने यह बात कही है कि सीड को जब यूनिवर्सिटी ने और गवर्नमैट आफ इडिया ने सर्टीफाई कर दिया था तो फिर उसको दोबारा टैस्ट करवाने की क्यो जरूरत पडती है? मै उस बारे मे हाउस को यह बताना चाहता हू कि यह तो केवल उस वैरायटी का रिजल्ट देते है। हमे जो सीड सप्लाई होता है, उसकी क्वालिटी टैस्ट करना तो जरूरी है ताकि फार्मर्ज को गलत सीड न चला जाये, इसलिये हम फार्मर्ज के इन्ट्रैस्ट मे ही सीड टैस्ट करवाते है। इसके अलावा और कोई बात नही है।

विभिन्न ध्यानाकर्शण सूचनाओ के बारे के माननीय अध्यक्ष द्वारा संबधित सदस्यो को सूचना

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने भी एक काल अटै ान मो ान दिया था कि हरियाणा मे जितनी भी भाूगर मिल्ज है, वे किसानो को पेमैट नही कर सकी है। इस वजह से किसानो मे बडी बेचैनी है। इतना ही नही, पिछले साल के भी भाूगर मिल्ज

की तरफ पैसा बकाया पडे हुए है। इस बेचैनी के कारण गन्ना लाने मे वे हिचकिया रहे है। अगर पेमैंट उनको न मिली तो वह दूसरी चीज बोना भुरू कर देगे।

Mr. Speaker: It is under conisderattion.

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, हमारा भी एक काल अटै ान मो ान था जो भिवानी जिले मे पीने के पानी की कमी और इरीगे ान फैसिलिटीज के बारे मे था, उसका क्या बना है?

Mr. Speaker: I have reveived tow calling Attention Notices from Sarvshri Amar Singh, Chhattar Singh Chauhan and Ram Bhajan, M.L.A.S for inadequate supply of water for drinkings as well as for irrigation purposes in Bhiwanit District. I have admitted these notices for tomorrow.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the irrigation Minister may move the motion under Rule 121 regarding nomitnation of various Committees.

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Sir I beg to move-

That the provisions of Rules 228,230,230-B and 260-AS of the Rules of Procdeure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so-far as they relate to the contituction of the-

(i) Committee of Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

For the year 1993-94 be suspended.

Sir, I also be to move-

That this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nomintae the Members of the aforesiad Committees for the year 1993-94, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisons of Rules 228,230,230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative, Assembly in so far as they relates to the contituction of the-

(i) Committee of Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

For the year 1993-94 be suspended.

and

Also that this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nomintae the Members of the aforesiad Committees for the year 1993-94, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमी ान है। हमारी पार्टी के बहुत ज्यादा मैम्बर है इसलिये अ योरैन्स कमेटी का चेयरमैन हमारी पार्टी के किसी सीनियर मैम्बर को आप नोमिनेट कर दे। दूसरी मेरी प्रार्थना यह है कि जिस तरह से पार्लियामैन्ट के कवैन ान है कि पी0ए0सी0 का चेयरमैन अपोजी ान का होता है, उसी तरह से हरियाणा विधान सभा मे भी अपोजी ान का मैम्बर पी0ए0सी0 का चेयरमैन होना चाहिए। ये मेरे दो सुझाव है, मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन पर आप गौर फरमांए।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, पार्लियामैन्ट की कवेन ाज अलग है और हरियाणा विधान सभा तथा पजाब विधान सभा की कवेन ांज अलग है। हरियाणा विधान सभा मे जो कवैन ाज चल रही है, वही कवैन ान चलती रहनी चाहिए। इन्होने जो सुझाव दिया है वह गलत है।

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 228,230,230-B and 260-AS of the Rules of Procdeure and Conduct of Business in

the Haryana Legislative Assembly in so-far as they relate to the contituction of the-

(i) Committee of Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes

For the year 1993-94 be suspended.

That this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nomintae the Members of the aforesiad Committees for the year 1993-94, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion on the Governor's Address will be resumed. Sh. Bansi Lal

श्री बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे एक बात यह की कि प्रगति की रफतार को और तेज करने के लिए मेरी सरकार ने 25 सूत्री एक वि ोश प्रोग्राम लागू किया, जिसके बहुत उत्साहवर्धक परिमाण निकले। अध्यक्ष महोदय, जहा तक मेरा ख्याल है कि इस सरकार के आने के बाद कोई डिवैल्पमैट नही हुई है। जितना पैसा पच्ची

सूत्री प्रोग्राम को छपवाने और बाटने पर लगा है, उतना पैसा भी फील्ड मे खर्च नही हुआ है। न कोई नई नहर बनी, अगर कोई मामूली सी सडक किसी खास एम0एल0ए0 या मिनिस्टर के हल्के मे बनी हो तो हो सकता है बन गई हो, वरना न कोई सडक बनी है, न कोई सडक चौडी हुई है और न सडको की कोई खास मुरम्मत हुई है। मैने नही देखा कि इस स्टेट मे डिवेलपमैट का कोई काम हो रहा है। अगर कोई हो रहे है तो अपने जवाब मे मुख्यमंत्री जी बताएगे कि कौन से डिवेलपमैट के काम इस प्रदे ा मे हो रहे है?

स्पीकर साहब, इसके बाद गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस मे यमुना वाटर के भोयर की बात की। स्पीकर साहब, यमुना वाटर के मामले मे मै आपका ध्यान आकर्शित करना चाहता हू। यह दैनिक ट्रिव्यून 5.2.1993 का है। इसमे हैडिग है यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर आज। इसमे से थोडी सी लाइन मै पढ देता हू जिनका ताल्लुक हरियाणा सरकार से है और मुख्यमंत्री से है–'' हरियाणा के मुख्यमंत्री भजनलाल ने आज यहा एक पत्रकार सम्मेलन को बताया कि राज्य मत्रिमडल ने आज सुबह हुई अपनी एक बैठक मे समझौते के प्रारूप को मन्जूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि समझौता के तहत राजस्थान को 0.80 लाख एकड फुट पानी यमुना से मिलेगा। उन्होने समझौते को हरियाणा के लिए ऐतिहासिक करार देते हुए इस के अन्य विवरण बताने से इन्कार कर दिया''। यानि इन्होने चार तारीख का चण्डीगढ मे हुए समझौते

को हरियाणा के लिये एक ऐतिहासिक समझौता बताया लेकिन 6 तारीख के ट्रिब्यून अखबार मे निकलता है कि–

"The memorandum of understanding on the sharing of the Yamuna waters among Haryana, U.P Himachal Pradesh, Delhi and Rajasthan could not be signed at the Parliament House Annexe this morning because of serious reservations expressed by the Haryana Chief Minister, Mr. Bhajan Lal.

मै मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि इनका पब्लिक रिले ान विभाग बहुत ही जोर का विभाग है, अखबारो वालो के साथ इनका बैठना उठना होता है। तोहफे भी भेजता है प्लाटस भी देता है, खु ाामदे भी करता है, पहले दिन यह सब कुछ अखबार मे छपा था। छपा भी इनके फेवरिट अखबार ट्रिब्यून मे है। दूसरा यह भी छपा गया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री ने इन सब एम0ओ0यूज0 पर हस्ताक्षर करने मे इन्कार कर दिया है। फिर यह अखबार लिखता है कि यह कहानी दूसरी है, वह नही है जो मुख्यमंत्री हरियाणा ने बतायी है उसमे वे कहते है–

"The draft was approved by the Haryana Cabinet today. The Chief Minister, Mr. Bhajan Lal, told newsmen later that under the new agreement also Haryana would get 2/3rd of the Yamuna waters as is was getting under the 1954 accord.

However, the figures given in the draft tell a different story. The mean Yamuna flow has been estimated at 11-983 BCM. While Haryana woudl get 5.7 B.C.M Uttar Pradesh would draw over 4 B.C.M. Besides, Haryana would be

able to dras additional water to the extent of 2.25 B.C.M if Rajasthan is under to use its full share.

The Memorandum of Understanding gives 0.724 B.C.M to Delhi, 1.119 B.C.M to Rajasthan and 0.378 to Himachal Pradesh for drinking pupposes."

अध्यक्ष महोदय, 1954 के एग्रीमैन्ट के मुताबिक यमुना का जो पानी है, वह ताजेवाला हैड पर वन थर्ड यू0पी0 का है और टू थर्ड हरियाणा का है। इस से हरियाणा का तो 5.7 बी0सी0एम0 और यू0पी0 को 4 बी0सी0 एम0 मिलेगा। तो क्या वह वन थर्ड और टू थर्ड बनता है? अगर मुख्यमंत्री महोदय, यू0पी0 के मुकाबले मे टू थर्ड पानी लेना चाहते है तो हमे कोई एतराज नही है वरना यह ऐग्रीमैन्ट जो 2000 मे खत्म होना था, वह 2000 से पहले कैसे ओपन हो गया? मै मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि उनका पहले दिन का ब्यान कि यह एक ऐताहासिक फैसला है और दूसरे दिन यह कहना कि मुख्यंमंत्री भजनलाल ने सिगनेचर करने से टाल कर दी, दोनो मे से कौन सी बात ठीक है? लेकिन मेरी इफर्मे ान के मुताबिक कुछ और ही बात है वह भी मै बता दूगा, जब मुख्यमंत्री महोदय आप जवाब देगे।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै यह बताना चाहता हू कि डबल्यू0 जे0सी0 का जो पानी हरियाणा प्रदे ा के अन्दर आता है, वह हरियाणा के इस्टर्न और वैस्टर्न हिस्सो को सैराब करता है। वहा पानी की बहुत बुरी हालत है। मेरे वक्त मे मैने एक लिंक बनाया था 37000 क्यूसिक का ताकि भाखडे के पानी को लेकन

वैस्टर्न यमुना कैनाल के एरियाज जैसे रोहतक, जींद, फरीदाबाद, गुडगाव या भिवानी वगैरह का पानी मिल जाए। उसकी आज तक डीसिल्टिग नही हुई। आज वह चैनल 16–17 सौ क्यसिकस से ज्यादा पानीनही ले सकता। वैस्टर्न यमुना कैनाल के जो एरियाज है, उनमे खेती के लिए पानी तो दरकिनार रहा, पीने के पानी की भी मु कल आई हुई है। बहुत से इलाको मे पीने का पानी भी नही है। अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0 एल के बारे मे राज्यपाल महोदय ने कहा है और मुख्यमंत्री जी भी जिस वक्त पहली बार इस सदन मे आए तो इन्होने कहा था कि एक साल के अन्दर एस0वाई0एल0 का पानी आ जाएगा? उस एक साल की मियाद क्या है, एक महीने के कितने दिन है और एक दिन के कितने घटे है? जो हिसाब ये लगाते है वह भी जरा हमे बता दे। मुख्यमंत्री जी ने कई बार ब्यान दिए है कि इस नहर का काम बी0आर0ओ0 को दे दिया गया है लेकिन आज तक एस0वाई0 एल0 की कस्ट्रक ान का काम न तो बोर्डर रोड आर्गेनाइजे ान को दिया गया और न ही कोई आसार ऐसा नजर आता है कि एस0वाई0एल का पानी इधर आ जाएगा। आज केन्द्रीय सरकार भी काग्रेस की है, पजाब सरकार भी काग्रेस की है और हरियाणा सरकार भी काग्रेस की है। तो फिर मै यह नही समझता कि इस मसले के हल होने मे दिक्कत क्या है? क्यों ऐसा हो रहा है? क्या दिल्ली की सरकार इस पर अपना साइड एप्लाई नही करती या हरियाणा के मुख्यमंत्री इसकी पैरवी प्रोपर नही करते या पजाब के मुख्यमंत्री उनकी हाई कमाड की बात नही मानते? मुख्यमंत्री जी जवाब देते वक्त इस पर

रो ानी डाले। हमे आसार नजर नही आए है कि एस0वाई0एल0 निकट भविश्य मे बनने वाली है।

इसी तरह से राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे कहा है कि पचायत समितियो के इलैक ान करवा दिए गए है। पचायत समितियो के जो इलैक ान करवाए है, उस बारे मे राज्यपाल महोदय ने कहा है कि 108 पचायत समितियो के मे से 87 के चुनाव अब तक पूरे हो चुके है। इसका मतलब 21 पचायत समितियो का चुनाव बाकी रहता है। इस सदन के सभी मैम्बर्ज जानते है, मत्री भी जानते है और मुख्यमंत्री भी जानते है कि जहा इनकी मर्जी का चेयरमैन बनता दिखे, इलैक ान करवा दो, जहा बनता न दिखे वहा न करवाओ। वहा एक बार, दो बार, तीन बार, और चार बार इलैक ान पोस्टमोन कर दो। एक बात मै मान सकता हू कि अगर अदालत सें कोई स्टे है तो ठीक है। अगर अदालत से स्टे नही है तो वे इलैक ान अब तक बाकी क्यो है ये होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि एक कुटुम्ब या एक परिवार के एक आदमी को काम जरूर दिया जाएगा। यह बात ये बहुत दिनो से कह रहे है। मै मुख्यमंत्री जी से इनके जवाब मे जानना चाहूगा कि हरियाणा प्रदे ा मे कितने ऐसे घर है, जिनमे इन्होने यह सरकार सम्भालने के बाद एक घर मे एक आदमी को काम पर लगाया हो और आगे इनका क्या प्रोग्राम है कि पूरे प्रदे ा मे इस काम को कब तक पूरा कर दिया जाएगा। सडको की मुरम्मत की बात मुख्यमंत्री जी ने पिछले

बजट सै ान मे कही थी कि हम 31 मार्च, 1992 तक भी सडको की मुरम्मत कर देगे और उस समय मैने यह कहा था कि मुख्यमंत्री जी अगर 31 मार्च, 1993 तक भी सब सडको की मुरम्मत आज तक भी नही हुई। यह बडे ताज्जुब की बात है। मुख्यमंत्री जी तो ाम मेरे हल्के मे गए, बहुत अच्छा काम किया। तो ाम मे कह कर आये कि बंसी लाल ने तुम्हारे लिये क्या किया। मेरे आदमपुर मे जा कर देखो स्वर्ग बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए मुख्यमंत्री महोदय को बताना चाहता हू कि जब मै मुख्यमंत्री था तो मेरे लिए कालका से लेकन फिरोजुपर झिरका और डबवाली से लेकर होडल तक, सारी स्टेट, सारी कास्टीच्यूऐसी हरेग गाव एक जैसे थे। मै यह नही करता था कि तो ाम या भिवानी मे ही सब कुछ लगा दू, जैसा आज के मुख्यमंत्री जी हर चीज इधर उधर ही उठाये फिरते है। दूसरा रास्ता आता ही नही तो आप यह सोचिए कि जब ये तो ाम मे जाकर यह कहते है कि मैने कोई काम नही किया तो मेरे खिलाफ यह प्रचार क्यो करते है कि मैने सब काम भिवानी मे ही किया है। यह प्रचार गलत है। आपने भी कहा है और अगर यह समझते है कि तो ाम मे मैने कुछ नही किया तो तो ाम 70 परसैन्ट गांव मे ड्रिकिग वाटर सप्लाई स्कीम पर पीने का पानी नही जाता। उसको पानी दे दो। तो ाम मे मुख्यमंत्री जीने कहा कि एक हफ्ता मे नहर जरूर चलेगी। साढे तीन दिन चलती थी वह बन्द हो गई। भिवानी जिले के लोग कहते है कि इनको पता लग गया है कि वह साढे तीन दिन आया करती थी, वह भी बन्द कर दी गई। आज तो ाम के

इलाके मे पीने का पानी बहुत से गावो मे नही है क्योकि हमारे यहा पीने का पानी तो सब खारा है, कम से कम वह पीने का पानी तो दे दो ताकि लोगो पानी पी ले। जब वर्ल्ड बैक की टीम आई तो नेहर साहब बडे फरख के साथ बापोडा की ड्रिकिग वाटर सप्लाई को वर्ल्ड बैक की टीम को दिखाने गए। वह बोपडा गावं की स्कीम मैने बनायी थी। खुद भी कुछ बना कर दिखा दे।

अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होने छोड दी वहा पर अगर कोई बताने वाला होता तो वह वर्ल्ड बैक की टीम को यह बताता कि यह जो वाटर टैक दिखा रहे है इन्होने आने के बाद इस को मिटटी से खाली करवाया, इसकी सफाई नही करवाई। हमारे यहा बालू रेत है। हर साल चाहे नहर हो, चाहे वाटर टैक हो, सब मे बालू रेत भत जाता है तो उसको हर साल साफ करना चाहिए। जैसे ही आधिया निकल जाए, उसको साफ करना चाहिए। आज तक इन्होने उसको साफ नही करवाया। वर्ल्ड बैक की टीम को दिखाने तो पहुच गए, फोटो उतरवाने पहुच गए। अब मेरी आपसे प्रार्थना है कि उनको साफ करवा कर वाटर सप्लाई स्कीम को ठीक रवा दो और तो ाम स्कीमज् मैने बनवायी थी। लेकिन जो पुल बने हुए है, उन के ऊपर से कोई भी मोटर गाडी नही जाती। आज पुल तो ऊंचा हो गया नीचे से, बालू रेत निकल गया। बालू रेत नहर मे भरा हुआ है। उस बालू रेत के ऊपर से गाडी, रेहडू, मोटर कार, जीप सब निकलते है। कम से कम नही की डी–सिल्टिग तो करवा दो और कम से कम लोगो को पीने का

पानी तो भेज दो। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी तो ाम मे कह कर आए कि मैने भिवानी जिले मे सडको की मुरम्मत पर पर साढे पाच कराड रूपये खर्च किए है, मार्च से लेकर नवम्बर तक। पिछले सदन मे तो मै आ नही पाया था मगर मेरे साथियो ने बताया कि पी0डब्लयू0डी0 मिनिस्टर ने यह कहा है कि भिवानी जिले मे सडको की मुरम्मत पर साढे पांच करोड रूपये खर्च किए गए है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास ये फिगर्ज है जो इनकी किताब से ली हुई है। भिवानी जिले मे दिखाने को तो इन्होने 1 करोड 97 लाख रूपये सडकों की मुरम्मत पर खर्च कर दिए, मगर यह बहुत या रूपया जिनकी जेब से जाना था उनकी जेब मे चला गया। सडको की मुरम्मत पर खर्च नही किया गया। अगर भिवानी सर्कल की बात करते है तो भिवानी सर्कल मे भिवानी, रिवाडी और महेन्द्रगढ तीन जिले है। उन तीनो जिलो मे भी इनके अपने रिकार्ड के मुताबिक सडको की मुरम्मत पर 3 करोड 97 लाख रूपये खर्च हुए है। अध्यक्ष महोदय, मेरा ख्याल है कि यह 97 लाख रूपये तो भले ही वहा पर खर्च हुए हो लेकिन जो 3 करोड है वह भाायद वहा पहुच गया जहा पहुचाना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, मै सरकार को एक सुझाव देना चाहूगा। सारे हरियाणा प्रदे ा मे कोई म्यूनिसिपैलिटी ऐसी नही है जिसके मेन होल कवर चोरी न हो गये हो। मेन होल्ज के कवर ने होन से सीवरेज मे बच्चे गिर जाते है मवे ी गिर जाते है और दूसरी चीजे गिर जाती है। मेनहोल के कवर चोरी न हो सके इसके लिए मै सुझाव दूंगा कि हर म्यूनिसिपैलिटी के लिए पर्टिकुलर नि ाान वाले स्पै ाल मेनहोल करव बनवाए

ताकि उनको बाजार मे न बेचा जा सके और यदि किसी दुकान के ऊपर वे मेनहोल कवर मिल जाए तो धारा 411 के अन्दर उसके खिलाफ कार्यवाही करके उसको सजा देनी चाहिए। (विघ्न)

स्पीकर सर, रोडवेज के बारे मे माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे बहुत कुछ कहा गया है। अध्यक्ष महोदय, रोडवेज चल रही है। यह ठीक है। मेरे भाई नाराज न हो, चौधरी सम्पत सिंह जी भी नाराज न हो। चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री थे तो उन्होने यह कर दिया है कि सारे स्टुडैट बसो मे फ्री आ जा सकेगे। कोई भी आदमी एक कापी हाथ मे ले ले और स्टुडैट बन जाएं कोई भला आदमी बस मे चढे सके या न चढे सके लेकिन स्टुडैट सारी बसो मे लदे रहते है और आम सवारियो बसो मे बैठ नही सकती । यहा पर डैमोक्रेटिक सैट अप मे जिसने वोट लेने है, वह इसको बन्द नही कर सकता। कालेजो की जो बिल्डिगे है, उन से तो कोई प्राफिट नही हो रहा है। क्लासो को पेडो के नीचे लगाए, तालाबो के पास लगाए। अध्यक्ष महोदय, बसो की हालत बहुत ही खराब है। मै और किसी जगह के बारे मे तो नही कर सकता लेकिन भिवानी डिपो की बसो की हालत बहुत खराब है। भाी ो टूटे हुए और पतरे भी टूटे हुए है। मै मुख्यमंत्री जी ने उनके जवाब मे इस बारे मे जानना चाहूगा। बसो की हालत बहुत खराब है और क्वालिटी भी पूअर है। पैसेन्जर को कोई फैसिलिटी नही है। सुबह चौधरी अमर सिंह जी ने एक सवाल भी पूछा था। बसो मे सफर करने वालो के लिए ही खाने पीने का कोई उचित

प्रबन्ध नही है। जहा चाहे बसो को रोडज पर ही रोक दिया जाता है, वहा पर ही रोटी मिल जाती है और पव्वा भी मिल जाता है। इस तरह की जो बात है, वह ठीक नही है, बसो वही रूकनी चाहिए जहा उनके ठिकाने है। इसके अलावा, बसो खाली चलती है, लेकिन रिक्वैस्ट करने पर ड्राईवर्ज बसो को नही रोकते और सवारियो को नही बिठाते जिससे पब्लिक एक्सचैकर को घाटा होता है, इसको भी ठीक किया जाना चाहिए। आज आप देखिये, कण्डकटरो ने अपने अपने टयूबवैल लगवा लिए है, सदन के किसी मैम्बर का भले ही टयूबवैल न लगा हो लेकिन कण्डक्टरो के है। कोई भी ऐसी रूट पर नही चलनी चाहिए जो धुआ छोडती हों। वैसे तो हम पोल्यू ान की बहुत बात करते है। जो बसे ज्यादा धुआ छोडती है, उनको ठीक करके ही रूट पर चलाया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै मुख्यमंत्री जी से उनके जवाब मे यह भी जानना चाहूगा कि रोडवेज के ड्राईवरो को क्या कोई रिफ्रै ार कोर्स करवाया जाता है या नही? जो ड्राईवर 3 बार ऐक्सीडैट करे, मै समझता हू कि उसकी छुटटी कर देनी चाहिए। चौधरी सम्तप सिह जी नाराज न हो, इस सरकार से जो पहली सरकार थी, उसने ऐसे ऐसे आदमियो को ड्राईवर भतरी कर दिया जिनको कुछ भी आता जाता नही था। ड्राईवरो को रिफ्रै ार कोर्स करवाना जरूरी है ताकि एक्सीडैट न हो। एक और बात इस बारे मे मै कहना चाहता हू कि ड्राईवरो के दारा जो गलत ओवर टेकिग की जाती है, उसको भी रोका जाना चाहिए। कई बार एक बस चल रही होती है, उसके बराबर से दूसरी और फिर तीसरी बस

लग जाती है और सामने से चाहे कोई पैदल आ रहा हो या साईकिल सवार आ रहा हो या कार आ रहो हो ड्राईवर उसकी कोई परवाह नही करते और ऐक्सीडैट होते है। गलत ओवरटेकिग के लिए ओर गलत जगह पर पार्किग करने वाले ड्राईवरो के खिलाफ ऐक ान होने चाहिए। इसके लिए मै यह सुझाव दूगा कि सरकार फलाइग स्कवैड बनाए।

अध्यक्ष महोदय, पर्यावरण की बात भी राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे कही है। मै समझता हू कि यह सरकार पर्यावरण की दि ाा मे कोई काम नही कर रही है, अगर कर रही है तो ऐसे ढग से कर रही है जिसका हमे पता ही नही लग रहा है कि यह क्या कर रही है। अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी के दामाद की जो फैक्टरी है ये उसका इलाज करवा ले क्योकि उससे पोल्यू ान फैलता है। आर्मी वाले लोग इससे बहुत परे ाान है। आर्मी कैण्ट बहुत एक्सपैड होना था, लेकिन पोल्यू ान की वजह से नही हो रहां।

अध्यक्ष महोदय, इन्हे स्टोन क्रै ार वाली बात को बहुत जल्दी ठीक कर लेनी चाहिए। अगर तो ााम से हिसार जाए तो वहा जो स्टोन क्रै ार है वे वही के वही बैठे हुए है जहां पर वे पहले बैठे हुए थे। उन क्र ारो को हटा कर किसी और जगह बदल देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अभिभाशण मे बसो के परमिट की बात आई है राज्यपाल जी के अभिभाशण मे लिखा हुआ है कि हम परमिट कोआप्रेटिव सोसाइटीज को देगे। अध्यक्ष महोदय, मै तो यह कहूगा कि यह अन एम्पलाईड यूथस को दिये जाए जिससे ज्यादा से ज्यादा अन एम्पलाईड यूथस को काम मिल सके। इसका ठीक ढंग से प्रयोग होन चाहिए। इसको ठीक ढंग से अनएम्पलाइड यूथस की कोआप्रेटिव सोसाइटीज को दिया जाना चाहिए, इसमे बन्दर बांट नही होनी चाहिए इस बारे मे मैने एक बार पहले भी कहा था। हरियाणा मे अध्यक्ष महोदय दस लाख मे भी ज्यादा अन एम्पलाइड यूथ है। उनको अधिक से अधिक नौकरियो देनी चाहिए। सरकार के पास तीन, साढे तीन लाख इम्पलाईज है अगर कोई रिटायर हो तो अलग बात है परन्तु सरकार अन इम्पलाईड को नौकरली नही दे सकती तो सरकार को इनके लिए, दूसरे काम मुहैया करने होगे। जो एजैन्सी पहले दी जा चुकी है उसका तो हम कुछ नही कर सकते, सरकार भी कुछ नही कर सकती क्योकि उस के बीच मे अदालत आ गई है। अध्यक्ष महोदय, जैसे गैस एजैन्सी, पैट्रोल पम्प, फोर वीलर्ज की एजैन्सी और ट्रैक्टर की एजैन्सीज है ये जितनी भी एजेन्सीज है अन एम्पलायड यूथ्स को दी जाए। इस बारे मे मुख्यमंत्री जी को चाहिए कि वे केन्द्रीय सरकार से बातचीत करे क्योकि सैन्टर मे भी इनकी सरकार है अगर विधान मे भी इस संबध मे अमैडमैड करनी पडे तो कर दे। यह अमैडमैट कर देनी चाहिए ताकि जितनी भी ऐजेन्सीया है वह अन इम्पलाईड यूथ की कोआप्रेटिव सोसाईटीज को मिले।

अध्यक्ष महोदय, एस0सीज0 भाईयो की रिजर्वे ान का बैकलोग अभी पूरा नही हुआ है उसको पूरा करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जो खाने है यह प्रान्त के लिए बहुत बडी बीमारी हो गई है मुख्यमंत्री जी इस के एक्सपर्ट है। ऐसा है कि फरीदाबाद जिले मे जितनी खाने है, वहा पर इललीगल माईनिंग हो रही है रोज कई लाख रूपए का गवर्नमैट को नुकसान हो रहा है। 1986 मे मैने इसको नै ानेलाइज कर दिया था लेकिन बाद मे फिर डीन ानेलाइज कर दिया गया। इसको ने ानेलाईज करना चाहिए क्योकि इललीगल माइनिंग से ऐक्सीडैड होते है जिसकी वहज से सरकार को नुकसान होता है। अध्यक्ष महोदय, एक केस मेरे नोटिस मे आया है कि फरीदाबाद के एक आदमी को सुप्रीम कोर्ट की जजमैट के मुताबिक माइनिंग का लाईसैस मिला था। लेकिन एक आदमी जो मुख्यमंत्री जी की जान पहचान का है, बहुत बडा आदमी है तथा बहुत भाोर से वहा माईनिग कर रहा है। वह उस आदमी को उस जमन का कब्जा नही दे रहा है जिसकी लीज का फैसला सुप्रीमकोर्ट ने उसके हम रोका जाए। अगर इनको नही रोकेगे तो एक दिन ऐसा होगा, पजाब तो ठीक होता जा रहा है लेकिन हम बिगड जाऐगे, हमारी स्टेट का हाल बिगड जाएगा। अध्यक्ष महोदय एक बात हमने पहले भी कई बार कही है और इस बार भी हमने एक अमैडमैट दिया है कि पुलिस वालो को ऐसोसिये ान बनाने की इजाजत दे दी जाए। पुलिस ऐसोसिये ान का रूल क्या है? पुलिस के लिए पजाब पुलिस रूल 1934 से बने

हुए है इनमे अमैडमैट 31.12.1980 को हुआ था तथा ये रूलज ऐप्लीकेबल टू हरियाणा है। इसका मै रूल 14.49 कोट करता हू।

"Government is prepared to grant official recognition to associations representing distinct ranks of police officers, provided such associations confrom, to conditions which have been liad down. Copies of the rules embodying these conditions can be obtained by associations or proposed associations on application through the proper official channel. The fromation of associations otherwise than in accordance with these rules, and the joining of any association or trade union other than a recognised police association by individual police officers, is absolutely prohibited."

अध्यक्ष महोदय, अगर पुलिस वालो को ऐसासिये ान बनाने की इजाजत दे देगे तो उसके बहुत फायदे होग। आज स्टेट मे थाने बेचे जाते है थानेदार कहते है कि वे झूठे मुकदमे इसलिए बनाते है कि उन्हे अपना कोटा पूरा करना होता है अगर वे झूठे मुकदमे नही बनाएगे तो उनका कोटा पूरा नही होगा। थानेदार इसलिए भी झूठे मुकदमे बनतो है क्योकि ऊपर मंथली देनी पडती है। अगर वह ऐसा नही करेगे तो पहले तो उनकी ए0सी0आर0 खराब करेगे, फिर उनका ट्रासफर भी करेगे और अन्य प्रकार से भी परे ाान करेगें। अब हालत क्या है? अगर एक आदमी अपन क्लास मे जाना चाहे या और कुछ होना चाहे तो इन्होने रूल बना दिया नम्बर दो के सर्टीफिकेट का। एक नम्बर इसका, एक उसको तो जो अर्दली रहेगे एस0पी0 के डी0आई0जी0 के आई0जी0 के

डी0जी0पी0 के तो वह हर साल सर्टीफिकेट देते रहेगे और नम्बर ही नम्बर रहेगे। लेकिन जो पुलिस अफसर के साथ नही है वह बेचारा सम्मनो की तामील करता फिर रहा है, सरकार ड्यूटी देता फिर रहा है फिर भी उसका एक नम्बर कभी नही आएगा। लेकिन अगर पुलिस एसोसिऐ ान बना दी जाती है तो यह ज्यादतिया बन्द हो जाएगी और जब यह ज्यादतिया बन्द हो जाएगी तो पुलिस ऐडमिनिस्ट्रे ान बहुत बढिया हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए मुख्यमंत्री जी को बता देना चाहता हू कि कल रात खबर रेडियो पर आई थी कि बिहार की पुलिस ऐसोसिऐ ान ने हडताल की धमकी दी थी लेकिन जब वहा 25 तारीख की रैली को लेकर ला एंड आर्डर का सवाल आया तो पुलिस एसोसिऐ ान ने अपनी हडताल विद ड्रा कर ली। इसलिए मै कहना चाहूगा कि अगल एक संगठन होगा तो आप भी उसे अच्छी तहर डील कर सकते है। लेकिन अगर संगठन नही होगा तो डी0एस0पी0, एस0पी0, डी0आई0जी0, आई0जी0 पुलिस के जवानो का मिसयूज करेगे। उनको परे ाान करते है, उनकी अपनी परे ाानियो की परवाह नही करते, जिसके कारण उनके डिसकटैटमैट फैलती है और अगर यह डिसकटैटमैट फैलती है तो सरकार को भी भुगतान पडता है और आम जनता को भी भुगताना पडता है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, किसानो को उनकी उपज की जो कीमत मिलती है, वह बहुत कम मिलती है। अभी भारत सरकार ने जो गेहू कनाडा मे मंगाया था, वह बहुत कम मिलती है। अभी भारत सरकार ने जो गेहू कनाडा से मंगाया था वह 500 या सवा पांच सौ रूपये क्विटल

के हिसाब से खरीदा था। लेकिन हिन्दुस्तान के किसानो को सरकार चार सौ साढे चार सौ रूपये भी देने को तैयार नही है। जो गेंहू कनाडा से आया है उसकी पिछले महीने कान्डला से एक रिपोर्ट थी कि वह गेहू कस्टम से आया है उसकी पिछले महीने कान्डला से एक रिपोर्ट थी कि वह गेहू कस्टम वालो ने रोक रखा है, that is not for humanr consumption. तो सरकार ऐसा गेहू लाती है। अध्यक्ष महोदय, यह किसानो को मारते है। जब किसानो के हर इनपुट की कीमत बढ गयी, खाद की सबसिडी कम हो गई, लोहे के भाव बढ गए, जो पुर्जे ट्रैक्टर मे लगते है उन के भाव बढ गए । हर चीज की कीमते जिनमे किसान का इनपुट है सबकी कीमते बढती गई लेकिन उस रे ाो से किसान के प्रोडक ान की कीमते नही बढी है। किसान के प्रोडक ान की कीमते बढनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने बगैर बात का पंगा ले लिया। मुझे किसी ने यह बताया कि जो निसिंग कांड हुआ, उससे एक दो दिन पहले मुख्यमंत्री जी को बी0के0यू0 का एक डैपुटे ान मिला था, इन्होने उनको यह कहा था कि सारे हिन्दुस्तान मे एक जैसे रेट होने वाले है उन्होने कहा कि जब तक सारे हिन्दुस्तान मे एक रेट हो तब तक ये रेट विदड्रा करके जो 39 से 29 या 25 के रेट थे, वे कर दो। इन्होने कहा मै यह नही कर सकता। मुख्यमंत्री जी उनकी इतनी बात मान लेते तो ठीक था। भारतीय किसान यूनियन वालो की जो मागे है हम उनका पूर्ण रूप से समर्थन करते है। किसान दे ा को अनाज खिलाते है दे ा का फोरेन ऐक्सचेंज बचाते है इसलिए उनको सबसिडाइजड रेट पर बिजली मिलनी चाहिए। खाद

की सबसिडी कायम रहनी चाहिए। स्पीकर साहब, कैनेडा और अमरीका का गेहू पता नही क्या भाव, भाायद 500 या 525 रूपये क्विटल पडता होगा। उसके बदले इनको रिम्यूनरेटिव प्राइस देनी चाहिए ताकि यहा का किसान ज्यादा अनाज पैदा कर सके। अब सवाल यह है कि अगर किसान को 400–500 का भाव दिया जाए तो जो गरीब आदमी, जिसके घर पर रात को रोटी नही पक सकेगी, उसका क्या होगा? स्पीकर साहब, इसका इलाज यह है कि सरकार गरीब आदमियो को हर मोहल्ले, हर गांव, हर वार्ड मे आइडैन्टीफाई करके उनको सबसिडाइजड रेट पर गेहू दे, सबसिडाइजड रेट पर चावल दे। सबसिडाइजड करने का काम सो ाल वैलफेयर स्टेट का है। सविधान मे लिखा है इसलिए यह काम तो आपको करने ही पडेगे। अध्यक्ष महोदय, भिवानी की एक बात मुझे याद आ गई । कल आई0पी0एम0 साहब कर रहे थे कि भिवानी की 147 मे से 58 चैनल की हमने डी सिलटिग कर दी। यानी ये खुद मानते है कि इन्होने डी सिलटिग नही की। 147 मे से 58 की हुई तो कितने परसैट हुई? आई0पी0एम0 साहब ने कल कहा कि जब 80 हजार या 1 लाख क्यूसिक पानी यमुना नदी मे आता है तो भिवानी की नहर या वैस्टर्न यमुना कैनाल की नहरे 20–22 दिन चलती है। मै आई0पी0एम0 साहब की इन्फरमे ान के लिए एक बात बता देना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः आई0पी0एम0 नही, ये इरीगे ान मिनिस्टर है।

श्री बंसी लालः अच्छा चलो, जो भी हो है तो श्री जगदी ा नेहरा इरीगे ान मिनिस्टर है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको बता देना चाहता हू कि जब यमुना मे बाढ आ जाती है तो नहर के गेटस बन्द कर दिए जाते है और पानी यमुना मे भेज दिया जाता है। जब तक पानी कम न हो जाए, नहर मे नही भेजा जाता। इसका इतना पुराना हैड वर्क्स है कि अगर तेज बहाव मे गेट खोल देगे तो हैड वर्क्स ही वह हो जाएगा और मांगे राम गुप्ता जी को और मु कल आ जाएगी और इनका बैठना मु कल हो जाएगा। जो वैस्टर्न यमुना कैनाल के एरियाज है उनमे पानी बहुत कम मिलता है और भाखडा मे ज्यादा मिलता है। जो चैनल 3700 क्यूसिक पानी की बनाई है, उसको साफ करके वैस्टर्न यमुना कैनाल के एरियाज मे पानी दिया जाए। स्पीकर साहब, एक ब्रिज के बारे मे अखबार मे आया था कि आठ स्पैन का जो ब्रिज बनाया, उस समय मै नही था, और अब उसमे 3 स्पैन पानी चल रहा है। घग्घर के पानी का बहाव इतना जोर का है कि 100–100 मन के बोल्डर्ज को 50–50 कदम तक बहाकर ले जाता है। जब हमने यह ब्रिज बनाया था तो देखा था कि 100–100 मन के बोल्डर्ज को उठाकर पानी आगे फैक देता था। कल मेरी इनकी पी0डब्लयू0डी0 मिनिस्टर से भी लाबी मे बात हो रही थी। स्पीकर साहब, तीन किलोमीटर घग्घर ब्रिज के ऊपर और तीन किलोमीटर नीचे, कानून के तहत माइनिंग नही हो सकती लेकिन उसको बिल्कुल ही साफ कर दिया है। अगर यह गिर गया तो फिर बनना

नही, इसलिए उसको गिरने ही क्यो देते हो, उसकी मुरम्मत वरफुटिंग पर कराई जाए।

अध्यक्ष महोदय इतने फाइनैन्ि ायल कमि ानर, इतने कमि ानर्स बैठे है मुख्यमंत्री को पता नही क्या ध्यान मे आई, किसने समझाया किसने उनको सलाह दी। एक ऐसा चेयरमैन इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड बना दिया, एक तो पहले इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की हालत खराब है फिर और भट्ठा बैठ जाएगा। अब वह क्या करेगा? लाईन लाासिज भी बढेगे, इन एफी ीऐन्सी भी आयेगी। किसी एक फाइनै ीयल कमि ानर को या कमि ानर को वहा पर लगा दिया जाता तो क्या फर्क पडना था। वहा पर दो सीनियर आई0ए0एस0 आफिसर्ज थे, उनको भी वहा से छोउ कर आना पडा क्योकि वह उनके अन्डर काम नही कर सकते। तो मेरा कहना यह है कि सरकार को इस फैसले को रिव्यू करना चाहिये। इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड का काम एफीि ायैन्सी के साथ चलना चाहिये। एक बात मे बीच मे कहनी भूल गया। भाराब के ठेको की सरकार खुली नीलामी करती है। जिस गांव की पचायत न चाहती हो वहा भाराब का ठेका न खोले। भाराब से, आप कहेगे कि आमदनी मारी जाती है क्योकि रैवेन्यू कम होता है। आप ऐसा करे कि भाराब मे अल्कोहल की परसैटज घटा दे और एक्साईज डियूटी जो है, उसको बढा दे। उससे आपको ज्यादा रूपया आयेगा। जिसको भाौक्क होगा, वह पीयेगा वह क्यो छोडगा वह तो पीयेगा। इसलिये मै यह समझता हू कि जिस गांव वाले न चाहते हो कि उनके गांव

मे ठेका खोला जाये, वहां पर ठेका नह खोला जाये। अध्यक्ष महोदय, करप ान की तो बुरी हालत है। जैसे मैने बताया कि स्टेट मे थाने बिकते है। झूठे मुकदमे बनाकर पैसा वसूल करते है। कहते है कि ऊपर देना हैं। ऊपर कौन है? ऊपर या तो डायरैक्टर जनरल पुलिस है और या मुख्यंमत्री है। इसमे ऊपर अगर किसी को देते होगे तो इनको पता होगा कि इनके ऊपर भी कोई है।

चौधरी भजन लालः मेहरबानी करके एक तारीख को जरूर आना।

श्री बसी लालः मै तो एक तारीख को भी आऊगा। उससे आगे अगर सै ान चलाओगो तो भी आऊगा । बे ाक आप दो महीने तक बढा लो।

चौधरी भजन लालः आपकी सारी बातो का जवाब एक तारीख को दूगा। मेहरबानी करके उस दिन आना जरूर।

श्री बंसी लालः ठीक है। स्पीकर साहब, ड्रेनेज मे करप ान है। सरकार खुद मानती है। डीसिल्टिग कही हुई ही नही है। पैसा जेबो मे चला जाता है। नहरो मे कही डिसिल्टिग नही हुई है। सारा पैसा करप ान मे चला जाता है एक बात मै मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूगा कि यह जो डिस्कि ानरी कोर्ट के प्लाटस है मैने भी बाटे है, चौधरी देवी लाल ने भी बाटे है और आपने भी बाटे होगे। जो भी मुख्यंमंत्री आया है उसने यह बाटे

है। अखबारो मे भी तो कई बार यह लिस्ट आ जाती है। मेरा कहना यह है कि आप इनकी लिस्ट रिलीज कर दे।

चौधरी भजन लालः बिल्कुल कर देगे।

श्री बंसी लालः पचकूला की लिस्ट तो आप कल ही रिलीज कर दे।

चौधरी भजन लालः आपके वक्त की भी कर देगे और अब की भी कर देगे।

श्री बंसी लालः हर दफतर मे हर स्टेज पर कुरप ान है। फाईल एक टेबल से दूसरी टेबल पर तब तक नही सरकती जब तक पैसा नही दिया जाता।

चौधरी भजन लालः आप तो सभी को एक ही लाठी से हाकते हो। यह छत गिर जायेगी और हम सब दब जायेगे। (व्यवधान एवम भाोर)

श्री बंसी लालः कोई एक आध बच रहा हो तो मुझे पता नही। छत गिरेगी तो उधर गिरेगी। अध्यक्ष महोदय, हिसार और गुडगांव, दो जगहो पर जो रजिस्ट्री करने वाले रजिस्टर है वह किसी को इन्सपैक ान करने के लिये तब तक नही मिलते जब तक सरकार नही चाहती। यह कानून के खिलाफ है। इस तरह से रिजैन्टमैट बढती है।

चौधरी भजन लालः ऐसा कुछ नही है। आपको जवाब देगे।

श्री बंसी लालः गुडगावं के कुछ लोग है। गांव का नाम तो कुछ और थ लेकिन बिसबेदार सारे गुडगावं के है। पहले 645 थे, फिर ये बढ कर 800 हो गये। अब भाायद कुछ मर गये होगे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर क्या हुआ। 4 या 6 आदमियो के नाम एक मुख्तियार नामा हो गया। एक मुख्तियारनामा तो झलनिया गांव के आदमी के नाम है। यह गावं आपके अपने गांव के पास है और हिसार जिले के किसी आदमी के नाम भी दिया है। एक मुखितयारनामा चुरू जिले के दो आदमियो के नाम भी हुआ है।

चौधरी भजन लालः आपको जवाब दे देगे।

श्री बंसी लालः मै कौन सा किसी का लिहाज कर रहा हू। दो आदमी चुरू जिले के थे। उनके नाम मुखितयारनामा था और तीन एकड की रजिस्ट्री भी हो गई। मै मुख्यंमत्री जी से इनके जवाब के समय जानना चाहूगा कि जिस तहसीलदार के बारे मे ये कहते है कि उसको सस्पैड किया है मै कहना चाहता हू कि असैम्बली सिर पर या आ गई तो सस्पैड कर दिया। स्पीकर साहब, तहसीलदार की अदालत मे आइडैटीफिके ान हुई, उसमे चौदह तो वकील है एक ब्रिगेडियर है और एक एयर वाइस मा र्ाल है जो मेजर जनरल के रैंक का होता है। क्या उनकी आइडैटीफिके ान

पर भी पत्थर पड गए? ऐसे तहसीलदार को फौरन गिरफतार क्या नही किया गया?

चौधरी भजन लालः क्या मै मंत्री अभी इस बारे मे बताऊ?

श्री बंसी लालः नही उस दिन बता देना। आप यह बता देना कि उस तहसीलदार को अब तक गिरफतार क्यो नही किया गया। मुख्यमंत्री जी आप इस जिम्मेदारी से बच नही सकते। मुझे तो ऐसा लगता है कि आपके कहने से या आपका कनाइवैस से ऐस हुआ है।

चौधरी भजन लालः जब हर जवाब देगे तो आप भी ऊगली नही उठा सकोगे।

श्री बंसी लालः आपकी मर्जी से या आपको कहने से रजिस्ट्री हुई है। हम सच्ची बात की हा करेगे ना नही करेगे। पर मुझे लगता है कि आपकी मर्जी से या आपको कहने से रजिस्ट्री हुई है।

चौधरी भजन लालः मै जवाब देते समय सारी बात बता दूगा।

श्री बंसी लालः कोई बात नही। आप जवाब देगे और अगर वह सही होगा तो हम मानेगे। स्पीकर साहब, झाडसार गांव की जमीन कुछ तो औमप्रका ा चौटाला ने बडे बेढगे ढंग से

छोडी, मेरे पास नक ाा है झाडसा गांव का। आपने भी जमीन छोडी है। स्पीरक साहब, मै इस नक ो को हाउस मे तो क्या दिखाउ, ऐसी ऐसी जगह की जमीन छोडी है कि जिसको आदमी सोच भी नही सकता। ताज्जुब की बात है किस तरह से जमीन छोडी जाती है ओर किस तरह से जमीन रखी जाती है। इतनी करप ान तो नही होनी चाहिए। करप ान का कोई ठिकाना हो तो कोई बात समझ मे आती है। अध्यक्ष महोदय, कल जैसा चौधरी सम्पत सिह ने कहा कि एक जाति के लोगो पर मुख्यमंत्री की नजर घनी कैडी है और हिसार मे तो यह कर आए कि जाट तो बहुत भर्ती हो चुके, अब और जातियो को भर्ती करेगे। स्पीकर साहब, यह कहना बिल्कुल गलत है।

चौधरी भजन लालः मैने ऐसा नही कहा।

श्री बसी लालः स्पीकर साहब, चौधरी सम्पत सिह जो लीडर आफ दि अपोजी ान है उन्होने कल यह कहा है।

चौधरी भजन लालः आप किसी आदमी की बात कहते तो कुछ बात भी होती । (ाोर एव व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, उनकी ए0सी0आर0 खराब कराई जाती है। सीनियर औफिसर्ज से और सीनियर औफिसर्ज को यह कर रहे खराब कराई जाती है कि अगर तुम इनकी ए0सी0आर0 खराब नही करोगे तो मै तुम्हारी ए0सी0आर0 खराब कर दूगा। यह बात मुख्यमंत्री जी स्वय कहते है। मुझे पता

नही कि यह बात मुख्यमंत्री जी के दफतर से चलती है या मुख्यमंत्री जी खुद कर देते है।

चौधरी भजन लालः आन ए प्वायट आफ आर्डर, स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल बहुत ही सीनियर मैम्बर है, चीफ मिनिस्टर भी रहे है सैन्टर मे मिनिस्टर भी रहे और एम0पी0 भी रहे है। अगर कोई बात कहनी हो तो वह कहानी चाहिए जो ही बात हो। आपको ऐसी बात कहना भाोभा नही देता कि आप इस तरह की बात कहे। क्या चीफ मिनिस्टर कहेगा कि फला आदमी की ए0सी0आर0 खराब करो? कहने की जरूरत ही क्या है। चीफ मिनिस्टर खुद फाइल मंगवाकर लिख देगा। ऐसा हम नही करते। आपको ऐसा सोचना नही चाहिए और न हमने कभी ऐसा सोचा है आपको नीयत ऐसी होती थी, आपके वक्त मे ऐसा होता होगा।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी को गल्त बात तो बडे वि वास से, बडी खूबसूरती से और बडे ही काफीडैस से कहनी आती है। मै इस बात मे इनका मुकाबला नही कर सकता। स्पीकर साहब, उसी जाति के लोगो मे से एक आदमी पी0डब्लयू0डी0 का सुप्रीम कोर्ट से फैसला कराकर लाया है। उसको खुडडे लाईन लगा दिया था। स्पीकर साहब, और भी कई महकमो मे बडे बडे औफिसर्ज आल इडिया सर्विस के लोग खुडडे लाईन लगा दिए गए और स्पीकर साहब, एक बात कल लीडर आफ दि अपोजी ान ने कही थी ट्रक यूनियन की बिमारी मे आप कामयाब नही होगे तकलीफ कितनी ही लोगो को ही जाए, मगर

आपको कामयाब नही होने देगे इस बात मे वे भाई किस का माल किसी को भी लदवांए या न लदवांए, आपको क्या सिर दर्द है। अगर एक यूनियन बन जाती है तो डेढा किराया कर देते है और वह पब्लिक पर पड जाता है। अध्यक्ष महोदय, एक तो फरीदाबाद मे ट्रक यूनियन है और एक हिसार मे ट्रक यूनियन है। हिसार की यूनियन थोडी तेज रहती है। कल जैसाकि लीडर आफ दि अपोजी ान ने कहा था कि चीफ मिनिस्टर बनकर पेट नही नही भरा तो ट्रक यूनियन का प्रैजीडेन्ट बनने से पेट कभी नही भरेगा।

अध्यक्ष महोदय, एक बात तै चीफ मिनिस्टर साहब को किटीसिजम की नीयत से नही कहना चाहता बल्कि सुझाव और अच्छे तरीके से कहना चाहता हू कि आपके जा अपने आदमी है वे सब आपके मित्र नही है। अध्यक्ष महोदय, एक भी आदमी का नाम मै सदन मे इसलिये नही लूंगा क्योकि आप ऐक्सपन्ज कर देगे और कानून और कायदे के खिलाफ भी होगा। वह आदमी व्यापारी एसोसिऐ ान हरियाणा का अध्यक्ष बना हुआ है। भिवानी मे जब मुख्यमंत्री की मीटिग करवाने की बात आई तो भिवानी वालो मे कहा कि यहा पर मीटिग करवा के क्या करोगे। केवल 6–7 आदमी है, दिवाला निकाल दोगे। काम ही कुछ नही है, क्या करोगे यह मीटिग करवा के? तो उस आदमी ने जो रोहतक का रहने वाला है, क्यास करोगे यह है उसने सुझाव दिया कि मीटिग रोहतक मे करवा लो, हम वहा आ जाएगे। साथ मे यह भी कह दिया कि अगर रोहतक के अन्दर हम मीटिग करवाएगे और साथ मे 10–15

हजार पुलिस के आदमी हो, तभी हम वहा पर चीफ मिनिस्टर की मीटिग करवा पाएगे और अगर मुख्यमंत्री कहे तो मै उस आदमी को उनके सामने करके साबित कर दूगा। (ाोर)

चौधरी भजन लालः बंसीलाल जी रोहतक के अन्दर जितनी मीटिग्ज हमने की है, उतनी किसी ने नही की है। (ाोर)

श्री बंसी लालः मै कब नाटू सू। मै तो यह कहता हू कि आपके अपने आदमी आपके भाुभ चिन्तक नही है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो मुख्यमंत्री जी कहते है कि बी0जे0पी0 पर बैन करो, पाबन्दी लगाओ और उधर हिसार मे मुख्यमंत्री महोदय ने यह कहा कि मन्दिर वही पर बनना चाहिये जहा पर टूटा है। फिर मुख्यमंत्री जी बताए कि बी0जे0पी0 और आपके स्टैण्ड में क्या फर्क है? यह बात भी आप जरा आपनी स्पीच मे क्लैरीफाई कर देना। (ाोर) मुख्यमंत्री जी, मेरे पास यह अखबार है इस मे यह लिखा है कि भजन के जलसो मे भीड जुटाने के लिये अब आदे ा । भायद आदे ा का नम्बर भ लिखा हुआ है। मेरा कहने का मतलब यह है कि भीड जुटाने के लिये अपने वर्करो का ही इस्तेमाल करो, न कि सरकार म ाीनरी का। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वह तो ऐजुके ान का एक फक ान था। ऐसी कोई बात नही है जिसको ये कर रहे है लेकिन फिर भी मै पता कर लूगा। मै इतना अव य कह सकता

हू कि कही पर भी सरकारी म ाीनरी का इस्तेमाल नही हुआ और न ही होगा।

श्री बंसी लालः क्या 27 तारीख को सूरजकुण्ड मे भी नही होगा? (ाोर) इससे आगे एक बात मै मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस मे और लाना चाहूगा । इनके दफतर से बहुत से सीनियर अफसर, जैसे फाइनैन ायल कमि नर्ज है, कमि नर्ज है , वे सभी बेकार बैठे है, उनके पास भाायद 10–15 दिनो मे एक आध फाईल आ जाए तेा मै कुछ नही कह सकता। मुख्यमंत्री महोदय ने एक प्रिसिपल सेक्रेटरी लगा रखा है और उसको दिल्ली मे किसी और पोस्ट पर लगा रखा है और उसकी जगह पार्ट टाईम प्रिसिंपल सेक्रेटरी लगा रखा है जबकि यह पोस्ट होल टाईम जौब है। मुख्यमंत्री जी, मै तो कहता हू कि आप जिस को मर्जी हो, लगाओ, लेकिन ऐसे आदमी को क्यो लगाओ जो दिल्ली से दौर पर दस्तख्त करने खातीर या फाईल पुट अप करने के खातिर चण्डीगढ आता जाता रहे? यहां तक ही नही, एक इनके प्राइवेट सैक्रेटरी भी है। और उसकी पोस्टिग यहा पर भी कर दी और दिल्ली मे भी कर दी। ये जो इनती बडी बटालिनयन यहा पर खाली बैठा रखी है, यह किस के लिये है? किसी को यहा लगा दो, किसी को दिल्ली लगा दो। इनका क्या करोगे जो यहा पर बिठा रखे है।

अध्यक्ष महोदय, मेवात का जो किस्सा है उस पर मै थोडी सी रो ानी डालना चाहता हू। मेवात मे जो कुछ हुआ वह

दर्दनाक हुआ। हरियाणा ही नही बल्कि पूरे हिन्दुस्तान मे, हिन्दु और मुसलमान दोनो सदियो से इकटठे रहे है और आगे भी इकट्ठें रहेगे। लेकिन मुख्यमंत्री जी के दो मंत्री है और थोडा थोडा मुख्यमंत्री जी ज्यादा नही 25 प्रति ात मेवात के माहौल का बिगडाना चाहते है। आप मेवात की हालत देखे। मै यह नही चाहता हू कि मेवात की हालत की वहज से कोई व्यक्ति पोलिटीकल कैपिटल बनाना चाहेगा। क्योकि अगर स्टेट के किसी हिस्से मे या बराबर की स्टेट मे माहौल बिगडेना तो हमार भाई चारा टूटेगा और उससे हम सब को नुकसान होगा। इसलिए इस किस्म की कोि ा ा करनी चाहिए कि वहा आपस मे हिन्दू मुस्लिम का सवाल पैदा न हो। हिन्दू भीवही रहेगे और मुसलमान भी वही रहेगे कोई कही नही जाएगा। लेकिन मेरे पास टाइम्ज आफ इण्डिया की एक रिपोर्ट है। इस टाइम्ज आफ इडिया ने, 11 तारीख के अखबार मे फ्रट पेज पर पाचं कालम की न्यूज मे लिखा है कि हरियाणा मे मेवात के एरिया मे जो कुछ हुआ, उसको गुडगाव की एडमिनिस्ट्रेटिव म ाीनरी मानती है कि पुलिस की नैगलीजैसी और पारेलिटिि ान्ज के कराने मे यह हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इनके एक मंत्री ने पुनहाना मे कहा है कि जो हिन्दुओ की माइनोरिटी को दूध देगा, उसको पाच सौ रूपया जुर्माना होगा। एक आदमी ने कहा कि जो धार्मिक स्थलो का नही तोडेगा, उसको दो हजार रूपए जुर्माना होगा। अध्यक्ष महोदय, एक गाव मे पानी का नलका उस मिनिस्टर से खडे हो कर तुडवाया। इसके साथ साथ क्या कि कि जो आदमी अनाउसमैट करने मे मुलजिम था, उसको मिल्ट्री

वालो ने पकड कर पुलिस वालो के हवाले कर दिया और वह मिनिस्टर उसको छुडाने के लिए गया। जब पुलिस वालो ने छोडने से इन्कार कर दिया तो कहने लगा कि मुझे भी गिरफतार करो। वहा का जो एस0एस0पी0 था, उसको इनकी रिपोर्ट पर वहा से फौरन तबदील कर दिया गया।

वक्फ राज्य मंत्री चौधरी भाकरूल्ला खांः स्पीकर साहब, मै पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हू। हमारे चौधरी बंसी लाल जी बहुत सीनियर मैंबर है। और ये बहुत काबिल भी है लेकिन जो कुछ ये कह रहे है यह बिल्कुल झूठ कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, अगर ये एक बात भी सही साबित कर दे तो जो सजा आप दैगे वह मै भुगतने के लिए तैयार हू। यदि मैने किसी को दूध देना बन्द किया हो या किसी को मन्दिर तोडने के लिए कहा हो तो ये साबित कर दे। हम दोनो मन्त्रियो , पर कोई भी उगली नही उठा सकता और यह बिल्कुल गलत है। चौधरी आप सम्पत किस जैसे आदमियो की बाते मे न आए। आप तो अच्छे आदमी है, इनको तो गल्त बोलने की आदत है और आप मेहरबानी करके ऐसी बात असैम्बली मे न कहे। सात तारीख को हम दोनो यहा कैबिनिट की मीटिग मे हाजिर थे हम वहा नही थे। आप इन्कवायरी करवा ले। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है स्पीकर साहब, आप चैक करे, यह रिकार्ड की बात है कि

इन दोनो मन्त्रियो की दाढी मे दो दो भाहतीर है तिनके नही है। हसी

सिचाई तथा बिजली राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद इलीयास): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी और चौधरी सम्तप सिह जी यह कर रहे है कि हम दोनो मंत्री वहा पर लोगो को भडका रहे थे। (ाोंर) इन्होने कहा कि हम कर रहे थे कि जो मन्दिर तोडने नही जाएगा, उस पर जुर्माना होगा जबकि उस दिन हम यहा पर कैबिनेट की मीटिग मे उपस्थित थे। इस बारे मे मुख्यमंत्री महोदय ने कई दफा कहा है कि हम कैबिनेट की मीटिग मे उपस्थित थे। इसलिए इस बात से इनकी बात बिल्कुल निराधार साबित हो जाती है कि उस दिन हम वहा पर थे।

श्री बंसी लाल: यह बात कैबिनेट मीटिग वाले दिन की नही है बल्कि उससे अगले दिन और उस अगले दिन की है। अध्यक्ष महोदय, मुझे बडा ताज्जुब है कि वहा पर 400–450 आदमी पुलिस के थे, वे काबू नही कर पाये पुनहाना और नूह के इलाके मे किसी ने लाठी चार्ज नही किया, किसी ने टीयर गैस इस्तेमाल नही की। पुलिस पर पत्थर पडे तो एक आदमी ने गोली चलायी। और जब मिल्ट्री के 50 आदमी आए तो everything was quite and cale there इसका कारण था? यह अखबार अगर मै पढू तो इसमे बहुत देर लग जाएगी। इसमे बहुत अच्छी तरह एक्सप्लेन किया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, कल चौधरी सम्पत सिंह ने कहा कि आज कल मुख्यमंत्री यहा से जो पुराने अखबार छपता है उससे नाराज

है। खैर मैने तो अखबार वालो से पहली टर्म मे लडाई लडी थी और खुल कर लडी थी, छिप कर नही लडी थी और अब मै डरता हू कही ये चोर न बना दे। अध्यक्ष महोदय, अब क्या हो रहा है कल चौधरी सम्पत सिंह जी कई बाते बतानी भूल गए। एक साल या 10 महीने पहले ट्रिब्यून अखबार मे एक आर्टिकल निकला, ट्रिब्यून के एक सीनियर पदाधिकार का। उसमे और चीजो को मै ान करते हुए यह भी लिख रखा था कि महात्मा गांधी का मर्डर किसने किया, वह मुझे पता है और प0 जवाहर लाल नेहरू का पता था। प0 जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि बताना नही। तो अध्यक्ष महोदय, इसने प0 जवाहर लाल नेहरू को भी लपेट लिया। इसका मतलब है कि प0 नेहरू की इन्टेगिरिटी पर डाउट किया जाता है। यह वह आदमी है जिसके बारे मे मैने सुना है कि मुख्यमत्री कभी उसको मेवात बोर्ड का चेयरमैन बनाना चाहते है तो कभी वक्फ बोर्ड का चेयरमैन बनाना चाहते है।

चौधरी भजन लालः कौन है उसका नाम तो ले दो।

श्री बंसी लालः नाम तो नही ले सकता क्योकि वह सदन से बाहर है यह वह है जिसके बारे मे बता रहे कि उसकी दो लडकिया सर्विस मे रखी है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायट आफ आर्डर सर, अभी इन्होने कहा कि दो लडकिया सर्विस मे लगी है। अध्यक्ष महोदय, सर्विस मे किसी को कोई बेटा हो या किसी की

लडकी हो हर आदमी को अधिकार है कि वह इन्टरव्यू पर जायें क्वालिफिके ान पूरी करती हो वे सब सर्विस मे लग सकती है क्या किसी को सर्विस मे लगने पर पाबन्दी है? अभी आपने कह दिया कि मै उसको चेयरमैन लगाने जा रहा हू। मै तो उसको जानता ही नही, किसी की बात आप कर रहे है और न ही कभी हमने सोचा है। दूसरे जहा तक सवाल है अखबार के बारे मे, अभी तो कह रहे थे कि भजन लाल का चहेता अखबार है अभी उस अखबार के बारे मे और तरह की बात करने लग गए। कौन सी बात ठीक है, मेहरबान करके यह बता दे।

श्री बंसी लालः दोनो ही सच्ची है। अध्यक्ष महोदय, आज की तारीख मे मुख्यमंत्री जी को मुख्यमंत्री बने रहने का कोई अधिकार नही है। इनके खिलाफ स्ट्रीक्चर पास हुई है। एक जगह नही बल्कि एक ही जजमैट मे कई जगह स्ट्रीक्चर पास हुई है। यह जजमैट मै आपको सुनाऊ। यह केस था गुरनाम सिह वर्सिज स्टेट। इसमे थर्ड रिस्पौन्डेन्ट मुख्यमंत्री है। इनके ऊपर जो ऐलिगे ान्ज है वे इस प्रकार है–

" Impugned order has been passed with sheer malafind intentions on the part of Shri Bhajan Lal, Chief Minister Haryana Respondent No. 3 who is prejudiced as well as biased against the applicant"

कोर्ट यह कहती है–

" To our mind the time tested adage that men may lie but circumtances may not lie can justifiably be invoked in this case. We are also of the conisdered view that the foregoing facts and cirscumstances taken cumulatively amply justify the reasonable inference of malafide and bias. Ground No. (I) urged by the learned counsel for the applicant is thus held to be well founded."

इसकें बाद इनको मुख्यमंत्री रहने का अधिकार नही है। (विघन)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस प्वायट को क्लीयर कर देता हू। कैट ने कहा कि जिस आफिसर को आपने तबदील किया है वह ठीक नही किया। उन्होने यह भी कहा कि मैलाइस इन लाल है मैलाइस इस फैक्टस नही है फिर भी सरकार सुप्रीम कोर्ट मे गई। सुप्रीम कोर्ट कल यह फैसला दिया है कि ट्रासफर के बारे मे कुछ नही कहते। ट्रासफर का मामला ओपन है सरकार ट्रासफर कर सकती है। इसमे कोइ मैलोफाईडी नही है। यह फैसला कल बाकायदा सुप्रीम कोर्ट ने अनाउस किया है यह अपनी पे ाबन्दी करना चाहते है। इनकी लडकी 20 साल से चण्डीगढ मे है हमने उसका तबादला बाहर कर दिया है और वे कोर्ट से जा कर स्टे मे आई। कोर्ट से स्टे ले कर यह दिखाना चाहते है कि हम ट्रासफंर भीनही कर सकते है। ट्रासफर के मामले मे हम पूरी तरह से जानते है कि उस ट्रासफर के मामले मे कोई मैलाफाईडी हम नही मानते। सरकार को ट्रासफर का अधिकार है

जब चाहेगी ट्रासफर करेगी, जिस आफिसर से जैसा चाहेगी काम लेगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरी लडकी का जिकर किया है। सरकार जो करना चाहे कर ले, मुझे कोई ऐतराज नही है। एक ही फैसले मे कोर्ट ने इतनी जगह मैलाफाईडीज होल्ड कर दी जिसका कोई ठिकाना नही है। सुप्रीमकोर्ट ने कल यह भी कहा कि इस जजमैट मे जो कुछ लिख गया है वह हर्फबहर्फ सही है। (विघ्न) इसलिए आपकी डिसमिस की गई। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः कहा हर्फ बहर्फ सही कहा है इसकी कापी हमे दिखाओ (विघ्न) इन्होने कहा कि ट्रासफर के मामले मे बिल्कुल ओपन है। हम उस अफसर को बदलने जा रहे है। अगर सुप्रीम कोर्ट ऐसा कहती तो क्या हम उनको बदल सकते है ?

श्री बंसी लालः कोई बात नही इस फैसले की कापी भी आगे आ जाएगी। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः बसी लाल जी, अब आप वाईड अप कीजिए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के खिलाफ धर्मपाल नाम के आदमी ने दरखास्त दी थी। इस बारे मे केस रजिस्टर हुआ और रजिस्टर होने के बाद कुछ अण्डरस्टैंडिग हुई। मुख्यमंत्री जी को खरीदो फरोख्त बहुत आती है। उस आदमी को इन्होने काबू कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कल लिखा है।

"The question of offering of post of Chairman of Khadi Board of Haryan is"

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। कोर्ट से आर्डर हो गये, सारा कुछ हो गया। किसी आदमी को यह कहना कि खरीदो फरोख्त की आदत हो गई है, यह गलत है। जब चौधरी बंसी लाल जी के साथ धर्मपाल थे तो उन्हे ये क्या देकर ले गये थे? अब और सुनिये। जब मै कुछ भी नही था, तब धर्मपाल ने लिखा था कि मैने सुनी सुनाई बात पर यह कह दी। मु झे नही पता कि इस पर कोई एफ0आई0आर0 भी दर्ज हो सकती है और चौधरी देवी लाल के कहने से और इन लोगो के कहने से ही मेरे खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज करवा दी गई। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जल्दी ही मै वाइड अप कर रहा हू। सुप्रीम कोर्ट कै फैसले मे लिखा है–

"The question whether the offering of the post of Chariman of Khadi Board of Haryana as a quio pro quo for tendering the affidavi or no, does not fall within our province in the present proceedings. Further we do no like to express any opinion on his conduct except observing that the Court should not be indirectly used as aninstrumentally be anyone to attain or obtain any beneficial achievement which one could not get through normal legal process and that if any one approaches the Court with ulterior motiove, designed to wrench some personal bennefit by putting another within the clutches of law and using the Court as a device only for that

end but not to get any legal remendy then in such a situation the Court should havily come upon such a person and see that teh authroity of the Court is not misused. Neither the State not the complainant, Dharam Pal has challenged the order the Magistrate discharging the accused, presmable for the reasons that the Police has colosed the investigation and sent its Cancellation Report and that Dharma Pal has expressd his desire in his affidavit no to probe into the allegaions."

(Interruptions)

इसमे आगे लिखा है–

"Except observing that the complaninant who initiated the law into moiton alleging serious Allegations against Ch. Bhajan Lal who were then holding a Cabint rank in the Central Government may become liable for criminal and civil liability in case the allegations are not proved. Whatever might have been in the motive of Dharam Pal for withdrawal of his complaint, he, after havein fought the case up to this court in quashing proceedings cannot have any Justification in requesting the investigating officer not to prob into the allegations and staging a walkout of the Court. On the other hand, he ought to have submitted to the discipline of the Cout especially when he has initiated the proceedings as a publice interest Litigant."

अध्यक्ष महोदय, ऐसे आदमी को खादी बोर्ड का चेयरमैन रखना ठीक नही, उसे तो आज सैक ान 211 के तहत हवालात मे रखना चाहिए था। लेकिन जो आदमी नीचे से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मुकदमा लड चुका है। अगर आज वह यह एफीडेविट देता है

कि उसे किसी ने बहका कर करवा लिया तो गलत है। क्या वह बहुत ही भोला था? तो मै समझता हू कि वह आदमी किसी लायक ही हनी है।

चौधरी भजन लालः मेरा प्वायट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने जो ठीक पोर ान था, वह छोड दिया है। मैने पिछले सै ान मे यह बात पूरी डिटेल मे कह दी थी कि सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा है। अध्यक्ष महोदय, सम्तप सिंह जी और 16 एम0एल0एज0 एप्लीके ान लेकर गए थे। और इनकी ऐप्लीके ान उन्होने ऐन्टरटेम नही की थी। चौधरी बंसी लाल जी वकील भी है, ये तो ब्रीफ लेस लायर है, यह मै नही कहता आप यह कल की ट्रिब्यून मे पढ ले कि उसमे कया लिखा है। जब बंसी लाल जी चीफ मिनिस्टर बने थे तो इनको प्रदे ा मे कोई नही जानता था। खबर मे जो लिखा हुआ है मै आपको दिखा दूगा। (ाोर एमव व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है।

चौधरी भजन लालः बहिन जी, पहले मै अपनी बात कह लू। क्या प्वायट आफ आर्डर पर भी प्वायट आर्डर होता है? विघ्न अध्यक्ष महोदय, मैने कुछ नही कहा। मैने तो यह कहा कि ये भी वकील है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै प्वायट आफ आर्डर पर खडा है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि मजिस्ट्रेट जिसका टाडा के

अन्दर करप ान के अन्दर इस केस को सुनने की पावर थी, उनके पास यह केस चला गया। इन्होने रिपोर्ट कब की ? उन्होने रिपोर्ट गवर्नरी राज मे की, न कि चीफ मिनिस्टर बनने के बाद की। अध्यक्ष महोदय, इसमे इक्वायरी हुई और इक्वायरी मे कहा कि इसमे कुछ नही है। इसके बाद उन्होने यह कैसिल करने के लिये भेज दिया और वह बाद मे कैसिल हुआ। उन्होने टैक्नीकल बात के लिए कह दिया था और डिसचार्ज कर दिया था। लेकिन ये बेमतलब की बात करने हाउस का टाईम लेते है बेबुनियाद बाते कहने की इनकी आदत हो गयी है। अगर ये ठीक बात कहे तो प्रदे ा की जनता भी कहे। यह हाउस है हाउस की भी मर्यादा है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इन भाब्दो के साथ कह कर आनी स्पीच समाप्त करता हू कि दिल्ली की सरकार इस भश्ट सरकार को डिसमिस कर दे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, अभी मुख्यमंत्री जी कर रहे थे कि ट्रिब्यून मे लिखा है कि बंसी लाल को भगवत दयाल भार्मा ने चीफ मिनिस्टर बनाया था। मै भी उस वक्त एम0एल0एज0 थां। आज भगवल दयाल भार्मा जी स्वर्गवासी है इसलिये मै कहना नही चाहूगी कि सरकार को गिरने के लिए इन्होने बडी कोि ा ा करी। आप भी जानते है कि श्रीमती गांधी से बहुत अच्छे ताल्लुकात थे। उस समय हम सबकी राय थी कि बंसी लाल को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। लेकिन 15 दिन बाद ही इनकी कोि ा ा थी कि मुख्यमंत्री नही रहना चाहिये। नन्दा जी ने भी

कहा था कि बंसी लाल का मुख्यमंत्री बना देना चाहिए विघ्न मै प्वायट आफ आर्डर पर हू। मै यह बात रिकार्ड पर रखना चाहती हू।

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): स्पीकर साहब, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मै गवर्नर साहब के अभिभाशण पर जो उन्होने हाउस मे पढा है धन्यवाद करने के लिए और कुछ और बाते हाउस मे बताने के लिए आपका टाईम लेना चाहूगा। इस हाउस मे गवर्नर साहब ने हरियाणा की उन्नति के बारे, हरियाणा की चहुमुखी उन्नति के बारे जो अपना अभिभाशण पढा है उसमे कई मुदछे उठाये है। लेकिन कुछ लोगो ने कुछ नेताओ ने सदन मे सही बात रखने की बजाए इधर उधर की बाते रखी है। मै सबसे पहले एक बात जो लीडर आफ दी अपोजी ान ने कल अपने भाशण मे कही थी, के बारे मे कहना चाहूगा। इन्होने कुछ फायरिंग की बात कही थी तो वह अपनी बात को भूल जाते है। आज तक सारी दुनिया मे यह म ाहूर है कि उस वक्त के होम मिनिस्टर साहब जो आज अपोजी ान के लीडर है।

(इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

लोगो ने और वहा के पुलिस के नौजवानो ने इनकी पिटाई की और ये चारपाई के नीचे छिप गये थे कितने ही लोगो को इन्होने वहा गोलियो से भूना था लेकिन आज ये अपनी उन

बातो को भूलकर हाउस का टाईम खराब कर रहे है। अभी इन्होने एक बात का और जिकर किया कि चौधरी भजन लाल ने पजाबी सम्मेलन बुलाया और वहा लेक्चर देकर इन्होने फिरकापरस्ती की बाद की है। स्पीकर साहब, पजाबी सम्मेलन उन भाहीदो को, जिन्होने दे ा की आजादी के लिए कुर्बानिया दी, उनको याद करने के लिए बुलाया गया था। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। (ाोर एवम व्यवधान) हमारी पार्टी को इस सम्मेलन से कोई ऐतराज नही है।

श्री अमीर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहब, सम्मेलन उन भाहीदो को क्षद्धाजलि देने के लिए किया गया था। जब 36 बिरादरियो का समूह इकटठा होता है तो ये इसको फिरकारपरस्ती कहते है। यह ठीक है कि 36 कोमो के बच्चो की भर्ती होती है। खाली जाति पात को भडकाने के लिये ये हाउस मे अपनी नेतागिरी करते है। हाउस मे इस किस्म की बाते करके, ये अपना नाम अखबारो मे छपवाना चाहते है, यह बात निन्दनीय है। मै प्रार्थना करूगा कि इन्हे इस किस्म की बात नही करनी चाहिए। अभी माननीय चौधरी बंसी लाल जी ने भी ऐसा बात की। मै समझता हू कि सिर्फ अपनी लीडरी चमकाने के लिए, इस किस्म के ब्यान देकर यह चाहते है कि हरियाणा मे भाईचारा न बने। हरियाणा मे भाईचारा चल रहा है। आप सभी जानते है कि हरियाणा मे कितना अमन रहा है।

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। बात यह है कि चौधरी बंसी लाल जी ने कौन सी ऐसी बात कह दी। ये गलत बयानी तो न करे। चौधरी बंसी लाल जी साप्रदायिकता के बिल्कुल खिलाफ है और हर तरह से निश्पक्ष है। आप देखिए ये किस तरह से लाछन लगा रहे है। उपाध्यक्ष महोदय मै आपकी रूलिग चाहूगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अमीर चन्द मक्कडः इन्होने मेवात की बात सदन मे दोहराई है। मेवात के बारे मे खाली एक बी0जे0पी0 के सदस्य की वकालत करने के लिए हाउस मे इस किस्म की बात करते है। अगर बी0जे0पी0 मे जाना चाहते है तो चले जाए मगर बार बार उस बात को लेकर भडकाने वाली बाते करना ठीक नही है। मै समझता हू कि हरियाणा मे भाई चारा चल रहा है। मदिर के मसले को लेकर सारे दे ा मे आग भडकी है। लेकिन हरियाणा मे फिर भी बहुत भाई चारा बना रहा । एक छोटी से घटना मेवात की जरूर घटी है जो बडी ही निन्दनीय है। उसकी सभी ने निन्दा की है। किसी ने भी उनकी तारीफ नही की है। लेकिन उस घटना को लेकन इल्जाम लगाते हुए कोई बात कहना और उन भावनाओ को भडकाना कोई अच्छी बात नही है। हमारा सब का फर्ज है कि दे ा मे भाईचारे की बात करे। आज भी कुछ इस किस्म के लोग है जो तोड फोड करने वाले है और इस दे ा को तोडना चाहते है। हमे सब को राजनीति से ऊपर उठकर, उनकी निन्दा करनी चाहिये। तभी हम उनका मुकाबला कर सकते है ओर दे ा मे

जमहूरियत और धर्मनिरपेक्षता को कायम रख सकते है। गवर्नर साहब ने अपने भाशण मे कई बातो का जिकर किया है उनमे से एक आध बात के बारे मे मै भी अपनी बात कहना चाहता हू। जैसे इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड के चेयरमैन की बात आई है। मै तो यह समझता हू कि टैक्नीकल आदमी को ही टैक्नीकल महकमे की बात आई है। मै तो यह समझता हू कि टैक्नीकल आदमी को ही टैक्नीकल महकमे का इन्चार्ज होना चाहिये। अगर ऐसा होगा तो यह काम को अच्छी तरह से समझ सकता है। जैसे चौधरी बसी लाल जी ने भी कहा अगर उनको लगाया जाये तो बेहतर कन्ट्रोल कर सकते है। मै तो भ्रुरू से ही इस बात के हम मे था कि टैक्नीकल महकमे के इन्चार्ज टैक्नीकल आदमी होने चाहिये। इजीनियर पांच पाच साल तक अपनी इजीनियरिग का कोर्स करते है वह महकमे का काम अच्छी तरह से जानते है। उनके ऊपर अगर कोई दूसरा आदमी अफसर बिठा दिया जायेगा जो इस बारे मे कुछ जानता ही नही है कि बिजली का या मैकैनिकल या कोई और टैक्नीकल काम कैसे होता है तो क्या वह अच्छी तरह से काम कर सकता है। जैसे एक इजीनियर कर सकता है? यह पहला मौका है जब चौधरी भजन लाल जी ने इस बोर्ड का चेयरमैन कोई टैक्नीकल आदमी बनाया है। मै समझता हू कि इससे जो बिजली की कमी चली रही है। वह दूर करने मे मदद मिलेगी। गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण मे कई बातो का जिकर किया है। जैसे इरीगे ान के बारे मे उन्होने बताया कि सतलुज यमुना लिंक नहर का पानी भी हम लेने की कोि ा ा कर रहे है। यमुना के पानी मे

हरियाणा का पूरा अधिकार है। इस बात को भी क्रिटीसाईज करके कुछ गलत बाते हाउस मे आयी है। लेकिन मुझे आ ाा है कि यह सरकार सतलुज यमुना लिंक कैनाल को कम्पीलट कराकर, हरियाणा मे जल्दी पानी लाकर हरियाणा के किसान के खेत मे पहुचायेगी। इसी तरह से गवर्नर साहब ने ि ाक्षा के बारे मे और वि ोशकर टैक्नीकल ि ाक्षा के बारे मे विस्तार से बताया है कि इस दि ाा मे हरियाणा दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहा है। मै इस बारे मे सरकार का धन्यवाद करना चाहता हू कि हांसी के स्कूल को 1993–94 के अन्दर पूरा दर्जा दिया जा रहा है और हिसार जिले मे इजीनियरिग कालेज की आधारि ाला भी रखी गयी है, जिसकी इस पंचवर्शीय योजना के लिये मजूरी भी मिल गयी है। इससे उस इलाके के नौजवान ही नही बल्कि सारे इलाको के नौजवान ऐसी सस्थाओ मे दाखिला लेकर, ि ाक्षा प्राप्त करके, अपना रोजगार कामने योग्य बन सकेगे और नौजवान नौकरियो के पीछे नही भागेगे और अपनी रोजी अच्छी तरह से कम सकेगे। इसी तरह से स्वास्थय के बारे मे भी गवर्नर साहब ने अपने भाशण मे बताया है कि 5 हजार की आबादी के लिये एक उपकेन्द्र और 30000 की आबादी के लिए एक प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र खोलने की व्यवस्था की है। बडे बडे भाहरो मे छोटे छोटे अस्पताल खोलने की स्कीम भी बनायी गयी है। आज हरियाणा का गरीब गावं का आदमी भाहर मे इलाज कराने के लिए बडी दिक्कत महसूस करता है इसलिए उसके लिये यह सुविधा गावो मे ही उपलब्ध करायी जा रही है। 5–5 हजार की आबादी वाले छोटे

छोटे गावो मे ही उपलब्ध खोले जा रहे है और बडे गावो मे 30 बिस्तर वाले अस्पताल बनाने की भी योजना बना रहे है। यह बहुत ही अच्छी स्कीम है। मै इस बारे मे सरकार से प्रार्थना करना चाहूगा कि मेरे हल्के मे भी दो बडे बडे गांव है। वे है सीसर खरबला और हाजमपुर। हाजमपुर गांव के पास पांच छ गांव गलते है। अगर यहा पर अस्पताल बना दिया जाए तो ये सारी गांव कवर हो जाएगे। मेरी प्रार्थना है कि इन दोनो जगहो मे अस्पाल बनाए जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण मे नहरो के बारे मे बताया गया है। इसमे कहा गया है कि वर्श 1992–93 मे 823 किलोमीटर जल मार्गो को पक्का करने का कार्य पूर होने की सभावना है, जिस पर अटठाइस करोड रूपए की लागत आएगी तथा 433 क्यूसिक जल की रिसाव हानि को रोका जा सकेगा। उपाध्यक्ष महोदय, किसानो को कच्चे खालो मे पानी ले जाने मे बडी दिक्कत का सामना करनो पडता है और काफी पानी बेकार चला जाता है। पक्का करने से काफी पानी की बचत हो सकेगी। पिछले चार साल मे जब अपोजी ान वालो की सरकार थी तो सारा काम बन्द हो गए थे। जो खाले और रजवाहे बन रहे थे सब बन्द हो गए है। जैसा कि मैन जिकर किया था कि मेरे हल्के मे किसानो को पानी पहुचाने की कई स्कीमे मन्जूर हो गई थी लेकिन जब इनकी सरकार आई तो इन्होने वे सारी स्कीम बन्द कर दी। अब उनको दोबारा बनाने का काम विचारधीन है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सुल्तानपुर, बीड माइनर और हाजमपुर माइनर को पूरा किया जाए। वहां के किसानो की इनके बारे मे काफी दिनो मे मांग चल

आ रही है। इसलिए इनको जल्दी पूरा किया जाए। जिस रफतार से हरियाणा मे तरक्की हो रही है उसको देखते हुए मुझे उम्मीद है कि ये तीनो माइनर्ज जल्दी ही पूरी हो जाएगी।

उपाध्यक्ष महोदय, गावो मे पीने के पानी की स्कीम्ज चल रही है। सरकार ने ऐलान किया है कि हर गांव को मीठा पानी दिया जाएगा। आजकल आबादी बढ रही है। और पीने के पानी की जो पुरानी स्कीम्ज है उनसे आबादी बढने के कारण पानी पूरा नही मिल रहा है। मेरे हल्के मे वाटर वर्कस की जो पुरानी स्कीम्ज है उनसे पूरा पानी नही सप्लाई हो रहा जिससे कि लोगो को काफी दिक्कत है। मेरे यहा उमर सुल्तानपुर मे वाटर वर्कस नया बनना है और गढी मे नया वाटर वर्कस बनना है। यह पांच गांव की स्कीम है। मेरी एक और प्रार्थना है कि पुटटी मंगल खा और हांसी भाहर मे पानी ज्यादा बढाया जाए क्योकि इस समय वहा पर पानी की सप्लाई काफी कम है। पानी बढने से लोगो की समस्या हल हो जाएगी।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहता हू कि जिस प्रकार व्यवसायिक ि ाक्षा की और सरकार ध्यान दे रही है उसी तरह से यह सरकार प्राथमिक ि ाक्षा की और भी ध्यान दे रही है। 1992–93 के दौरान लडकियो के लिए सौ नए प्राथमिक स्कूल खोले गए है। गवर्नर ऐड्रैस मे कहा गया है कि अगले वर्श सौ नए प्राथमिक स्कूल खेले जाएगे। मेरे यहा बाडा हेडी मे पिछली सरकार के तीन मिनिस्टरो के रि तेदार है

और वहा पर छब्बीस कररे गांव की पचायत ने बनवा दिए। तीन बार वहा की चीफ मिनिस्टर को लेकर उस समय गए थे और वहा पर ऐलान किया गया कि वह स्कूल खोल दिया गया है लेकिन वह स्कूल मन्जूर तक नही हुआ और वह बन्द हो गया। मै मौजूदा ि ाक्षा मंत्री से लेकिन वहा गया बहन जी ने देखा कि वहा पर छब्बीस कमरे बने हुए है लेकिन स्कूल चालू वह सरकार नही कर पाई। इन लोगो की वह सरकार थी जो अपने आपको किसानो की हमदर्द कहती फिरती है लेकिन वहा पर किसानो के बच्चो के लिए स्कूल भी नही खोल पाई जबकि वहा के किसानो ने कमरे भी अपने पैसे से बनवा दिए थ। बहन जी वहा पर गई और प्राईमरी स्कल खोलने का ऐलान किया और वह स्कूल जल्दी ही मिडिल स्कूल अपग्रेड हो जाएगा। उपाध्यक्ष महादेय, पहले हम लोग कुछ नारो के बहकावे मे आगए थे। लोग इनकी असलियत को भूल गए थे और 1987 मे इनके बहकावे मे आ गए थे और यही कारण है कि ये लोग पाच साल की बजाए पौने चार साल मे ही भाग गए। इनके बिस्तर पौने चार साल मे बध गए। भोले भाले लोग इनके बहकावो मे आ गए थे और इनकी सत्ता मे ला दिया था। लेकिन बाद मे जनता को अपनी भूल का पता लगा और इसके लिए मै जनता को बधाई देना चाहता हू कि पिछले जो चुनाव हुए उनमे जनता ने बडी ही समझ बूझ से काम लिया और इनको सत्ता से उखाड कर फैक दिया। मुझे उम्मीद है कि हरियाणा की जनता भविश्य मे ऐसे नेताओ को सत्ता मे नही आने देगी। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा राज की ये लोग बात करते है कि मौजूदा सरकार

कुछ नही कर रही है। मै इस राज के बारे मे इनको बताना चाहता हू कि इस राज मे लोग दिन दुगुनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे है और इस सरकार के होते हुए तरक्की के हर काम होते रहेगे। इस राज मे हरेक व्यक्ति को पूरा पूरा हक मिल रहा है। किसी की दुकान नही लुटती, जैसा कि इनकी पिछली सरकार के वक्त मे होता था। प्लाटो पर कब्जे नही किये जाते जैसा कि इनके राज मे होता था। किसी वह बेटी की इज्जत नही लुटी जा रही लेकिन इनके राज मे तो क्या कुछ नही होता रहा है। जिसको सारा प्रदे ा तो क्या सारी दुनिया जानती है कि इनके राज मे कितना अन्धेर मचा हुआ था। मै डिप्टी स्पीकर साहब, क्या बताऊ रोहतक के अन्दर सर छोटूराम पार्क के पास, दिन के 11 बजे मेरी बेटियो की कपडे उतर कर इज्जत लूटी गई, उनकी बुरी तरह से बेइज्जती की गई। लेकिन उन बदमा ाो के खिलाफ इनकी सरकार ने कोई कार्यवाही नही की। उन गुण्डो को गिरफतार नही किया गया क्योकि उन गुण्डो को इनकी सरकार का पूरा पूरा प्रोत्साहन था। उन गुण्डो के पीछे इनकी सरकार का पूरा हाथ था लेकिन आज वह वक्त इस सरकार के होते कभी नही आने वाला है। हर आदमी हर बहु बेटी इस राज मे पूरी तरह से सुरक्षित है।

श्री सतबीर सिह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मक्कड साहब रोहतक का जिकर कर रहे है। भराई के अन्दर जो पुलिस की ज्यादतिया हुई है उन लोगो के खिलाफ इनकी सरकार ने क्या कोई कार्यवाही की है? उन पुलिस

कर्मचारियो के खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही नही की गई। तो फिर ये किसी मुह से अपनी सरकार की तारीफ कर रहे है? हम इनकी बात से सहमत है कि सरकार ने कोई कार्यवाही की ही नही। इसी तरह से सर्कुलर रोड रोहतक के अन्दर महिलाओ के साथ गुण्डो ने दुर्व्यव्हार किया। यह है कि इनकी सरकार को राज जिसमे उन बदमा ाो के खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही नही की गई पता नही मक्कड साहब किस मुह से अपनी सरकार की तारीफ मे जुटे हुए है? जो भाशा इनके लीडरो ने इनको पढा दी है, उसी भाशा मे ये बोल रहे है। इनका कोई कसूर नही है। ये तो एक पिजरे मे बन्द है और जो हुकम होता है वैसा ही करते है। (ाोर)

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, भराई की तो इसमे कोई बात नही है। और न ही मै कोई मत्री हू। मै तो एक एम0एल0ए0 हू। इनकी अगर कोई ि ाकायत है तो सरकार को लिखे। मै रोहतक के अन्दर इनके गुण्डो की ज्यादतियो का जिकर कर रहा था। इसके साथ ही हिसार के अन्दर कि ान लाल नाम के लडके को दिन दिहाडे कत्ल कर दिया गया लेकिन उस कातिल के खिलाफ किसी भी प्रकार का कोई केस रजिस्टर नही किया गया और न ही कोई गिरफतारी ही की गई। इसी तरह से हांसी के अन्दर कि ानलाल खण्डेलवाल नाम के आदमी को मरवाने मे वहा के एम0एल0ए0 का हाथ था। उस एम0एल0ए0 ने अपना नाम एफ0आई0आर0 मे से कटवाने के लिए एस0पी0 को

चार लाख रूपये दिये और कहा कि मेरा नाम एफ0आई0आर0 मे से काट दो। चूकि भाहर मे इस मामले की हडताल हो गई थी और लोगो का पूरा दबाव था। पब्लिक के दबाव मे एस0पी0 उस एम0एल0ए0 का नाम एफ0आई0आर0 मे से काट न सका। उनके बाद एम0एल0ए0 ने सी0एम0 साहब की ि ाकायत की कि इस एस0पी0 ने मेरे से चार लाख रूपये रि वत के तौर पर ले लिये है और मेरा नाम भी एफ0आई0आर0 मे से नही निकाला। सी0एम0 ने उस एस0पी0 को बुलाय और पूछा कि क्या तुमने रि वत ली है? उसने कहा कि हां। उस एस0पी0 ने कहा कि तीन लाख तेरे बडे बेंटे को दिये है और एक लाख लेकर के आया हू। वह आप छोटे को दे दो। (ाोर) तब उस एस0पी0 को सी0एम0 ने ससपैन्उ कर दिया लेकिन थोडे ही दिनो के बाद उनके साहबजादे ने उस एस0पी0 को बहाल करवा दिया।

श्री कृश्ण लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। श्री महाबीर सिह बाल्मीकि गाव साहपुर जिला जींद का रहने वाला था। 30 अक्तूबर 1992 को उसका कल्त हो गया और बाल्मीकी समुदाय के लोगो ने कातिलो को गिरफतार करने की आवाज उठायी तो वहा के प्र ाासन ने लोगो की आवाज को दबा दिया और लोगो की पिटाई की। जींद मे वित मंत्री महोदय से भी बाल्मीकि समुदाय के लोग मिले लेकिन फिर भी उन लोगो को किसी प्रकार की कोई मदद नही मिली। महाबीर का पोस्टमार्टम जींद मे होने दिया गया बल्कि बाद मे रोहतक के सिविल

हास्पीटल के पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद प्रोटैस्ट के तौर पर सारे प्रान्त के बाल्मीकि लोगो ने प्र ाासन और सरकार के खिलाफ आवाज उठायी कि कातिलो को गिरफतार किया जाए। तो फिर ये किस तरह से अपनी सरकार की तारीफ कर रहे है। (ाोर)

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, मै कोई मंत्री तो नही हू। मै तो एक एम0एल0ए0 हू मुझे ये क्या कर रहे है। सरकार को लिखो, सरकार ही इनकी बात का उतर दे सकती है। (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जो बात मै जानता हू उसके बारे मे मै अपी बात कहूगा। उस एस0पी0 को सस्पैड किया गया लेकिन उनके बडे साहिबजादे ने उसको बहाल करवा दिया। इसी तरह से आज ये पुलिस भर्ती का जिकर करते है लेकिन आज उस वक्त के होम मिनिस्टर भूल गए है कि जब भाुरू मे इन्होने भरती की थी तो उस वक्त चीफ मिनिस्टर ने रेडियो पर कहा था कि भर्ती मे बहुत हेरा फेरी हुई है। उस बात को देखते हुए इन्होने अपने पद से अस्तीफा दिया था लेकिन बडे साहिबजादे ने बम्बई से टैलिफोन करके इनका अस्तीफा वापिस करवा दिया। क्या यह कोई छोटी बात है? ये लोग आज ऐसी बाते करकें हाउस और जनता को गुमराह कर रहे है। ये सारी बाते उस वक्त के रिकार्ड मे है जो आज भी देखी जा सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब ये बाते मै इसलिए बता रहा हू कि ये हाउस मे गलत आरोप लगा कर खाली चीफ मिनिस्टर साहब को बदनाम करना चाहते है।

हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जो 36 जातियो को प्यार करते है और उनके मन मे किसी के प्रति द्वेश नही है । ये लोग झूठे इलजाम लगा कर हाउस का टाइम खराब कर रहे है। भाोर। ये कहते है कि अचीवमैट बताओ। हमने गांव गाव मे स्कूल खोले है जगह जगह पर जल मार्ग पक्के हो रहे है और हस्पातल गांव गाव मे बन रहे है। जो सडक टूट गई थी उन सब की मुरम्मत हुई है। हर जगह का विकास कार्य हो रहे है इससे बडी सरकार की अचीवमैट क्या हो सकती है। आप लोगो का तो यह काम था कि किसी के प्लाटो पर कब्जा कर लिया या दुकानो पर कब्जा कर लिया और किसी को थप्पड मार कर चले आए। डिप्टी स्पीकर सहाब, सोनीपत मे एक दर्जी को इनके किसी आदमी ने कपडे सीने के लिए दिए। कपडे सीने के बाद जब दर्जी ने पैसे मागे तो वह आदमी कहने लगा कि पैसे ताऊ देगा।

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, ये एड्रैस पर बोल रहे है या और किसी बात पर बोल रहे है। इनकी बात का कोई मतलब समझ नही आ रहा है गवर्नर एड्रैस पर तो ये एक भाब्द भी नही बोले ये तो पिछली सरकार पर झूठीर बाते थोप रहे है। (ाोर)

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, इनको यह भी नही पता कि यहा पर किसी ढग से बोलना चाहिए। जो बाते मैने कही है वे अखबारो मे भी छपी है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है अखबारो मे तो यह भी छपा था कि 1982 मे आदरणीय साथी चौधरी देवी लाल के पैरो मे पड कर उनके गीत गाते रहे। ये एक साल तक तेजा खेडा फार्म मे उनका रा ान खाते रहे। उसके बाद चौधरी भजन लाल से पैसे खा कर उनके साथ मिल गए। इनको भजन लाल के गीत गाने की बजाए गवर्नर ऐड्रैस पर कुछ कहना चाहिए। (ाोर)

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, मै बताना चाहता हू कि 1982 मे जब चौधरी चरण सिंह ने मुझे टिकट दिया था तो चौधरी देवी लाल ने खुल कर मेरी मुखालफित की थी लेकिन लोगो ने उनको ठीक जवाब दिया। (ाोर) इनकी बातो का जवाब देना मेरा फर्ज बनता है। जब मै चौधरी देवी लाल की मुखालफ्त के बाद चुन लिया गया और चण्डीगढ पहुचा मै औन ओथ कहता हू तो चौधरी देवी लाल जी ने मुझे अपने कमरे मे बुलाया और कहा कि मैने आपकी मुखालफ्त की है, क्योकि मुझे कुछ लोगो ने बहका दिया था। (ाोर)..... मुझे अपने कमरे मे बुलाकर कहते है कि भजन लाल पैसे दे रहा है तो पैसे ले लेना लेकिन उसकी वोट बदलनी है। (ाोर) उन्होने मुझे कहा कि आप भजन लाल के साथ चले जाए और उसको वोट न देना लेकिन आप भजन लाल से पैसे ले लेना। यदि आपको पैसे नही चाहिए तो मेरे पास पैसे दे देना। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः मक्कड साहब, आप गवर्नर ऐड्रैस पर ही बोलिए।

श्री अमीर चन्द मक्कडः उपाध्यक्ष महोदय, अभी इस भाोर के अन्दर इन्होने मेरे मकान का जिकर किया। मैने अपने मकान की री मोडलिंग विधान सभा के लोन लेकन की है। मेरे खिलाफ चौधरी सम्पत सिह ने तीन बार विजिलैस से इन्कवायरी करवाई लेकिन उसमे कुछ नही मिला। (ाोर) इतना ही नही इन लोगो ने मेरे लडके के खिलाफ 302 का केस बनाया। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, सै ान जज ने मेरे लडके को बाइज्जत बरी किया और कहा कि जानबूझकर झूठा केस बनाया गया है। (ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै जो बात कर रहा हू वह बिल्कुल ठीक है और कोई ऐसी बात नही है।(विघ्न एवम ाोर) इस समय जो बात मैने कही है वह ठीक है। (विघ्न एवम ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके गुजारि ा करता हू कि आप इन लोगो को बिठाए। (व्यवधान एवम ाोर)

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए एक साथ खडे हो गए)

प्रो0 छतर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। एक इन्डिपैन्डैन्ट एम0एल0ए0 को बोलते हुए 40 मिनट हो गये है इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि हम सब को भी इसके मुताबिक बोलने का टाईम दिया जाए।

श्री अमीर चन्द मक्कडः डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय गवर्नर महोदय ने अभिभाशण मे स्टेट का बहुत अच्छा नक ाा रखा है। हरियाणा एक छोटी सी स्टेट है इसलिए मेरी सब से प्रार्थना है कि इस स्टेट मे सभी मे भाईचारा रहना चाहिए। जो लोग आरेप प्रत्यारोप लगा रहे है वे ठीक नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, इन भाब्दो के साथ मे इस अभिभाशण का समर्थन करता हू। आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू तथा अपना स्थान ग्रहण करता हू।

श्री राम पाल सिह कवर (घरौण्डा): डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले मेरी आपसे से प्रार्थना है कि मेरे जो दूसरे साथी है वे मुझे बीच मे डिस्टर्ब ने करे और जब उनकी बारी आए, तब वे अपनी बारी पर बोले। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने इस हाउस को जो ऐड्रैस किया है उस पर धन्यवाद का प्रस्ताव मुलाना साहब ने रखा है और श्री बिसला जी ने उसका अनुमोदन किया है, मै इस का अनुमोदन करने के लिए खडा हुआ हू। गवर्नर साहब ने जो ऐड्रैस पढा है उसमे उन्होने वर्श 1993–94 के ऐनुअल प्लान मे जो प्रवाधान किये है, उनका जिकर किया है। (विघ्न) यह बात ठीक है कि हरियाणा की वर्तमान सरकार लोगो की तरक्की के लिए काम कर रही है, इसलिए चाहे वह किसी भी डिपार्टमैट का काम क्यो न हो, उस को आगे बढाने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले साल के मुकाबले इस दफा ऐनुअल प्लान मे 15.6 प्रति ात की बढौतरी की गई है। जो बढौतरी हुई है, वह

हरेग डिपार्टमैट के बारे मे होगा। ऐग्रीकल्चर, इरिगे ान, ऐजुके ान आदि कोई भी डिपार्टमैट ले लीजिए, इनमे कई प्रकार के कार्य प्रगति पर है और मै इनकी सराहना करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, यह जो अपोजी ान मे बैठे है इनकी जब सरकार थी तब कोई भी तरक्की का काम हरियाणा के अन्दर नही हुआ है। यहा तक कि मै अपने वक्त मे जो सडक बना कर गया था उसकी रिपेयर तक ये लोग नही करवा सके। रिपेयर या नई सडके तो क्या बनवाती थी ये लोग तो उन सडको को तोडने मे लगे रहे।

उपाध्यक्ष महोदय, इसमे इरिगे ान के बारे मे जिकर आया है। हमारी सरकार का हमे ाा यह प्रयास रहा है एस0वाई0एल नहर जल्दी से जल्दी बने। परन्तु इन लोगो ने उस जल्दी से जल्दी बनवाने मे सहायता तो क्या करनी थी, बल्कि हर बात का क्रीटिसिज्म ही करते रहे कि यह नीचे हुआ है, वह नही हुआ है। मै इनसे पूछता हू कि जब इनकी सरकार थी तो इन्होने क्या किया? इनके वक्त मे उसका एक इंच भी काम नही हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी गवर्नमैट की हमे ाा यह कोि ा ा रही है कि यह काम जल्दी से जल्दी पूरा हो। उपाध्यक्ष महोदय, बजाय इसके किये उसमे कुछ अच्छा काम करे, ये कोई न कोई अडगा डालते रहते है। इन्हे तो चाहिए कि वे कुंछ कक्रीट प्रोपोजल दे। ये लोग कहते है कि हमने लोगो के हित की रक्षा नही की। कई बार कह देते है कि फलाना जमीन पर कब्जा कर लिया कभी कुछ कहते है कभी कुछ कहते है। मै इनसे पूछना चाहता हू कि क्या ये

अपना टाईम याद दिलाना चाहते है.? मै इसके नही बल्कि हजारो उदाहरण दे सकता हू, परन्तु मै कन्ट्रोबर्सी मे नही पडना चाहता। (ाोर एवम व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, ये बीच मे टोका टाकी न करे। जब इनकी बारी आए तो ये बोल ले। हमारी सरकारी की तरफ से लोगो की भलाई का काम किया जा रहा है। परन्तु कुछ बाती पर मै सुजै ान देना चाहता हू। बुढापा पै ान, वुमैन अपलिफ्टमैट और अपलिफ्टमैट आफ ि ाडयूल्डकास्ट एंड बैकवर्ड क्लासिज के बारे मे खूब अच्छी तरह से ऐड्रैस मे बताया गया है। उनकी भलाई का काम हो रहा है। इसी तरह से जो वुमैनज के लिए फ्री ऐजुके ान कर दी गई है और साथ ही उनकी टैकनीलक ऐजुके ान भी फ्री कर दो है, इसके लिए हरियाणा सरकार काबिले तारीफ है और यह सरकार की बहुत बडी उपलब्धि है। इसमे वुमैन सैल की बहुत बडी सराहना की गयी है। जब तक हमारी औरते ि ाक्षित नही होगी, तब तक कुछ भी नही होगा क्योकि औरत अगर ि ाक्षित नही होगी, तब तक कुछ भी नही होगा क्योकि और तर अगर ि ाक्षित नही होगी, तब तक कुछ भी नही होगी क्याकि औरत अगर ि ाक्षित होगी तो वह एक साथ दो फैमिलोज को फायदा पहुचायेगी। एक तो वह जहा पर कि वह पैदा हुई है और दूसरे वहा जहा विवाह के प चात वह जाती है इस ी तहस दोनो फैमिलीज के उत्थान के लिए यह बहुत कडा कार्य मुख्यमंत्री जी ने किया है। यह काम सराहना करने योग्य है लेकिन पता नही क्यो आपोजी ान के भाई, जो सराहना की बात है, उसकी सराहना नही करते। वे दूसरी बातो मे हाउस का सारा समय खराब करने

मे लग जाते है। मै उनसे प्रार्थना करूगा कि जो सरकार ने अच्छे काम किये है, वे तो हाउस का समय फजूल बातो मे खराब करते है जिनसे न तो लोगो का भला होता है और न किसी और का। डिप्टी स्पीकर साहब, ऐग्रीकल्चर के बारे मे सन फलावर के बारे मे आज एक कालिंग अटै ान मो ान आया और मंत्री जी ने उसका जवाब भी दिया है। उसके अन्दर यह साफ लिखा है कि हरियाणा प्रदे ा सनफलावर की प्रोडक ान के मामले मे इण्डिया मे सैकण्ड प्राइज लेकन आया है, यह सराहना की बात है। इसके अलावा, आयल, सीड, सोयबीन, राजमांह और दूसरी खेतियो का, जिनसे किसानो को ज्यादा से ज्यादा पैसा मिल सकात है, का जिकर किया गया है।

डा0 राम प्रका ा: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मै इनसे यह जानना चाहता हू कि हरियाणा की झांकी न0 2 पर आयी है या उत्पादन के लिए हरियाणा नम्बर दो पर आया है?

Mr. Deputy Speaker: Are you sepaking form your seat?

Dr. Ram Parkash: No, Sir.

Mr. Deputy Speaker: If you want to speak then please go to your own seat.

डा0 राम प्रका ा: अच्छा सर, मै अपनी सीट पर से बोल लेता हू। मै इनसे पूछना चाहूगा कि हरियाणा की झाकी न0

2 पर आयी है या हरियाणा प्रोडक ान के लिए न0 2 पर आया है? मेरा प्वायट क्लीयर है। मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण ने अपने प्वायट का रैफ्रेस दे रहा हू। माननीय सदस्य ने कहा है कि हरियाणा न0 2 पर आया है। पेज 6 पर कहा है ''राज्य के लिए यह गर्व की बात है कि नई दिल्ली मे गणतंत्र दिवस की परेड मे हरियाणा मे सूरजमुखी की का त की पीतक्रान्ति को द ार्ाने वाली हरियाणा की झाकी को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ'' इसके मुताबिक झांकी का पुरस्कार है न कि प्रोडक ान का।

श्री राम पाल सिंह कंवरः डिप्टी स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य से पूछना चाहूगा कि वह मंत्री भी रहे है कि वह झांकी सन फलावर की थी या बीज की थी? वह कैसे इस बात को भूल गये कि जो झांकी प्राइज लेकर आयी है वह सन फलावर की थी?

डा0 राम प्रका ाः डिप्टी स्पीकर साहब, एक इनाम झांकी का होता है, उसके डिजायन का होता है और एक पैदावार का होता है।

श्री उपाध्यक्षः आप कुवंर साहब को बोलने दे।

श्री राम पाल सिंह कंवरः डिप्टी स्पीकर साहब, मै ऐग्रीकल्चर के बारे मे जिकर कर रहा था। हरियाणा मे काफी चर्चा चल रही है कि बिजली के रेट्स बढा दिये, डी0ए0पी0 के रेट्स बढा दिये, जिससे किसानो को बडा भारी नुकसान हो गया और

इस बात को लेकर ऐजीटे ान भी चलाये जा रहे है। मै अपने उन साथियो से पूछना चाहूगा कि क्या उन्होने कभ इस बात का भी हिसाब लगया है कि जब बिजली के रेट्स को लेकर किसानो ने ऐजीटे ान किया था तो मुख्यमंत्री जी ने किसानो के नेताओ को सै ान के दिनो मे बुलाकर उनसे एक ही बात कही थी कि अगर हरियाणा मे दूसरे स्टेटो से ज्यादा बिजली के रेटस होगे तो हम उनको कम कर देगे। लेकिन उसके कुछ ही समय बाद हिन्दुस्तान की सराकर ने सभी स्टेटो मे बिजली के यूनिटस के रेटस बराबर करने के आदे ा कर दिये। मै यह नही समझ पाया कि फिर ऐजीटे ान क्यों किए जा रहे है? इतना ही काफी नही है, अब वे लोग कर रहे है कि भाराब बंद करो। जब उन्हे उसमे कामयाबी नही मिली तो अब यह नारा देने लगे कि भाराब बंद करो। मै मानता हू कि भाराब अच्छी चीज नही है लेकिन किसी भ ऐजीटे ान को चलाने क लिए प्रजातन्त्र के अन्दर कई तरीके बन हुए है, कुछ नार्म्ज होते है और उन्हे नार्म्ज के हिसाब से आप मैमोरेन्डम दे सकते है, ऐजीटे ान कर सकते है, धरने पर बैठ सकते है। लेकिन यह कहा लिखा हुआ है कि अगर एक भले आदमी से कोई गल्ती हो जाए तो उसको कहे कि वह घघरी पहने और गली मे झाडू लगाए? इस प्रकार से किसानो यूनियन वालो ने पाई गांव के अंदर एक सरपंच को इतना मजबूर कर दिया है कि उसे आत्महत्या करनी पडी। उसने यहा तक कहा कि मुझसे गल्ती हो गई है, मुझसे जों जुर्माना लेना चाहे, ले सकते है, लेकिन उसको मजबूर किया कि आपको पहले यह काम करना पडेगा।

भार्म के मारे बचारे को आत्महत्या करनी पडी। यह तो तरीका है, इसको मै कडम करता हू। और उनको यह सलाह देता हू कि अगर आपने भाराब बंदी करवानी है तो प्रजातन्त्र के अंदर तरीके है वे अपनाइए, किसी को क्या एतराज हो सकता है? मेरा जो यह मानना है कि भाराब बन्दी कभी किसी प्रचार या दबाव से बन्द नही हो सकती। पीने वाला पीना बन्द नही कर सकता, जब तक कि उसको उसको उससे नफरत न हो जाए। मै इस सिलसिले मे निर्सिग कांड के बारे मे क्या कहू, कहने वाले बहुत बैठे है। मै तो खुद निसिग मे हू। उनको एडमिनिस्ट्रे ान की तरफ से यह कहा गया था कि आप 6 तारीख को रैली कर लो। 8 तारीख को अपनी कान्फ्रैस कर लो, रैली कर लो, जलसा कर लो, मै मना नही करता लेकिन 8 तारीख को उन्होने बजाय जलसा करने के, जंहा हमारी पार्टी का जलसा हो रहा था, मुख्यमंत्री जी गए हुए थे, उसको डिस्टर्ब करने के लिए कोि ा ा की। लाउडस्पीरकर बजाए गए और जब यह कहा गया कि लाउडस्पीकर बन्द कर दो तो उन्होने ईट पत्थर मारने भाुरू कर दिए, मै मौके पर था। आप मौके पर नही थे, इसलिए आप ठीक बात को नही जान सकते। एक बार नही मुख्यमंत्री जीने बार बार यह कहा कि गोली का इस्तेमाल मत करना। लेनिक अगर चार आदमी दारू पीकर के डी0सी0 और एस0पी0 पर हमला करे और कहे कि इनको जान से मार दो तो एडमिनिस्ट्रे ान कैसे चलेगा आप मुझे बताइएगा? यही नही और आगे जाता हू। आज लोग भाराब बन्दी की बात करते है, उस दिन निसिंग के ठेके पर क्या हुआ? ठेके पर जाकर देख लीजिएगा। 40

हजार रूपये की भाराब बिकी। किसने पी, किसने खरीदी, यह उनसे जाकर पूछिये जो एजीटे ान कर रहे थे मुझसे क्यो पूछ रहे है? इसके अन्दर मै एक बात जरूर कहूगा और यह डाक्टरी रिपोर्ट मे भी आया है। चालीस हजाजर रूपये की भाराब निसिंग मे जिन्दगी मे नही बिकी, और न आगे बिकेगी। मैडीकल रिपोर्ट उनकी आई है। जो भाहीद बनना चाहते है, उनकी मैडीकल रिपोर्ट मे है कि उन्होने भाराब पी हुई थी। आप रिपोर्ट निकलवाकर देख लीजिए और मुझे यह पता है कि माजरा गांव का जो आदमी था, उसके पास कितने लैन्डिड प्रौपटी रही है। मै 1962 से 1967 तक पून्डरी क्षेत्र से एम0एल0ए0 रहा हू। मुझे यह पता है कि वह कितना बडा किसान है, उसके कितने टयूबवैल है कितने बिजली के बिल पे करता है, कितने नही करता है।

श्री उपाध्यक्षः रामपाल सिंह जी, आपका समय समाप्त हों गया है, अब आप खत्म कीजिए।

Prof Chhattar Singh Chauhan: Sir, I am on a point of order (Interruption)

Shri. Ram Pal Singh Kanwar: Sir, I am addressing the Chair, I am not addressing these people. Why do you want to divert my attention?

Mr. Deputy Speaker: What is your point of order?

Prof. Chhattar Singh Chauhan: I am addressing the Chair, I am not addressing these people, what do you mean by these people? कम से कम बात ठीक तो बोले।

श्री रामपाल सिंह कंवरः आप मास्टर जी रहे है न स्कूल मे। आपकी तरफ से यह कोि ा ा हो रही है कि मुझे भी पढाये लेकिन मै बहुत पहले पढ चुका हू।

श्री उपाध्यक्षः कुवर साहब, आपस मे न उलझिए।

श्री रामपाल सिंह कवंरः डिप्टी स्पीकर साहब, मै बता रहा था कि फरल के अंदर, जिस व्यक्ति की टांग मे गोली लगी है उसका ताऊ मेरा वर्कर होता था। उस बेचारे की कोई औलाद नही थी अकेला था उसकी जमीन को जल्दी से हथियाने के लिए, वो टयूबवैल पर सोया पडा था, इस लडके ने जाकर अपने ताऊ की कस्सियो से काट डाला। आज जिसको ये लोग नेता बना रहे है, ऐसे भी आदमी किसान यूनियन मे काम कर रहे है। उनको मान सम्मान देते है तो बताइए कि ऐसे आदमी इनके कार्यकर्ता है? वे क्या भला करेगे किसी का? डिप्टी स्पीकर साहब, मै एग्रीकल्चर कें बारे मे कह रहा था। अब मै गन्ने के बारे मे कुछ कहना चाहता हू। हमारे हरियाणा मे अन्दर इस दफा गन्ने की का त काम हुई है। उसके अन्दर कई फैक्टर्ज रह है, उनमे से एक फैक्टर यह भी है कि केन मैनेजर्ज जो भाूगर मिल्ज मे बैठे हुए है, वे लापरवाही करते है। उनकी हठधर्मी की वजह से हमारे किसान मजबूर हो जाते है कि गन्ने की खेती न करे। पिछले साल, मुख्यमंत्री महोदय को याद होगा, उन्होने कैथल भाूगर मिल के केन मैनेजर को कांटा ि ाफट करने के लिए कहा था। ऐसा इसलिये किया गया था क्योकि हमने इस बारे मे रिक्वैस्ट की थी कि मेरा अपना गांव

है, वहा पर यहा कांटा ि ाफट किया जाये। लेकिन वहा कांटा आज तक भी वहा पर ि ाफट नही हो सका हैं वह केन मैनेजर हेरा फेरी करता रहा। मै सी0एम0 साहब ने यह कहूगा कि उन्होने जो पिछले साल आदे ा दिया था, उसकी अब तक पालना नही हुई है, उसकी पालना अव य होनी चाहिये और उस व्यक्ति की गलती की वजह से जो नुक्सान हुआ है, उसको सजा जरूर दी जाये। इस वजह से गवर्नमैट को गन्ना पूर नही मिल सका। इस बारे दूसरी स्टेटस से गन्ना खरीदना पडा। मै चाहूगा कि भविश्य मे ऐसी नौबत न आये और किसानो को प्रोत्साहन मिले। गन्ना बीजने के लिये किसानो को प्रोत्साहन मिले और इसकी पैदावार ज्यादा हो ताकि दूसरी स्टेटस से हमे गन्ना व खरीदना पडे, इस बात की और से भी सरकार को ध्यान देना चाहिये।

अब मै इरीगे ान के बारे मे भी कुछ कहना चाहता हू। इरीगे ान सिस्टम हमारे यहा पर तीन बने हुए है। हरियाणा के अन्दर एक तो भाखडा सिस्टम है, एक यमुना सिस्टम है और एक गुडगाव सिस्टम है। इसके अन्दर पानी की जो बाराबन्दी की जाती है, उस बाराबन्दी का सिस्टम यह है कि भाखडा सिस्टम के तीन ग्रुप्स बने हुए है। यमुना सिस्टम के 4 ग्रुंप्स है और गुडगांव के भी चार ग्रुप्स बने हुए है। इस वजह से दो ग्रुप्स मे तो एक महीने मे केवल एक हफता ही पानी मिलता है लेकिन एक मे एक महीने मे 22 दिन तक पानी मिलता है। यमुना और गुडगांव वाले सिस्टम मे तो महीने मे केवल एक ह फ्ता ही पानी मिलता है लेकिन

भाखडा वाले सिस्टम मे एक महीने मे 22 दिन तक पानी मिलता है। इसलिये मै मुख्यमंत्री महोदय से यह कहूगा कि स्टेट मे जितना भी पानी अवेलेबल है, उसको सारे इलाको मे बराबर दे। जितना भी पानी अवेलेबल हो, उसकी बराबर हिस्सो मे बाटा जायें। जब हम महकमे वालो से इस बारे मे पूछते है तो वह कहते है कि भाखडा से पानी को लाने के लिए हमारे पास कोई चैनल नही है। मै इस बारे मे यह बताना चाहूगा कि नरवाना ब्राच मे भाखडा के पानी को यमुना एरिया मे लाने के लिए एक स्कीम ऐप्रुव हुई पडी है। पजाब गवर्नमैट और हरियाणा गवर्नमैट का डिसीजन हुआ पडा है मै प्रार्थना करूगा कि उस सिस्टम मे पानी लाने के लिए नरवाना ब्रांच पर जल्दी से जल्दी काम भाुरू किया जाये ताकि भांखडा का पानी यमुना के एरियाज मे, जहां पानी की कम सप्लाई की जाती है, पूरा किया जा सके। इस वजह से लोगो मे रिजैन्टमैट बहुत ज्यादा है। यह जो जोन वाईज सिस्टम चल रहा है यह खत्म होना चाहिये।

अब मै डीसल्टिग के बारे मे कुछ कहना चाहूगा। वैसे तेा इस बारे मे बहुत कुछ कहा जा चुका है लेकिन मै इस बारे मे केवल इतना ही कहूगा कि भाखडा मेन लाईन की डिसिल्टि होना बहुत ही जरूरी है। आज तक उस नहर की कभी भी डिसिल्टिग नही हुई है जितना पानी उस चैनल मे बहकर हमारे यहा पर आना चाहिये, यह पूरा नही आ रहा है। इसलिये मै नेहरा साहब से यह प्रार्थना करूगा कि भाखडा मेन लाईन की डिसिल्टिग का काम वार

फुटिग पर कराकर उस चैनल को साफ किया जाये ताकि किसानो को इरीगे ान की पूरी फैसिलिटी मिल सके और प्रदे ा मे ज्यादा पैदावार बढ सके। (घंटी) अभी तो मैने काफी प्वायट पर बोलना है।

श्री उपाध्यक्षः आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गये है अब आप वाईन्ड अप करे।

श्री राम पाल सिंह कवरः उपाध्यक्ष महोदय, ठीक है। इसी तरह से मै यह कहना चाहता हू कि जो पक्की खाले बन चुकी है, उनका रख रखाव डिपार्टमैट नही कर रहा है। उसका नुकसान किसानो को हो रहा है। जहा कही पर खाले टूट जाती है, उनकी रिपेयर नही होती। डिपार्टमैट इस बारे मे कुछ करता नही है। खालो की रिपेयर नही होती। इसलिये मै यह प्रार्थना करना चाहूगा कि इस बारे मे चिन्तन किया जाये और इन पक्के खालो के रख रखाव का काम डिपार्टमैट को दिया जाए अगर गांव की सोसायटीज को इनका इन्तजाम देगे तो उनके लिए यह पौसीबल नही है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि खालो के रख रखाव का काम डिपार्टमैट को दिया जाए।

अब मै ड्रेनेज के बारे मे कहना चाहता हू। एच0एस0टी0ए0सी0 ने कुछ स्कीम्ज एच0एस0एफ0सी0वी0 की मीटिग मे डिस्कस करने के लिए भेजी थी जो कि बोडे ने ऐप्रुव करनी थी लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि

करनाल की मेरे एरिया की तीन स्कीम्ज बोर्ड ने मन्जूर नही की। ये तीन स्कीम्ज है कुडा कंला कौम्पलैक्स की स्कीम, मुस्तफाबाद कौम्पलैक्स की स्कीम और बलहेरा कौम्पलैक्स की स्कीम। ये तीनो स्कीम्ज मन्जूर नही की गई। इस दफा बारि ा ज्यादा नही हुई थी इसके बावजूर करनाल के अन्दर बाढ आई। आप सोनीपत और आगे की स्कीम्ज बे ाक मन्जूर कर दे, हमे कोई ऐतराज नही है लेकिन अगर जमुना नदी करनाल या अम्बाला मे टूट गई तो आधा हरियाणा डूब जाएगा। आज जरूरत इस बात की है कि जहां से पानी का बहाव है, वहा पर प्रायरिटी देकर वहा की स्कीम्ज को मन्जूर करना चाहिए। जो तीन स्कीम्ज मै सरकार के नोटिस मे लाया हू उनको प्रायरिटी देकर उन पर काम भुरू होना चाहिए। श्री वीरेन्द्र सिंह ने कहा था कि हमारे समय मे हरियाणा मे चौबीस घंटे बिजली दी जाती थी। डिप्टी स्पीकर साहब, मै उनको याद दिलाना चाहता हू कि चौधरी देवी लाल और चौधरी औम प्रका ा के टाईम मे असन्ध के एरिया मे हर पैडी के सीजन मे धरने दिए जाते थे क्योकि बिजली उन दिनो केवल छ घटे सप्लाई होती थी। छ घटे से ज्यादा बिजली कभी सप्लाई नही हुई। मै मुख्यमंत्री जी के नोटिस मे लाना चाहता हू कि असन्ध मे 132 के0बी0 का सब स्टे ान चालू किया है और उसके अन्दर असन्ध और जलमाना का एरिया आना चाहिए। वह सब स्टे ान हमारे यहा से तीन किलोमीटर पर है लेनिक उस सब स्टे ान से हमारा एरिया नही जोडा गया है। पचास किलोमीटर तक के दूसरे एरियाज उस सब स्टे ान से जोडे गए है। कितने अफसोस की बात है कि हमारे

यहा से तीन किलोमीटर पर 132 के0वी0 का सब स्टे ान हो और हमे उससे बिजली न मिले। असन्ध के एस0डी0ओ0 ने लिखकर भेजा है कि तीन ट्रासफर 6 एम0वी0ए0 के दे दिए जाए ताकि मै पूरी बिजली सप्लाई कर सकू। उसने यह भी कहा है कि अगर उपलाना मे 33 के0वी0 का सब स्टे ान और जलवाना मे 132 के0वी0 का सब स्टे ान नही बनाया गया तो वह पूरी लाइट नही दे पाएगा और गर्मी के सीजन के अन्दर बडी भारी परे ाानी हो जाएगी। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि उस इलाके मे बिजली देने को कोई प्रावधन जल्दी कीजिए।

डिप्टी स्पकीर साहब, अब मै हैल्थ के बारे मे कहना चाहता हू । डिस्पैन्सरीज चाहे से वैटरनरी डिस्पैन्सरीज है या आदमियो के लिए है, वे खाली है। वहा पूरा स्टाफ नही है। मै सरकार से चाहूगा कि जब तक उन डिस्पैन्सरीज मे डाक्टर्ज पर्याप्त मांत्रा मे नही भेजे जाएगे, वहा पर पूरा स्टाफ नही होगा तो जो फायदा सरकार लोगो को पहुचाने चाहती है वह लाभ लोगो को नही मिल पाएगा। इसलिए मेरी सरकार से दुबारा प्रार्थना है कि इन डिस्पैन्सरीज मे चाहे वे वैटरनरी डिस्पैन्सरीज है या आदमियो के लिए है, वहा स्टाफ पूरा होना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै एजुके ान के बारे मे कुछ कहना चाहूगां। पिछले साल सरकार ने कुछ स्कूल्ज को अपग्रेड किया है। बडी अच्छी बात है। अगले साल का मुझे पता नही कि स्कूल अपग्रेड होने है या नही। लेकिन जो स्कूल्ज पहले अप ग्रेड

किये गये है उनमे स्टाफ की कमी है। इसलिये मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि जिन जिन स्कूलो मे स्टाफ की कमी है वहा पर सरकार को जल्द से जल्द स्टाफ भेजने का प्रबन्ध करना चाहिये ताकि बच्चो की पढाई पर किसी भी प्रकार का कुप्रभाव न पडे। यह नही होना चाहिये कि 500 बच्चे पढने वाले हो और मास्टर केवल चार ही हो और फिर इतने बच्चो की सम्भालना मु कल हो जाए। ऐसी दिक्कतो की और सरकार को वि ोश तौर पर ध्यान देना चाहिये।

इससे आगे डिप्टी स्पीकर साहब, मै रोडज का भी जिकर करना चाहूगा। डांगी साहब पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर है। मै उन से कहूगा कि रोडज की सारी प्रान्त के अन्दर रिपेयर्ज बहुत ही कम हुई है। खासतौर पर हमारे इलाके मे सडको की हालत बहुत खराब है। अतः मेरी रिक्वैस्ट है कि जिन सडको की मुरम्मत बकाया रह गई है, उन का काम 31 मार्च तक अव य पूरा करवाया जाए ताकि लोगो को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इसके साथ साथ मै रिटेनिंग वाल्ज का भी जिकर करूगा कि डांगी साहब इस और भ वि ोश ध्यान देवे ताकि आगे आने वाली दिक्कतो को दूर किया जा सके।

लोक निमार्ण मंत्री (श्री आन्नद सिंह डांगी): रिटेनिंग वाल्ज बनाने का काम पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग का नही है बल्कि यह काम पचांयत विभाग का है।

श्री राम पाल सिह कंवरः डांगी साहब, सडको के साथ जो तालाब है उनके बीच मे जो रिटेनिग वाल्ज निकालनी है, उनको बनाने का काम पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग का ही होता है। मुझे पता है क्योकि मेरे पास यह विभाग होता था।

श्री उपाध्यक्षः कंवर साहब आपका समय समाप्त हो गया।

श्री राम पाल सिंह कंवरः डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै लोकल बौडीज के बारे मे भी अपना विचार रखना चाहूगा कि हमारे इलाके मे जहा नै ानल हाई वे बन रहा है, वहा घरौडे का पानी नाले से निकलता था, वह बन्द कर दिया गया। इसलिये मेरी मुख्यमंत्री महोदय से यह प्रार्थना है कि उस नाले की नि ाानदेही करवा कर उस नाले द्धारा बाहर का पानी वहा से निकालने का प्रबन्ध किया जाए ताकि लोगो को राहत मिल सके।

इससे आगे मै एक बहुत ही जरूरी बात मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस मे लाना चाहता हू कि 1986 मे एक लैटर चीफ सैक्रेटरी साहब के आफिस से निकला था कि हरेग एम0एल0ए0 को डिस्ट्रिक्ट हैड क्वाटर पर एक एक स्टैनो टाइपिस्ट दिया जाएगा। यह सवाल हमने पीछे कमेटी मीटिग्ज मे उठाया था और उसके बाद एक चिटठी भी सितम्बर अक्तूबर के महीने मे चीफ सैक्रेटरी की और से डी0सीज0 को लिखी गई थी। उसके बाद मैने डी0सी0 को पत्र लिखा कि यह हमारा सरकार का फैसला है, उसके

मुताबिक हमे स्टेनो टाईपिस्ट मिलने चाहिये। लेनिक अफसोस की बात है कि आज तक न तो उस चिटठी का ही कोई उतर आया और न ही इस बारे सरकार की और से कोई इन्तजाम ही हुआ। इसलिये मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि इस फैसले को इम्पलीमैट करवाने के लिये कोई खास ठोस कदम उठाए जाए ताकि सभी मैम्बर्ज को इन तकलीफो का सामना न करना पडे। भले ही सरकार कुछ भी प्रबन्ध करे लेकिन हरेक मैम्बर को डिस्ट्रिक्ट हैड क्वाटर पर स्टैनो टाइपिस्ट अव य मिलने चाहिये।

डिप्टी स्पीकर साहब, अन्त मे मै एक बात कहकर अपना स्थान लूगा कि पिछले बज सै ान मे मुख्यमंत्री महोदय ने एक फैसला लिया था कि जो मैडीकल फैसिलिटीज प्राईवेट तौर पर मैम्ब्र्ज को दी जाती है, चाहे फीस के तौर पर हो, चाहे प्राईवेट हस्पताल मे कमरे के रैन्ट के तौर पर हो या दवाईयो का खर्चा हो, वह मैम्बर्ज को रिकमण्ड किया जाएगा लेकिन अभी तक इस फैसले को सरकार ने भाायद इम्पलीमैट नही किया है। इस कारण मैम्बर्ज के बहुत सारे बिल पेमैट के लिए विधान सभा सेक्रेटेरिएट के दफतर मे पैन्डिग पडे हुए है। विधान सभा सचिवालय को इस फैसले के बारे मे अभी तक सरकार की और से कोई कोई सूचना नही है। मेरा मुख्यमंत्री महोदय से यह प्रार्थना है कि जो निर्णय सरकार ने इस बारे मे लिया है, उसको जल्दी ही इम्पलीमैट किया जाए और विधान सभा सचिवालय को जल्दी ही इफर्मे ान भजी जाए ताकि जल्दी से जल्दी मैम्बरो के जो बिल्ज पैडिग पडे हुए है,

उनका भुगतान हो सके। इतना ही कहते हुए मै अपना स्थान लेता हू। जय हिन्द।

श्री वीरेन्द सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, श्री फूल चन्द जी मुलाना के गवर्नर साहब को धन्यवाद करने के प्रस्ताव पर सदन मे चर्चा हो रहीहै। काफी मैबरान इसमे हिस्सा ले चुके है। हम पिछले बहुत सालो से देखते आ रहे है कि हर सत्र मे विपक्ष सत्ता पक्ष पर भ्रश्टाचार के आरोप लगाता है और सत्ता पक्ष की और से विपक्ष पर भ्रश्टाचार के आरोप लगते है। इस आरोप प्रत्यारोप मे टैम्पर भी बहुत हाई होता है, गर्मी गर्मी भी बहुत होती है पगडियो भी बहुत उछलती है और अखबारो मे भी चुटकी लेकर खबरे लिखी जाती है (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) आखिर इस बात का अन्त क्या हो और जो भ्रश्टाचार का दोशी है उसको सजा कैसे मिले? हम देखते आ रहे है कि जब भ्रश्टाचार का आरोप सत्ता पक्ष पर लगया जाता है तो मुख्यमंत्री जीसदन मे खडे हो कर कहते है कि अगर साबित कर दे तो मै त्याग पत्र देने के लिए तैयार हू। मै जानना चाहता हू कि विपक्ष के पस ऐसी कौन सी एजेंसी है जिससे यह साबित किया जा सके कि फला आदमी ने भ्रश्टाचार किया है। सरकार के पास जो एजेंसी है। अगर मै भ्रश्टाचारी हू या विपक्ष का कोई आदमी भ्रश्टाचार करता है तो पुलिस डिपार्टमैट है, विजीलैंस है और प्रोसीक्यूट किया जा सकता है । लेकिन विपक्ष के पस ऐसी कोई एजेंसी नही है कि उस भ्रश्टाचार के आरोप को सत्ता पक्ष के किसी व्यक्ति के खिलाफ

सिद्ध कर सके । इस आड मे हो सकता है कि एक दूसरे पर झूठे आरोप भी लगाए जाते हो। इसलिए मेरी गुजारि ा है कि अगर हम क्र ान को मिटाने के लिए सिनसियर है और कम से कम पेालिटीकल लोगो मे मिटाने के लिए सिनसियर है और हम मन से चाहते है कि ईमनदार आदमी की छवि न बिगडे और भ्रश्टाचारी बच कर न जाए तो इसी सै ान मे हम लोकायुक्त का बिल लाए ताकि जो सत्ता पक्ष मे बैठे है विपक्ष को उनके खिलाफ आरोप लगाने का मौका मिले। अगर उसमे सच्चाई होगी तो वह सिद्ध हो सकती है और अगर झूठे है तो उस बिल मे यह भी प्रावधान किया जाए कि जो झूठी ि ाकायत करेगा उसे कडी सजा मिलनी चाहिए वरना इस प्रकार से जो हम आरोप प्रत्यारोप लगाते है यह कोई अच्छी परम्पराप नही है। अगर कोई भ्रश्ट आदमी बच जाता है तो वह भी अच्छी बात नही है। इसलिए मै दोबारा गुजारि ा करूगा कि इस सै ान मे हम सर्वसम्मति से पास करे कि यहा पर लोकायुक्त हो ताकि विपक्ष अपने आरोप लगा सके। जो सत्ता पक्ष मे है उनके मुह से यह बात नही बनती कि आप भ्रश्ट है क्योकि आपके पास मुकदमा दर्ज करने की एजेसी है। कल सम्पत सिंह जी ने बहुत आरोप लगाए। वे कह रहे है कि उनके पास रिकार्ड और फाइले है। अगर उनके आरोप मे सदाकत है तो मुख्यंमंत्री जी को जवाब देते समय उनसे सारा रिकार्ड मांगना चाहिए। और यह घोशणा करनी चाहिए कि इस ि ाकायत को हम फलां जज को सौप रहे है, हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट या किसी दूसरी एजेसी को सौप रहे है जो दूध का दूध और पानी का पानी छान सके। इस

सम्बन्ध मे मेरी गुजारि ा है कि जिस प्रकार से इस साल, जैसा कि पजाब के गवर्नर ऐड्रैस मे यह बात आयी है कि पजाब मे चालू साल क्र५ ान इरेडीके ान के रूप मे मनाया जा रहा है हम भी उसकी भ्रुरूआत अपने यहा पर करे सके ताकि जो बुराई समाज मे फैल गई है उसको दूर कर सके। इस बुराई को दूर करने से हम डिवैल्पमैट के काम अच्छी प्रकार से कर सकते है। ज्यादा नही तो कम से कम हम जो पोलिटीकल लाईफ मे लोग है, उनसे इस बीमारी को दूर कर सके।

स्पीकर साहब, यहां पर यमुना वाटर के पानी के बारे मे महीने डेढ महीने से अखबारो के माध्यम से बडी चर्चा चल रही है। इस सम्बन्ध मे गवर्नमैट आफ इण्डिया ने भी मीटिग बुलाई है और उस मीटिग मे मुख्यमंत्री भी भ्रामिल हुए है। अखबारो के हिसाब से यह सारा मामला कन्ट्रोवर्ि यल हो गया है। 1954 मे एक समझौता हुआ था। उस समझौते के तहत हरियाणा प्रान्त को यमुना के पानी मे से 2/3 और उत्तर प्रदे ा को 1/3 हिस्सा मिलना तय हुआ था। यानि हम इतने पानी भागीदार है। इस सम्बन्ध मे मुख्यमंत्री भी कह रहे है कि कल 2/3 से एक बूद कम पानी का कतरा बिलकुल नही लेगे।

श्री जगदी ा नेहराः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। हमारे विरोधी पक्ष के भाई बार बार इस मुददे को उठा रहे है। ये कह रहे है कि 2/3 हिस्सा हरियाणा का और 1/3 हिस्सा उतरप्रदे ा का होगा यह एम0ओ0यू0 मे लिखा है। 5.730 और 2.

320 को गुणा करके भाग देगे तो पता चल जायेगा कि कितना पानी ही हरियाणा का बनता है। मेरे ये भाई चौधरी वीरेन्द्र सिंह भी दो बार सिचाई मंत्री रह चुके है। मै इनको बताना चाहता हू कि पानी का बटवारा एक जगह नही होता, दो जगह होता है। एक ताजे वाला हैड से होता है। जहा पर 2:1 हिस्सा होता है और दूसरी औखला पर जो कर होता है जहा पर 1:2 का हिस्सा हमारा बनाता है। इन दोनो जगहो के पानी को मिला कर देख ले, उस हिसाब से यह 2/3 हिस्सा हमारा बनता है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मै यह नही कर रहा कि आपको हरियाणा के हित से प्यार नही है, जरूर प्यार होगा, वह तो आपके ऐक ान मे पता लगेगा। मै गुजारि ा कर रहा था कि 1954 के समझौते के मुताबिक 2/3 हिस्सा हरियाणा का और 1/3 हिस्सा उत्तर प्रदे ा का यमुना के पानी मे से होगा। अब अखबारो मे यह बात छप रही है कि उस एम0सी0यू0 के मुताबिक इस पानी मे से हरियाणा और यू0पी0 के अलावा हिमाचल, दिल्ली और राजस्थान को भी पानी दिया जा रहा है। यदि इस स्टेटो को पानी यमुना का दिया जा रहा है तो यह या तो हरियाणा का पानी काटा जा रहा हैं या उत्तर प्रदे ा का पानी काटा जा रहा है। यदि हरियाणा के पानी मे से काट कर इन स्टेटो को पानी दिया जा रहा है। तो फिर 2/3 हिस्सा हरियाणा का कैसे हो सकता है? मेरा फिर यही कहना है कि इन स्टेटो को जो पानी दिया जा रहा है। वह या तो यू0पी0 का पानी काट कर या फिर हरियाणा का पानी काट कर

दिया जा रहा है। वरना हमे तो समझ नही आ रहा कि यू0पी0 का या हरियाणा का बगैर पानी काटे उनको कैसे पानी दिया जा रहा है? मेरी समझ के मुताबिक मुझे तो समझ आ नही रहा। जरा मुख्यमंत्री महोदय, इस बारे मे जवाब देते समय सारी स्थिति स्पश्ट कर दे। अगर ये अपनी जगह सही है कि 2/3 हिस्सा हरियाणा का बरकार है तो फिर आप सारे विपक्ष को इस मामले मे जहा चाहे इस्तेमाल कर सकते है। इस मामले मे हम इनके साथ है। आज भी सरदार बेअन्त सिंह का ब्यान अखबारेा मे आया है।

मोहम्मद असलम खाः स्पीकर साहब, यदि आपकी इजाजत हो तो मै एक बात कहना चाहता हू। जिस वक्त चौधरी सम्पत सिंह जो इरिगे ान मिनिस्टर थे उस समय उत्तर प्रदे ा मे एक नहर बनी थी जिसके बारे मे मैने आ कर इनको बताया था। (विघ्न) वह नहर का इलाका मेरी कास्टीच्यूएंसी से लगता हुआ है। इसलिए मुझे पता चला तो मैने इनके नोटिस मे लाया, यह नहर इनके टाईम पर तैयार हुई थी जिससे पानी का कन्ट्रोल उत्तर प्रदे ा सरकार के हाथ मे चला गया है।

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर सर असलम खान जी ने जो कहा है कि वह बिल्कुल ठीक है। ताजेवाला हैड के ऊपर हाईडल चैनल अप स्ट्रीम इतनी कपेसिटी की बनी है कि पानी का कन्ट्रोल उत्तर प्रदे ा सरकार के हाथ मे चला गया है। वे कहते तो है कि पानी हाईडल के लिए इस्तेमाल करेगे और फिर उसको डाउन स्ट्रीम मे डाल देगे लेकिन अगर वे उसको डाउन स्ट्रीम मे न डाले

तो हमारे पास कोई चारा नही है इस बात को रोकने का। हमे इस बारे मे कोि ा ा करनी चाहिए। यह एक लम्बी प्रोसैस है। जिस वक्त ये मेरी नोटिस मे लाए, उस वक्त तक यह चैनल कम्पलीट हो चुकी थी। हमे अब भी यह मामला टेकअप करना चाहिए। अगर ऐसा हो गया तो फिर हमारी स्टेट मे पानी आएगा कहा से?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै गुजारि ा कर रहा था कि अगर 2/3 पानी हरियाणा के लिए रखना है तो एक ही तरीका है कि या तो इन स्टेटस को पानी का हिस्सा न मिले या फिर इनको हिस्सा मिले तो उत्तर प्रदे ा के हिस्से मे से दिया जाए। सरदार बेअन्त सिंह जी का ब्यान अखबारो मे छपा है, उसमे साफ भाब्दो मे कहा है कि यमुना वाटर पर हमारा क्लेम काया है। पिछली दफा मीटिग मे मुझे बुलाया गया था परन्तु मै कही और बिजी था, मसरूफ था, इसलिए मै उस मीटिग मे नही जा सका लेकिन हमारी क्लमे कायम है। मै मुख्यमंत्री जी से अपील करूगा कि जब यह बात मीटिग मे उठाई गई थी तो उन्हे ऐतराज उठाना चाहिए था। उन्होने ऐतराज उठाया या नही उठाया, मुझे पता नही। इस मीटिग मे पजाब के नुमाईन्दे को किस लिए बुलाया गया, राजस्थान, हिमाचल प्रदे ा और दिल्ली के नुमाईन्दे किस लिए बुलाए गए। इस पानी पर तो उत्तर प्रदे ा या हरियाणा प्रदे ा का हक है और किसी प्रदे ा का हक नही है। दूसरे नुमाईन्दो को किसलिए बुलाया गया? स्पीकर साहब, मै मुख्यमंत्री जी से गुजारि ा करूगा कि वे अगली बैठक मे पानी के बारे मे

अपना स्टैड ले कि किसी दूसरे प्रदे ा को इस बैठक मे बुलाने का कोई मतलब नही है, हम इस बातचीत के लिए तैयार नही है। इस बातचीत मे सिर्फ उत्तर प्रदे ा और हरियाणा प्रदे ा के नुमाईन्दे ही भाामिल होने चाहिए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मै इनकी जानकारी के लिए इनको बता दू कि पजाब को इस मीटिग के लिए नही बुलाया गया था, पजाब को तो एस0वाई0एल0. के लिए बुलाया गया था। हमारी मीटिग पहले थी और एस0वाई0एल0 के बारे मे मीटिग बाद दोपहर थी। पजाब मे इरिगे ान मिनिस्टर ने इस पानी पर अपना क्लेम किया है परन्तु भारत सरकार ने उस क्लेम को माना नही है। इस क्लेम को मानने का कोई सवाल ही पैदा नही होता है और न ही उनको इस मीटिग मे बुलाया गया था राजस्थान, हिमाचल प्रदे ा, और दिल्ली की जो बैठक हुई थी, वह आलरेडी फिक्सड थी और वह बैठक पीने के पानी के बारे मे थी, न कि इरिगे ान के पानी कीं इस मीटिग मे पीने के पानी की बात थी, इरिगे ान के पानी की इसमे कोई बात नही थी।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः आप कितना टाईम और लेगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे आधा घण्टा और लगेगा।

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तो हाऊस का समय आधा धण्टा बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का टाईम आधा घण्टा बढाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहा तक एस0वाई0एल0 का ताल्लुक है हमे यह मानना पडेगा कि इसको चौधरी देवी लाल की सरकार भी पूरा नही करवा सकी। जब चौधरी बंसी लाल जी आए वे भी पूरा नही करवा सके और अब चौधरी भजन लाल जी की सरकार है, वे भी इसे पूरा नही करवा पा रहे है। अध्यक्ष महोदय, यह नहर मिलीटैसी की वजह से मार्च 1990 मे बन्द हो गई थी, परन्तु अब सैन्टर की तरफ से पजांब के मुख्यमंत्री बेंअन्त सिह जी को बधाई पत्र आ रहे है कि आपने मिलीटैंसी की ऐक्टीवीटी को कन्टेन कर दिया है। तो मै मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हू कि अब इस काम मे क्यो देरी हो रही है? कौन सी ऐसी रूकावट आ रही है कि यह काम भाुरू नही हो रहा है? अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने आते ही जनता से वायदा किया था एक साल के अन्दर अन्दर हम एस0वाई0एल का पानी हरियाणा के किसानो के खेतो मे ला देगे। अध्यक्ष महोदय, अगर मौजुदा असैम्बली पूरे पांच साल

चल पडती है और चौधरी भजन लाल जी ही मुख्यमंत्री के पद पर रहते है तो क्या ये आ वासन देगे कि इस सरकार के टाईम मे नहर बन जाएगी? अगर से ऐसा आ वासन दे दे तारे हम यह बात छोड देगे।

अध्यक्ष महोदय, दूसरे यमुना के पानी पर भी लोगो की नजरे बैठी है। अगर जमुना के पानी मे भी गडबड हो गई तो मै मुख्यमंत्री जी को कहूगा कि जैसे राजीव लोगोवाल ऐवार्ड 1985 मे हुआ था और हरियाणा ने काग्रेस पार्टी को 1987 मे धारा ाायी कर दिया था, वैसे ही हरियाणा की जनता किसी को भी माफ नही करेगी अगर हरियाणा की जनता फिर उठ खडी हुई तो हो सकता है कि उनसे भी बदतर हालत हों। हमारा भी यह प्रदे ा है और आपका भी यह प्रदे ा है इसलिए पानी के मसले को बिना कोई प्रस्टीज इ ा बनाते हुए बडी खुबसूरती के साथ हल करना चाहिए इसमे आपको विपक्ष को भी इन्वाल्व करके पानी के मसले को हल करने के लिए लडना चाहिए ताकि यमुना से भी पानी आये और एस0वाई0एल0 को भी हम कम्पलीट करवा पाये। अध्यक्ष महोदय, जहा तक किसानो की हालत का सवाल है। आज किसानो की बडी दुर्द ाा हो रही है। यह तो आपको भी पता है आप भी किसान है और यहा पर अधिकां ा मैम्बर्ज भी किसानो के ही नुमाइन्दे है। किसानो के ऊपर बडी भारी मार पडी है। इसैक्अीसाइडजड और पेस्टीसाईज्ड के रेट बढे हुए है। खाद की सबसिडी भी विद ड्रा हुई है, फारेन म ाीनरी के रेट भी बढे है यानी हर चीज के रेट

जिसकी किसानो को आव यकता होती है, बढे है लेकिन साथ ही उसकी फसल का दाम भी क्र ा हो गया। इसके अलावा किसान के ऊपर यह भी मार डाल दी गई कि बिजली के रेट एकदम बढा दिये। चौधरी देवी लाल जी की सरकार मे जब मै पावर मिनिस्टर था तो उस समय भी बिजली के रेट बंढाये गये थे परन्तु उस समय किसानो को हमने यह ऐ योर किया था कि अगर आप चाहते हो कि पिछली सरकार की तरह केवल चार या पांच घंटे ही बिजली दी जाए तो हम बिजली के रेट नही बढायेगे और अगर आप 24 घंटे बिजली चाहते हो ते हम रेट बढायेगे इसलिए ही किसानो ने उस समय कोई भी आपति नही की थी। चौधरी भजन लाल जी, किसान इस बढे हुए रेट को इस बार भी बर्दा त कर लेते अगर आप उनको 24 घंटे बिजली देते या आप उनको इस तरह का ऐ योरेस देते। लेकिन अब वह कैसे बर्दा त कर ले क्योकि उनको बढे रेट पर भी बिजली नही मिल रही है। आप इस बारे मे लोगो से पता कर ले जो न काग्रेस के हो न विपक्ष के हो क्योकि निश्पक्ष लोग भी मिल जाएगे कि बिजली किसानो के टयूबवैलो को कितने घंटे पहुच रही है। आपको बिजली के लिए अलग से मंत्री बनाना चाहिए क्योकि मुख्यमंत्री को तो और भी बहुत से काम होते है। आपने यह ठीक किया है कि पावर डिपार्टमैट को इरीगे ान डिपार्टमैट से अलग कर दिया है। मैने भी उस समय चौधरी देवी लाल को लैटर लिखरक सुझाव दिया था कि बिजली का अगल से ही मंत्री होना चाहिए क्योकि एक आदमी से ये दोनो डिपार्टमैटस एक साथ नही सम्भलते है। चाहे

आप किसी को भी मंत्री बनाये मगर पावर डिपार्टमैट एक साथ अगल से ही मंत्री बनाये। मांगे राम गुप्ता जी ने लोगो का पसीना निकलवा दिया। आज जिस मंत्री को देखो उसका हो चेहरा लटका हुआ है। (हंसी) मागेराम जी मेरे पडौसी है उनका और मेरा हल्का साथ साथ लगता है। मै वैसे भी उनकी इज्जत करता हू और उनकी बात को वजन देता हू। स्पीकर सर, मै गुजरि ा कर रहा था कि मुख्यमंत्री जी को बहुत काम होते है इसलिए इस विभाग को अलग बनाया जाए ताकि बिजली की सप्लाई मे सुधार हो (विघ्न) स्पीकर साहब, निसिंग कांड बहुत आराम से एवाइड किया जा सकता था और जैसा अखबारो मे छपता है मुख्यंमंत्री जी आपको खबर थी कि किसान रैली करेगे। आप को अपनी जनता के लिए अपने प्रदे ा के लोगो के लिए प्रेस्टिज नही बनानी चाहिए, आपको राय दी गई कि आप यह रैली कैसिल कर दे आपको कैन्सिल (विघ्न)

चौधरी भजन लालः सर, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मै इनको बताना चाहता हू कि किसान यूनियन के प्रतिनिधी पहले दिन भााम को मुझसे मिले थे और कहा था कि हम उनको समझाएगे कि कल रैली नही करेगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जैसा अखबारात मे आया है, मै उसके हिसाब से .....(विघन)

श्री अध्यक्षः रैली करी भी कहा हम भी वहा थे।

चौधरी भजन लालः वो तो रास्ते रोकने की कोि ा ा कर रहे थे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अगर रैली उन्होने नही की तो रैली करने दी गई होगी। यदि सरकार न चाहे तो रैली तो आज बी0जे0पी0 की भी नही हो सकेगी। विघ्न हा, तो मै गुजारि ा कर रहा था कि यह जो फायरिंग की घटना हुई है, यह निन्दनीय है, It could be avoided, इसलिए मै मुख्यंमत्री से कहना चाहता हू कि बी0के0यू0 की जो मागे है उनके नुमाइन्दे को फिर बुलाइए और खुले दिल से उनके विचार लीजिए। आज किसानो को जरूरत है कि उनके बिजली के रेट कम किए जाएं। आज किसान को जरूरत कि उसकी खाद की सबसिडी हरियाणा प्रदे ा दे, अगर सैन्ट्रल गवर्नमैट ने विदड्रा कर ली है तो हरियाणा प्रदे ा की सरकार उसके भाव को सबसिडाईज करे, वरना यह प्रदे ा जो दे ा मे नम्बर दो पर आ गया है। फिर पिछड जाएगा। स्पीकर साहब, अनएम्पलायमैट के बारे मे आपने कहा था, मै बहुत दिन से सुनता आ रहा हू कि एक परिवार के एक मैम्बर को नौकरी दी जाएगी। स्कीम बना दी गई है आकडे इकटठे हो रहे है। इस समय हरियाणा प्रदे ा मे दस लाख नौजवान बेकार है, यह तो आपके रिकार्ड पर ऐन्ट्री है, लेकिन उससे दुगना यानी लगभग 20 लाख नौजवान बेरोजगार है। अगर यह हालात रहे तो बहुत भयकर हालत हरियाणा प्रदे ा की हो सकती है। भुखमरी यू ही बढती रही, बेकारी यूही बढती रही तो पजाब तो भाान्त हो गया है,

हरियाणा मे आग भडक सकती है। इसलिए हम सब का फर्ज बनता है कि ऐसा वातावरण प्रदे ा मे बनने से बचाये। इस प्रकार की समस्यओ को नम्बर एक पर लेकर हल करने की कोि ा ा की जाये। मै मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहूगा कि हरियाणा प्रदे ा मे बाकी जो काम एक साल या दो साल तक के लिए है, उनको बन्द करके केवल चार बातो पर जोर दे। बाकी काम छोड जा सकते है। एक तो पानी का पूरा प्रबन्ध, दूसरा बिजली का पूरा प्रबन्ध तथा तीसरा बेकारी का प्रबन्ध कर दे और फाईनली ला एड आर्डर कायम कर दे। हरियाणा फित तो नम्बर एक पर ही है और एक नम्बर से भी ऊपर चला जायेगा। आप केवल तीन चार बाते ही पूरी कर दे। इनकी तरफ ही वि ोश ध्यान दे, बाकी सारे काम रोके जा सकते है। अस्पताल की बिलडिगे बनाना फिलहाल रोकी जा सकती है स्कूलो की बिल्डिगे बनाना फिलहाल रोकी जा सकती है और सडको की रिपेयर भी रोकी जा सकती है। हम सडको पर हिचकोले खाकर भी चले सकते है कोई बात नही, सडको की मुरम्मत साल दो साल बाद भी की जा सकती है। जिस किसी तरह से ऐसी दूसरी बातो पर मोरेटोरियम 3–4 साल के लिए लगाया जा सकता है, लगाकरा ऐसा कर दे ताकि प्रदे ा सुखी रहे और तरक्की कर सके। (व्यवधान एवम भाोर) स्पीकर साहब, मै गुजारि ा कर रहा था कि जहा तक ला एंड आर्डर का ताल्लुक है, वह तो दूसरी बात है लेकिन लीगली और कास्टीच्यू ानली तो आज भजन लाल जी की सरकार कायम है। परन्तु इस सरकार का कोई अच्छा इम्पैक्ट नही है। जो सरकार का रौब और रूतबा होना

चाहिए, वह नही है। इसी कारण से ला एंड आर्डर की सिचुए ान बिडगी हुई है। आप फिगर्ज उठा कर देख ले। मर्डर केसिज मे भी बढौतरी हुई है। आप फिगर्ज उठाकर देख ले, रेप केसिज मे भी बढौतरी हुई है। आप फिगर्ज उठाकर देख ले। किडनैपिंग के केसिज मे भी बढौतरी हुई है। यह चीजे तब तक नही रूकेगी जब तक कि इस सरकार का जनता पर अच्छा इम्पैक्ट नही होगा। (व्यवधान एवम भाोर) तो मै गुजारि ा कर रहा था कि जब तक आपकी सरकार का इम्पैक्ट लोगो मे नही होगा, तब तक यह ला एंड आर्डर की सिचुए ान इम्प्रुव नही हो सकती । मेवात की बात ही लीजिए। इस एरिया मे आपस मे सदियो से लोग ठीक ठाक रहते आ रहे है। वे भाई भाई की तरह रह रहे थे। कोई फर्क नही है। आप ने भी वहा से एम0पी0 का इलैक ान जीता है और मै भ वहा के काफी गावो मे घूमा हू। वहा पर तो लोग हमारे दूसरे इलाको की तरह ही धोती बाधते है, लागड टांगते है। हमारा रहन सहन आपस मे काफी मिलता जुलता है। इससे पहले वहा पर कोई कम्यूनल बात नही थी। वहा पर भी दगे हो जाये, तो यह बडे ही अफसोस की बात है। दे ा मे हर जगह कम्यूनल दगे हुए है लेकिन मेवात का हमारा इलाका उनसे अछूता रहा था लेकिन अब तो वहा पर भी दगे हो गये है। (व्यवधान एवम भाोर)..... वहा पर भी गडगड हुई है। (व्यवधान एवम भाोर)..... स्पीकर साहब, ला एंड आर्डर से जुडती हुई बात मै पब्लिक हैल्थ स्कीम के बारे मे कहना चाहता हू। आपने एक एक गांव मे टूटी क्या पहुच गई, वहा झगडे भाुरू हो गए। मै मुख्यमंत्री जी को

बताना चाहता हू कि गावो मे पच्चीस प्रति ात झगडे टूटी पर है। वहां पर आपस का भाईचारा बिगड चुका है। आपस मे मुकदमे दर्ज हो चुके है और टूटी गावो के अन्दर जो काम कर दिया वह और कोई नही कर सकता। गावो के अन्दर इतनी किचड, बीमारी और मलेरिया इस टूटी ने फैला दिया कि जिस पर पानी तो दो घरो के लिए प्राप्त है और औरते खडी है सौ घरो की। एक औरत की चोटी दूसरी औरत के हाथ मे है। स्पीकर साहब, कीचड वहा इसलिए हुई है कि उसका मटका उसने फोड दिया और उसका मटका दूसरी ने फोड दिया। स्पीकर साहब, बिजली के कारनामे के बारे मै बताना चाहता हू औरत रात को सो जाती है रात के बारह बजे बिजली आती है तो रौला पड जाता है कि पानी आ गया। दिन मे बिजली मिलती नही है। आधी रात को पानी आता है। मै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि मेहरबानी करके पानी की मिकदार बढाइए। जो टेंक आज से बीस तीस साल पहले बने थे उनकी मिकदार आज बढाने की आव यकता है जिससे कि ये झगडे समाप्त हो। स्पीकर साहब, जहा तक सडको का ताल्लुक है चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि 31 मार्च, 1992 तक कोई सडक नही बचेगी जिसकी मुरम्मत न कर दी जाए। तो वाकई कई जगहो पर तो सडक गायब हो चुका है। पहले डागी साहब अ योरैस कमेटी मे थे। उस समय हमने डिपार्टमैट को बुलाया और उनसे पूछा कि सारी सडको की मुरम्मत के लिए कितना पैसा चाहिए। डिपार्टमैट वालो ने कहा कि सडको की मुरम्मत के लिए दो सौ करोड रूपया चाहिए तब जाकर सारी सडको की मुरम्मत

हो सकेगी और स्पीकर साहब, दो सौ करोड रूपया स्टेट के पास सडको की मुरम्मत के लिए है नही तो फिर सडको की मुरम्मत कैसे हो सकती है। मैने उस वक्त डांगी जी को कहा था कि मुख्यमंत्री ने पब्लिक मे यह अ योरैस दी थी कि डांगी को मंत्री बनाया जाएगा और अभी तक आपको बनाया नही है। अगर हमारे परव्यू मे हो तो हम चीफ मिनिस्टर को बुलाकर पूछ लेते है कि डांगी जी को मंत्री अभी तक क्यो नही बनाया है। लेकिन खैर मुख्यमंत्री जी ने प्रवता बहुत वायदा तो पूरा कर दिया। (व्यवधान एवम भाोर).....

चौधरी आन्नद सिंह डांगीः मुरम्मत के लिए दौ सौ करोड नही साठ करोड रूपया चाहिए। अठारह करोड रूपया सडको की रिपेयर के लिए मिला है जबकि साठ करोड रूपया एक साल मे मिलना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिहः इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सडको को मेहरबानी करके बनाइए। स्पीकर साहब, मै गुजारि ा कर रहा था कि सडको की इस समय प्रान्त के अन्दर बुरी हालत है। विकास कार्या तकरीबन ठप्प से ही पडे है। ऐग्रीकलचर मिनिस्टर बैठे नही है। चलो जय प्रका ा जी तो बैठे है, वे भले आदमी है, उन्होने एक सडक लोहारी से मसूदपुर तक बनवा दी, उनका बहुत बहुत धन्यवाद। लेकिन नारनौंद मे एक मडी है। बहुत दिन पहले बदकिस्मती से उसका फाउडे ान स्टोन मैने रखा था और वह नारनौंद के इलाके के सैन्टर मे पडती है और उस इलाके

मे कम से कम 200 गावो के लोगो का आना जाना है और उस मण्डी पर आधे से ज्यादा खर्च हो भी चुका हैं एक करोड के लगभग रूपया उस मण्डी पर लग भी चूका है और वह पैसा वेस्ट सा हो रहा है। वह मण्डी जनता के काम आएगी। जनता को सुविधा होगी। भाायद जोगिन्द्र सिंह जी का हल्का भी उसके साथ पडता है। इसलिए मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि उस मण्डी की भी कुछ कहना चाहूगा कि अब तो नकल जरूर कम हुई है। हुई तो है लेकिन पहले से बहुत ही कम हुई है। इसके लिए मै अपनी बहन जी को बधाई देता हू कि उन्होने क्या कुछ इसकी रोकथाम के लिए किया है, यह तो भगवान ही जाने। लेकिन विकास कार्य ठप्प है, उसकी बति को तेजी से चालू कीजिए। पानी का मसला जल्दी हल कीजियेगा, बिजली की हालत ठीक कीजियेगा और निसिंग कांड का जुडीि ायल प्रोव करवाईयेगा। बस इतना ही कहकर आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हू।

13.58 साय

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है। (तत्प चात सदन भाुक्रवार 26 फरवरी, 1993, प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)